यीशु मसीह का प्रकाशन

बहुत–बहुत धन्यवाद, भाई नेविल।

बैठ सकते है।

2 मैं इसे विश्वास करता हूं कि यह एक बार कहा गया था, कि, "मैं आनंदित हुआ जब उन्होंने मुझसे कहा, 'आओ हम प्रभु के घर में चले।'"

3 अब, हमें खेद है कि हमारे पास जगह नहीं है, या बैठने का कमरा नहीं है, उन सबके लिए जो उपस्थित हैं, और शायद आने वाले सप्ताह में स्थान बढ़ायेगे, आने वाले लोगों के लिए, जो सभाओ को सुनने आते है।

4 लेकिन इस विशेष समय का, इसका जो कारण था कि हम... मेरे ह्रदय में पवित्र आत्मा ने दृढ विश्वास की यह चेतावनी दी थी, कि, "इस दिन में कलीसिया के पास यह संदेश होना चाहिए।" क्योंकि, मैं सोचता हूं कि यह बाईबल का सबसे अधिक समझनेवाला संदेश है, क्योंकि इस समय पर यह मसीह को उसकी कलीसिया में प्रकट करता है।

5 तब, किसी के पास विश्वास नहीं हो सकता है या नहीं जानता हो कि वे क्या कर रहे हैं, या वे कहाँ जा रहे हैं, जब तक कि उनके पास कुछ न हो, कुछ तो ऐसा ताकि अपने विचारों को आधार बनाये और विश्वास पर हो। इसलिए, यदि वचन इन अंतिम दिनों में और समय की परिस्थिति में मसीह को हम पर प्रकट कर चूका है, यह हमारे लिए अच्छा होगा कि इसे ढूंढे और जाने कि हम कहाँ पर हैं।

6 अब, हमें—हमें खेद है कि हमारी कलीसिया ज्यादा बडी नहीं है, किसी दिन हम ऐसा होने की आशा करते हैं।

7 और इन पिछले चार दिन में, विशेष रूप से, प्रकाशितवाक्य की किताब के ऐतिहासिक भाग पर, इसे अध्ययन कर रहा हूं, मैं उन चीजों से होकर गया हूं जो मैंने कभी भी नहीं सोचा था कि वास्तव में कभी ऐसा हुआ था। और ये यहां तक मेरे लिए एक अहसास को लाया, इस *सात कलीसिया युग के बाद,* मैं इस पर से होते हुए आया हूं, मैं एक और ऐसी ही श्रृंखला को लेना चाहता हूं "सच्ची कलीसिया और झूठी कलीसिया," एक साथ, और बस इतिहास और वचन के जरिये से ले लूंगा। जैसे एक बार मैंने

प्रयास किया था, एक उपदेश पर लेने के लिए "सच्ची दाखलता और झूठी दाखलता," जो बाईबल में पायी जाती है। और हम...

8 हम कुछ कुर्सियाँ लेने की कोशिश करेंगे, जब मैं सोच रहा हूं कि लोग बैठने का प्रयास करते हैं। और हम इसे ले लेंगे, कुछ कुर्सियों को और ज्यादा लेने की कोशिश करेंगे, यहां पीछे कमरे को भरने की कोशिश करेंगे, और बाहर, और कुछ और यहां–वहां, ताकि हम सभाओं के दौरान कुछ और लोगों को बैठा सकते है।

9 अब, इस पर, मैं आप में से हर एक से पूछना चाहूंगा जो इन बातों के बारे में वास्तव में दिलचस्पी रखते हैं, जो हर समय आते है कि हम इसे समझाने जा रहे हैं। और मैं उतरदायित्व नहीं होऊंगा, या मैंने अपने आप में नहीं सोचा... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... उतरदायित्व नहीं हूं... [टेप पर खाली स्थान।]... इस महान प्रकाशितवाक्य की किताब... [टेप पर खाली स्थान।] सात कलीसिया युग। लेकिन मैं पूरी तरह से परमेश्वर पर निर्भर हूं, क्योंकि जैसे ये मुझे प्रकट करता है वैसे ही मैं इसे करने के लिए आता हैं।

10 स्वाभाविक इतिहास, जो कि... सबसे प्रमुख इतिहासकारों से मैंने लिया, जिसके बारे में मैं जानता हूं। मैं ठीक अभी अपने अध्ययन के कमरे में बैठा हुआ था, लगभग पांच या छह व्याख्याओ की किताबो को देखा, हिस्लोप के *टू बेबीलोन, फ़ॉक्स बुक्स ऑफ द मार्टियर्स,* और अन्य महान किताबो को; जैसे पूर्व निसियन परिषद, उस पर लगभग चार किताबें, हर एक किताब में लगभग चार सौ पन्ने है। और वहाँ निसियन परिषद, और सारे इतिहास है, जिसे हम देख सकते हैं। क्योंकि, इसके पीछे, चुम्बकीय टेप से, हम सात कलीसिया काल पर एक व्याख्या को लिखने जा रहे हैं, जिससे कि हम सारे संसार में भेज सकते हैं, क्योंकि हम अंतिम दिनों में हैं। हम अंत के समय पर हैं।

11 यह मेरे ह्रदय पर कभी भी इतना ज्यादा स्पष्ट नहीं हुआ, जब तक अंतिम चुनाव नहीं हो गये, और उसके बाद मैंने देखा कि हम कहाँ पर थे। तब पवित्र आत्मा मुझ प्रकट करने लगा, कि लोगों को सचेत करूं, और इस बात को रखूं। और मैं इस तरह पर्याप्त रूप से एक कलीसिया में यह नहीं कर सकता हूं। और तब यदि मैंने बैठ कर और बस किताब को लिखा... मैं महसूस करता हूं कि यदि मैं पुलपिट पर गया, और मसीहो के बीच में

पवित्र आत्मा की प्रेरणा मुझ पर आ गई, मेरी सहायता करने के लिए, तब मुझे इसके बाद किताब लिखने के लिए काफी बातें मिलेगी, मेरे इन बातों को टेप में से लेने के बाद, क्योंकि वहां टेप पर हमें इसकी प्रेरणा मिलती है। वे किताबें, अवश्य ही, एक तरह से थोडा सा स्पष्ट करेंगी, क्योंकि यहां पर, हम उस में बातों को डालते है जो हम किताब में नहीं डाल सकते है। और फिर हम... और हम अपने आप से दोहराने में बहुत समय ले लेते हैं, या मैं ऐसा करता हूं। और फिर, किताब में, यह सब स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन हम यह सब लेने का प्रयास कोशिश करेंगे, जितना हम कर सकते हैं, टेपों पर।

12 अब, हर एक रात को, साहित्य और इत्यादि की वे टेप भाइयो के पास होगी, ठीक वहाँ इमारत के बाहर।

13 अब, मैं हो सकता है, हर रात को यहां नहीं हो सकता हूं, जैसे परमेश्वर की महिमा के लिए हमने अपने आप पर लेने का प्रयास किया है, ताकि—ताकि सात रातों में सात कलीसिया के संदेश या सात चर्च युग को लेकर आये; हर रात को एक–एक युग लेते हुए। जैसे, सोमवार रात को, इफिसुस; मंगलवार की रात को स्मुरना; बुधवार की रात, पिरगुमन; गुरुवार की रात, थूआतिरा; शुक्रवार की रात, सरदीस; और शनिवार की रात, फिलेदिलफिया; और रविवार की सुबह और रविवार की रात, लौदीकिया कलीसिया युग, जिसमें हम रह रहे हैं। मूल कलीसिया के ऐतिहासिक बातों को बातों को बताते हुए, और—और लेखकों और इतिहासकार, और उस युग के दूत और—और संदेश, और कलीसिया की दौड़, जैसा कि इसमें से होते हुए इस समय तक आये है।

14 और यह देखना अद्भुत है कि उस वचन की हर एक भविष्यवाणी इतिहास के साथ दृढ रूप से पूरा करती है, बस ठीक–ठीक, इसके विचारधारा तक। इसने मुझे यहां तक कल बहुत चकित किया, यहां तक, मैं पढ़ता ही रहा जब तक मुझे महसूस नहीं होने लगा कि मेरी आंखें सूज गई है। और मैं बाहर आ गया और मैंने पत्नी से कहा, "मैंने कभी इस तरह से सपने में भी नहीं सोचा था।" समझे? यह कितना महान था!

15 और अब, कभी–कभी, मैं हो सकता है, इस सब को एक ही रात में नहीं ले सकू, कलीसिया को, कलीसिया के लिए संदेश को। और यदि मैं इसे एक ही रात में नहीं ले सकता हूं, तो अगली सुबह दस बजे ले लूंगा।

हर रात को घोषणा की जाएगी, जो बाकी लोग आकर और सुनना चाहते हैं, क्योंकि हम कोशिश करेंगे, कि इसे टेप करे। मैं सुबह दस बजे से लेकर, दोपहर तक, दिन में, ताकि इसे लाने की कोशिश करूं, बाकी के संदेश को, क्योंकि वे इसे टेप पर सुन सकते हैं। ना हीं...

16 हमने घोषणा की है कि कोई भी चंगाई की सभा नहीं होगी, क्योंकि हम बाईबल के भविष्यव्यक्ता के शब्दों के नीचे बने रहने का प्रयास कर रहे हैं। तब, हमारे पास अभी हाल ही में एक चंगाई की सभा हुई थी। इसके बाद जब यह सभाये समाप्त हो जाती हैं, तब हमारे पास फिर से उसी स्थान पर, एक चंगाई की सभा होंगी।

17 लेकिन अब मैं—मैं इसे वास्तव में स्पष्ट करना चाहता हूं, इसलिए कि अब हर कोई यहां पर इसे याद रख सकता है, यह हो सकता है काटेगा और अलग करेगा, और हम सभी को एक बड़ी हिलावट को देगा। लेकिन मैं वचन प्रचार करने के आलावा किसी भी बात के लिए उत्तरदायी नहीं हूं। यह, ऐसा ही है। बस—बस सीधे वचन को पकड़े रहूंगा। और बहुत सी बार, हो सकता है इस कलीसिया के युगो में, हो सकता है किसी संप्रदाय पर दोष को लगाये। और यदि ये ऐसा करता है, तो इसका अर्थ कठोरता से नहीं है। यह—यह तो केवल यह बताना है कि वचन ऐसा कहता है, और मेरे पास इसका जो प्रकाशन है। और यदि आप सोचते है कि मैं इसमें गलत हूं, तो इसे मेरे प्रति कुछ विरोध में मत रखना, केवल मेरे लिए प्रार्थना करे कि परमेश्वर मुझे दिखाये कि क्या सही है, क्योंकि मैं अवश्य ही सही होना चाहता हूं।

18 और फिर एक और बात, यह महसूस करते हुए कि मेरे पास जो जिम्मेदारी है, इस तरह की एक सभाओ में, लोगों को इसकी शिक्षा देते हुए, कि पवित्र आत्मा मुझे उन शब्दों के लिए ज़िम्मेदार ठहरायेगा, जो मैं इस पुलपिट में से कहता हूं। इसलिए आप देखते हैं कि हम इस पर कितना दृढतापूर्वक पहुँच रहे हैं। अब, हमारे...

19 मुझे यह कहीं तो और मिल गया होता था। लेकिन, यह शिक्षा होने की वजह से, तो हमारे... बाहर सभाओ में जो सुसमाचार प्रचार करने वाले है, हम में से हर एक के पास एक विचार होता है या परख होती है, या जैसे–जैसे युगो में से होते हुए किया गया है, और हमारे पास हमारी अपनी–अपनी कलीसियाये हैं, और हमारे कलीसियाओ ने हमें जो भी सिखाया है, और

हम क्या विश्वास करते हैं। हम... मुझे किसी और के कलीसिया में जाना पसंद नहीं है, या उस तरह के लोगों के बीच में, और ऐसा कुछ कहें जो लोगों को सिखाया गया हो, जो इसके विपरीत होता हो। क्योंकि, कुछ भी हो, मैंने स्पष्ट रूप से प्रयास किया है अपने कथन को दिया है...

20 यदि कोई मनुष्य कैथोलिक है, और वह कैथोलिक कलीसिया के उद्धार पर निर्भर है, तो वह ख़त्म हो जाता है। यदि वह बैपटिस्ट है, बैपटिस्ट कलीसिया पर निर्भर है, तो वह ख़त्म हो जाता है। या एक पेंटीकोस्टल, एक पेंटेकोस्टल कलीसिया पर निर्भर करता है कि उसे बचाये, वह खत्म हो जाता है। लेकिन... कोई भी कलीसिया! लेकिन यदि वह व्यक्ति दृढतापूर्वक उस कलवरी पर मसीह के समाप्त किये हुए कार्यों में विश्वास पर विश्राम कर रहा है, तो वह बच जाता है, मैं परवाह नहीं करता हूं कि वो कौन सी कलीसिया से सबंध रखता है। क्योंकि, "विश्वास के द्वारा तुम बचाये गये हो, और ये अनुग्रह से है।"

21 अब, कभी–कभी, ऐसा करने में, फिर मैं सोचूंगा, यहां मेरी अपनी छोटी सी इमारत में, जिसे हमने बहुत वर्ष पहले आरंभ किया थी, तब कुछ पुराने ठोस पत्थरो के ब्लॉक और चीजों से बनाया था, और यह एक प्रकार से हमारे लिए एक पवित्र स्थान है। हम यह नापसंद करते हैं, इसे बदलते हुए देखने से नापसंद करते हैं, क्योंकि यह वो स्थान है जहां परमेश्वर पहले हमसे मिलना आरंभ किया, जब यहां तक इसमें कोई हमारे पास मंजिला भी नहीं थी। लेकिन इसमें—इसमें एक स्थान होना है, क्योंकि अब ये पुराना भी हो रहा है, और हम यहां इस एक कलीसिया के साथ, इस ब्लॉक को भरने के लिए यहां एक इमारत के निर्माण की योजना में हैं।

22 अब, उस वक्त तक, मैं महसूस करता हूं कि जब मैं प्रचार के कार्य श्रेत्र पर वापस आता हूं, जहाँ पर मैं भाइयों को ठेस नहीं पहुंचाऊंगा और, या, संदेश और इत्यादि के द्वारा ठेस नहीं पहुंचाऊं, तब ये मुझे अधिकार देता है कि मैं खुद की राय को व्यक्त करूं... यहां पुलपिट से। और सो यदि आप कहते हैं, "मुझे इस बात से थोड़ा अलग सिखाया गया है, " मैं... और तब, इसमें, हम तब किसी को भी आमंत्रित करना चाहते हैं, जो भी आना चाहते हैं। समझे? यहां कोई भी इसे प्रायोजित नहीं कर रहा है, या जो कुछ भी है। यहां पर ये भवन है। और जो भी आना चाहता है, उसका बस आने के लिए स्वागत है। बस सीधा आ जाये। इसलिए मैं आपको आमंत्रित करता

हूं कि वे अपनी बाईबल को लेकर आये, हर एक सभा में, और एक कलम और कागज को लाये।

23 और अब, सारी टिप्पणियों और इत्यादि के साथ, मैं सारी किताबें नहीं ला सकता था। इसलिए मैंने कुछ लिख कर रखा है, यहां कागज पर लिख दिया है, इतिहास और टिप्पणियों से हर बार कुछ छोटी–छोटी बातों को लिख देता हूँ, और इत्यादि, जिससे कि मैं यहां लिखी हुई बातों में से तब पढ़ सकता हूं, बजाये किताब को लेकर और पन्नो को आगे–पीछे पलटने के। हालांकि, जब यह वचन की बात आती है, तो हम बाईबल का उपयोग करेंगे। और फिर टिप्पणीयों में, मैं समझाऊंगा; या इतिहास में से, इतिहासकार कौन था जिसने इसे कहा, और इत्यादि। उसके बाद... अवश्य ही, आने वाली किताब की वृतांत में, क्योंकि, उसके बाद हम इसे सही प्रकार से टाइप कर सकते हैं, और सब कुछ सही रीती से कर सकते है।

24 अब, हम वह सब कुछ करेंगे जिससे हम जल्दी से आरंभ कर सकते हैं और जितनी जल्दी संभव हो सके पूरा करेंगे। ये आठ दिन कि सभाये होंगी, रविवार से लेकर रविवार तक।

25 आज सुबह मैं प्रकाशितवाक्य की किताब से प्रकाशितवाक्य का पहला अध्याय आरंभ रहा हूं। और प्रकाशितवाक्य तीन भागों में निर्धारित किया गया है। और जो पहले के तीन अध्याय हैं उसमें से हम इन आठ दिनों में बताते रहेंगे। जब कि, एक कलीसिया काल के लिए हमें एक महीना लग सकता है। लेकिन हमें केवल ऊपर–ऊपर की मुख्य बातो को लेना होगा, जब हम इसे बताते हैं। फिर जब आपको किताब मिलेगी, तो इसे विस्तार से लिखा जाएगा।

26 अब, प्रकाशितवाक्य, पहले तीन अध्याय, जो कलीसिया के साथ व्यवहार करता है, उसके बाद कलीसिया गायब हो जाती है। हम उसके बाद इसे अंत समय तक नहीं देखते हैं। प्रकाशितवाक्य 1 से लेकर 3 तक, जो कलीसिया के लिए है; प्रकाशितवाक्य 4 से 19, इस्राएल के लिए है, जो एक राष्ट्र है; और 19 से 22, जो दोनों के लिए एक साथ है। और अंत में विपत्तियां और चेतावनियां, और इत्यादि! तीन भागों में निर्धारित है। देखा? और हम पहले तीन अध्यायो को ले रहे हैं, जो कलीसिया से संबंधित हैं, और जिस कलीसिया युग में हम रह रहे हैं।

27 अब, पहले, यह एक प्रकार से रुखा–रुखा लग सकता है क्योंकि हमें पीछे जाकर और एक बुनियाद को बनाना है। मैंने प्रार्थना की है और इसका अध्ययन किया है, और वो सब कुछ किया है जो मैं कर सकता था पवित्र आत्मा के अनुभूती को पाने का प्रयास करने के—के लिए, कि कौन से तरीके से इसे रखा जाये, जिससे लोग इसे देख सके, और जिससे कि आप हो सकता है, इसे देखने में, ये स्पष्ट हो जाये और आपका मसीह के नजदीक आने का कारण बने, क्योंकि हम अंत समय पर हैं।

28 और यह ऐसी एक अद्भुत बात है, जैसा कि मैं इतिहास का अध्ययन कर रहा था, यह जानने के लिए कि उस कलीसिया का आरंभ कैसे हुआ, और यह कैसे दूर हो गयी, और किस बात ने जगह ली थी, और यह देखने के लिए कि परमेश्वर का छोटा सा बीज उन हर एक युगों में से होते हुए आगे बढ़ा; लगभग पूरी तरह से बाहर आ गया, उस एक स्थान पर।

29 अब, कल रात, हम आरंभ करेंगे, और एक—एक—यहां एक चार्ट है; चार्ट नहीं, मेरा मतलब एक ब्लैकबोर्ड है, जिसे मैं आपको एक तरह से ब्लैकबोर्ड से सिखाना चाहता हूं। मैं सोचता हूं कि रविवार स्कूल के शिक्षक, उनमें से एक पास, एक ब्लैकबोर्ड होता है। मैं इसे पीछे देख रहा हूं। मैं देखरेख करने वाले को लेकर, इसे यहां सामने ऊपर लगा दूंगा, जिससे मैं उस ब्लैकबोर्ड से सिखा सकता हूं, और इस पर लिख दूंगा जिससे आप निश्चित हो जाए। और आप इसे अपने कागज पर बना सकते है, और इत्यादि, और इसे नजदीक से समझ सकते है जब हम इसे ला सकते हैं।

30 लेकिन मैं आरंभ करने से पहले केवल यह कहना चाहता हूं: कलीसिया के युग के आरंभ को देखे, और यह देखे कि कैसे प्रेरितों, सिद्धांतों, और उन बातों को जिसे उन्होंने सिखाया, और बाईबल के सिद्धांत; और फिर उस कलीसिया को देखे जो प्रेरितों के दूसरा दौर था, यह किस तरह से धुंधला होना आरंभ होने लगता है, जो वास्तविक, सच्ची शिक्षा थी; तीसरा दौर, बहुत दूर होता चला गया; चौथे दौर पर, यह एक—एक ठंडे–गुनगुनेपन में धुंधला हो गया था, उस कलीसिया ने एक गुनगुने कलीसिया को लेकर आया।

31 और फिर एक आत्मा से भरी कलीसिया! जिसे मैं इसे ईश्वरीय सम्मान के साथ कहता हूं हर एक मनुष्य के धर्म के लिए। आरंभ से लेकर, इस

समय तक, वास्तविक, सच्ची कलीसिया एक पेंटीकोस्टल कलीसिया रही है। यह सच बात है। परमेश्वर ने इस कलीसिया को बचा कर रखा है।

32 और मैं अक्सर सोचता हूं, जब यीशु ने टिप्पणी की, कहा, "डर मत, छोटे झुंड, यह तेरे पिता को भाया है कि तुझे राज्य को दें।" मैं अक्सर सोचता था कि इसका क्या मतलब है, लेकिन मैं इसे अब समझता हूं।

33 पिछले हफ्ते हमारी शेवरेपोर्ट लुईसियाना में सभा हुई, जो मेरे जीवन की अब तक की, सबसे बड़ी आत्मिक सभा थी जिसमें में गया हूं। शेवरेपोर्ट!

34 मैं... मेरे पास दो दिन की छुट्टी थी, और मैं केंटकी में भाई वुड के साथ वहां गया, जो कलीसिया के डिकन में से एक है, या मेरा मतलब खजांची है, हम शिकार करने के लिए गये। हम जंगल में चले गए।

35 मैंने पहली गिलहरी पर गोली चलाई। और मैंने कहा, "मैं बस इंतजार करूंगा," क्योंकि कोई तो कुछ कुत्तों को लेकर आ रहा था। और मैंने कहा, "मैं तब तक इंतजार करूंगा जब तक गिलहरी छेद से बाहर नहीं आ जाती। वे पेड़ों में भागती रहती हैं, छेद में चली जाती है, और वे छिपी रहती हैं अब।" मैंने कहा, "जब वे बाहर आती हैं... मैं यहां बैठ कर और इंतजार करूंगा।" क्योंकि, यह वास्तव में ठंडा और रुखा मौसम था, और कान जल रहे थे। और, आप घाटी से होकर आने वाली तेज हवाओ को तो जानते है। मैंने कहा, "मैं तब तक इंतजार करूंगा जब तक गिलहरी बाहर नहीं आ जाती।"

36 और ज्यादा समय तक मैं वहां नहीं बैठा था, कि तभी पवित्र आत्मा ने कहा, "उठ, और उस स्थान पर जा जिसे तुम 'शिकारियों की घाटी' कहते हो। वहां मैं तुमसे बात करूंगा।"

37 और मैं इस स्थान पर चला गया जिसे मैंने "शिकारियों की घाटी" नाम रखा था। क्योंकि, इसका कारण ये है कि मैं उन घाटीयो का नाम, मैंने खुद रखा था, क्योंकि इससे मैं जान पाता था कि मैं कहाँ पर था। "शिकारियों की घाटी" क्योंकि उनके पास... मैं वहाँ पर गया और मैंने एक पेड़ पर सोलह गिलहरीयों को बैठा हुआ देखा; एक दायरे से गोली को चलाया और वहां से चला गया। और यही वो शिकार होता, जिसे किया जाता। तो मैं इसे "शिकारियों की घाटी" कहता हूं।

38 और उसने मुझसे कहा, "जिस स्थान को तुम 'शिकारियों की घाटी' कहते हैं।" ऐसा नहीं है कि उसने इसका नाम रखा, लेकिन मैंने इसका नाम रखा।

39 तब मैं उस घाटी की ओर बढ़ गया और एक सफेद बतुल के पेड़ के नीचे बैठ गया, और लगभग आधे घंटे तक इंतजार किया, और कुछ भी नहीं हुआ। मैं जमीन पर लेट गया, खुद को ओंधे मुंह जमीन पर टिका दिया, अपने हाथो को फैला दिया। तब उसने मुझसे बात की।

40 और जब उसने बात की, तो वे वचन जो उसने मुझ पर प्रकट किए, यही वचन जिस पर हम आज सुबह आ रहे हैं, मैंने इसे अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा था।

41 और फिर जब मैं शेवरेपोर्ट, लुइसियाना में गया, तो एक महिला, जो कि एक दान पायी हुई महिला है, उसका नाम श्रीमती क्षेडर है...

42 कई वर्ष पहले, जब प्रभु के दूत ने मुझसे पहली बार यहां नदी पर मुलाकात की थी, और उस उजियाले में दिखाई दिया, और वे शब्द जो उसने वहाँ कहे; ग्यारह वर्षो के बाद, जब मैं एक सभा में चलकर गया, तो यह छोटी सी महिला उठकर अन्य भाषा से बोलने लगी और इसका अनुवाद किया गया था। यह शब्द दर शब्द वही था जिसे दूत ने कहा था।

43 और यह वही छोटी महिला है, जब मैं भवन में चलकर गया... या शेवरेपोर्ट में स्थान था, जिसमें हम थे, लाइफ टेबरनेकल, पवित्र आत्मा उस महिला पर आ गया, और शब्द दर शब्द वैसा ही कहा जो दूत ने वहां पहाड पर कहा था। तब आत्मा ने आगे आकर और अनुवाद को दिया, प्रकाशन के द्वारा आने वाली बातों को बताते हुए, भविष्यवाणी के द्वारा, वही बातें जो कि अगली रात की सभा में जो होने जा रहा है, और एक बार भी यह असफल नहीं हुआ था।

44 इससे पहले, सभा में एक छोटी सी महिला खड़ी हो गई, एक बैपटिस्ट महिला वहां आ गई जो यह नहीं जानती थी कि वह क्या कर सकती है। और वह सभा के बीच में खड़ी हो गयी थी और पवित्र आत्मा उस पर उतर आया, और उसने अन्य भाषा के साथ बोलना आरंभ कर दिया, जो शेवरेपोर्ट के पहले बैपटिस्ट कलीसिया की एक बैपटिस्ट महिला थी। और फिर वह नहीं जानती थी कि उसने क्या किया है। और फिर, इससे पहले कि वह कुछ भी कह सके, पवित्र आत्मा ने अनुवाद को दिया, कहा,

"**यहोवा यों कहता है**, 'तीन महीने के अंदर, मूसा, एलिय्याह और मसीह की आत्मा वहां होगी, इस भवन में सेवकाई करते रही होगी।'" वहाँ यह पूरी रीती से ऐसे ही हुआ।

45 मेरिडियन, मिसिसिपी के एक बैप्टिस्ट व्यक्ति ने अपने फ्रिज पर हाथ को डाला, फ्रिज में से कुछ निकालने के लिए और परमेश्वर की आत्मा उस पर आ गयी। और वह अन्य जुबान में बोलने लगा, नही जानते हुए वह क्या कर रहा था। और इससे पहले कि वह... समझ सके कि वह क्या कर रहा था, पवित्र आत्मा ने वापस बात की और कहा, "शेवरेपोर्ट, लुइसियाना जाओ। मेरा दास तुम्हे बताएगा कि क्या करना है।"

46 और वह वहाँ पर आया, उसने कहा, "मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूं; ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।" ओह, प्रभु!

हम प्रभु के आगमन से ठीक पहले के दिनों में रह रहे हैं।

47 यह छोटी कलीसिया हमेशा ही कम संख्या में रही है, पेंटीकोस्टल। मेरा मतलब संस्थागत पेंटीकोस्टल लोगो से नहीं है। मेरा ऐसा अर्थ नहीं है। लेकिन, वे जो पेंटीकोस्टल अनुभव वाले लोग है! पेंटीकोस्ट कोई संगठन नहीं है। पेंटीकोस्ट एक ऐसा अनुभव है जो उन्हें मिलता है जो भी इसकि इच्छा रखता है। कैथोलिक, यहूदी, प्रोसलेटी, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, "जो कोई भी चाहे, वो आये।" ये एक अनुभव है जो व्यक्तिगत के लिए है... परमेश्वर एक संप्रदाय के साथ व्यवहार नहीं करता है, ना ही वह अन्यजातियों के साथ एक—एक जाति की नाई या लोगो के साथ। वह तो व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है, "जो भी चाहे।" वो सफेद, काला, पीला, भूरा होने दो; मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रोटेस्टेंट, कैथोलिक, जो कोई भी हो, "वो आये," जो कोई भी हो। मुझे खुशी है कि उसने इसे इस तरह से बनाया। मैं...

48 जैसे कि एक व्यक्ति ने एक बार कहा, "मैं बल्कि उसे यह कहते हुए सुनना पसंद करूंगा कि वो मेरा नाम पुकारने की बजाय, 'विलीयम ब्रंहम आ जाये,' क्योंकि वहाँ एक से अधिक विलीयम ब्रंहम हो सकते हैं। लेकिन जब उसने कहा, 'कोई भी आ जाये,' मैं *जानता* हूं कि वो मेरे लिए है।"

तो इसी तरह हम सभी महसूस कर सकते हैं, "जो कोई भी चाहे वो आये।"

49 अब, मुझे पता है कि यहां बहुत से लोग होटल और मोटल में रुके हुए हैं, जो संसार भर से आते हैं। देखा? यहां आयरलैंड और विभिन्न स्थानों से लोग आये हुए है जो भेंट करने के लिए रुके हुए हैं। लेकिन मैं इनसे ठीक अभी नहीं मिल सकता हूं। मैं अपना समय इसके लिए देना चाहता हूं, आप समझते है।

50 जब मैं इन भ्रमण से वापस आया, मैं आमतौर पर वापस आकर किसी को सेवकाई करने के लिए देता हूं, क्योंकि वे भेंट करने के समय को तय करके रखते है। लेकिन ठीक अभी हमें इस कारण से उन्हें छोड़ना होगा।

51 अब, इस किताब को आरंभ करने से पहले बस एक बात कहूंगा। आरंभ में एक पेंटीकोस्टल कलीसिया थी। वो पेंटीकोस्टल कलीसिया आत्मा की सामर्थ में आगे बढ़ी और उसने एक प्रेरितो की किताब को लिखा। दूसरे दौर में, यह दुर्बल होने लगी, कलीसिया ये औपचारिक होने लगी थी। दूसरा कलीसिया का युग, यह वास्तव में औपचारिक था, लेकिन वो पेंटीकोस्ट का छोटा सा बीज आत्मिक रूप से आगे बढ़ता रहा। उसके बाद यह लगभग चौदह सौ और ऐसे ही कुछ वर्ष एक अंधकार के युग के स्थान में चला गया, एक अंधेरे सतावट के स्थान में। वो छोटा सा पेंटीकोस्टल युग उस में से होकर जीवित रहा। यह कैसे बचा रहा, मुझसे मत पूछना। यह परमेश्वर का हाथ था, केवल यही एक चीज है जो इसे कर सकती थी।

52 क्योंकि, उन्होंने उन्हें खंभो पर खूंटे से बांध दिया। और वे पुरुषों को लेते और उन्हें एक—एक खूंटे पर उल्टा करके, और लकड़ी की कील को लेकर और उनके पैरों में गाड देते, और जानवर, कुत्ते, उन्हें पीछे से आकर खाने लगते, इससे पहले कि वे मरे उनमें से उनकी आंतों को नोच लेते। महिलाओं को लेते, उनके स्तनों को काट दिया जाता, *इस* तरह से उनके दाहिने स्तन का चिथड़ा उड़ा हुआ होता, और वे खड़े रहते और बस उनका लहू बहता रहता, जब तक कि उनका जीवन उनमें से बाहर नहीं निकल जाता। गर्भवती माताओं से बच्चों को ले लेते और उन्हें, कुत्तों और सुअरो को खिला देते, जब वे उनकी ओर देखती रहती थी। मसीहत को मानने वाले; लेकिन बाईबल ने कहा, और यीशु ने कहा, "यह बात पूरी होगी कि वे तुम्हे मार डालेंगे, यह सोचकर कि वे परमेश्वर की सेवा कर रहे है।" देखा?

53 और अब वो बात एक और आगे के युग तक बढती जाती है। तब अंत में यह सामने आता है। फिर हम ध्यान देते हैं जैसे–जैसे कलीसिया सुधारक से हटने लगी। ये बातें उस समय से लेकर बाहर निकलती गयी और बाहर निकलती गयी, और वे आत्मा से दूर होते गये, आत्मा से दूर होते गये, सीधे आगे की ओर जब तक इस अंतिम युग में नहीं आ गये जब यह खुद को संगठित कर देते है और पशु के निमित एक छाप को बनाते है।

54 लेकिन वो थोडा सा आत्मा लोगों के हृदयो में रहेगा जब तक यीशु नहीं आ जाता है। इसे होना है। इसे मन में बनाये रखे।

55 हम इसे नक्शों पर बनायेंगे, इतिहास और हर एक चीज को लेंगे, और आपको दिखाएंगे कि यह ठीक उसी तरह से है। आप खुद ही इतिहास को लेकर, और इसे पढे। देखें कि बाईबल क्या कहती है और फिर इतिहास ने क्या कहा। देखे कि यह किस तरह से बिल्कुल ठीक वैसे ही मिलता है। ओह!

56 हो सकता है हम इन सब बातों को बस एक लम्बे कथन के रूप में नहीं ले, लेकिन हो सकता है हम पूरे दृढता के साथ, पूरे दृढता से पवित्र आत्मा की चेतावनी को ले और दिन और रात प्रार्थना करे। कोई भी बात आपको प्रार्थना करने से न रोकने पाए।

57 हम अंदर जायेंगे, यह उन महापुरुषों के जीवन को खोद निकालेंगे, कैसे उन्होंने बलिदान दिया था। आप देखेंगे कि आपने इतना अधिक कुछ नहीं किया है। मुझे कभी–कभी खुद पर शर्म आने लगती है कि किस तरह से हमारे पास सब कुछ इतना आसानी से मिल गया है, और उनके पास सब कुछ कितना कठिन है। "वे इधर–उधर मारे–मारे फिरे," पौलुस ने इब्रानियों 11 में कहा, "क्लेश में और दुख भोगते हुए भेड़ों और बकरीयों की खालें ओढ़े हुए।" हमारी गवाही उनके सामने क्या होगी? उस गवाही से ऊपर किस तरह से होगी? और हमारे पास सब कुछ इतना अच्छा है।

58 अब, बस सम्मान देते हुए, किताब को खोलने से पहले, मैं सभी के लिए चाहता हूं, जो कोई भी हो, बस प्रार्थना के लिए एक पल के लिए खडा हो सकता है। अब आप अपने हृदय की सच्चाई के साथ, परमेश्वर से... प्रार्थना के कुछ शब्द की सांस को ले।

59 प्रभु परमेश्वर, आकाश और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता, अनन्त जीवन के लेखक, और सभी अच्छे और सिद्ध दानो को देनेवाले। प्रभु हम आपसे

सबसे पहले मांगते है, हमें क्षमा कर हमारी सारी लापरवाही के लिए और हमारे पापों के लिए और हमने जो आपके विरोध में, और एक दूसरे के और हमारे साथियों के प्रति जो अपराध किया है।

60 होने पाए इस छोटे से समय पर हमारा एक साथ इक्कठा होना ना ही केवल हमारे अपने प्राणों की उन्नति के लिए हो, बल्कि होने पाए यह हमें इस तरह से स्पष्ट करे, और हमें प्रेरित करे, इतना तक कि हम जाकर दूसरों को बताने लगे। होने पाए यह फिर से समर्पण का समय हो, मसीह के सम्पूर्ण देह को एकजुट करे और रेपचर के लिए तैयार करे।

61 पिता परमेश्वर, ना ही मेरी अपनी भावनाओं से हो, यह जानते हुए कि आपका दास, और अन्य सरे दास, इस महान कार्य को पूरा करने के लिए योग्य नहीं हैं। महसूस करते हुए कैसे वे महान पुरुष, जो होकर गये, उन्होंने अपने ह्रदयो पर इस बात को लिया इसे प्रकट करने का प्रयास कर रहे थे या उस महान प्रकाशन पर टिप्पणी करने का प्रयास कर रहे थे; तब हमें एहसास होता है कि हम उनसे कहीं अधिक अयोग्य हैं। लेकिन आप हमारे लिए योग्यता है।

62 और मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि आप इस समय के दौरान कुछ तो विशेष करेंगे, कि पवित्र आत्मा हर एक ह्रदय में प्रधानता हो जायेगा। बोलने वाले होंठों और सुनने वाले कानों का खतना करें। और जब यह सब खत्म हो जाता है, और हम इसे आप को समर्पित करे, होने पाए हम इस भवन की चौखट से चल कर जाये, ये कहते हुए, "यह हमारे लिए वहां पर होना भला था। पवित्र आत्मा ने हमसे बात की जब हम वहाँ पर बैठे हुए थे। और अब हम सब करने के लिए दृढ़ हैं जब संध्या का उजियाला चमक रहा है।" इसे प्रदान करे, प्रभु।

63 होने पाए, इस सभा के दौरान, पुरुष और महिलाओं को एक नये सिरे से समझ को लेने का कारण बने। होने पाए आप अन्य जुबान के साथ बोलने वालों को खड़ा करे, अन्य जुबान के अनुवादक को खड़ा करे। होने पाए आप भविष्यवाणी के दानो को खड़ा करे। प्रचारकों, पास्टरो, सुसमाचार प्रचार करने वालो और इत्यादि को खड़ा करे, जिससे कि कलीसिया की उन्नति हो। मिशनरियों को खड़ा करे ताकि बाहर क्षेत्र में जाकर और इस महिमामय सुसमाचार को आगे लेकर लाये। जहाँ भी वचन जायेगा, होने

पाए यह अच्छी भूमि पर गिरे, सौ गुना फल को आगे लाते हुए, क्योंकि हमें विश्वास है कि हम युग के अंत में रह रहे हैं। जीवन का अंत निकट है।

64 इन चीजों को प्रदान करे, पिता। और सब बातों से ऊपर, इस समय पर, प्रभु, आप मेरी सहायता करे, उन्हें जो जरूरतमंद है। क्योंकि मैं इसे मांगता हूं, जैसे मैं इन सभाओ के लिये खुद को आपके लिए समर्पित करता हूं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

[एक बहन अन्य जुबान में बोलती है। एक भाई अनुवाद को देता है—सम्पा।]

65 सर्वसामर्थी परमेश्वर, जिसने यीशु को मुर्दों में से जिलाया, हमें यह जानकर बहुत आनंद होता है कि आपकी आत्मा हमारे बीच वास करती है। वो हमेशा ही सच्चा रहता है और कभी भी असत्य का वचन नहीं होता है। और अब, पिता, आगे आपके वचन की पुष्टि करें, आपकी महिमा के लिए, जब हम पढ़ते हैं। और होने पाए हर एक हृदय, जैसा कि आपने कहा है, "तत्पर और तैयार रहे, क्योंकि आगे कुछ तो आने वाला है।" यह हो सकता है कि लोग अपने अंतिम चेतावनी को ले ले ताकि उन चीजों से जिसे वे अभी करते हैं, वे सही रास्ते की ओर मुड जाये। हम आपका धन्यवाद करते है, पवित्र परमेश्वर, आपके पवित्र पुत्र के नाम में जो प्रभु यीशु मसीह है। आमीन।

66 अब प्रकाशितवाक्य की किताब में जायेंगे, पहला अध्याय। अब, पहले, मैं प्रकाशितवाक्य के पहले तीन पदों को पढ़ना चाहता हूं।

> *यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य जो उसे परमेश्वर ने इसलिये दिया, कि अपने दासों को वे बातें, जिन का शीघ्र होना अवश्य है, दिखाए, और उस ने अपने स्वर्गदूत को भेज कर उसके द्वारा अपने दास यूहन्ना को बताया।*
>
> *जिस ने परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की गवाही, अर्थात जो कुछ... कुछ उस ने देखा था उस की गवाही दी।*
>
> *धन्य है वह जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ता है, और वे जो सुनते हैं और इस में लिखी हुई बातों को मानते हैं, क्योंकि समय निकट आया है।*

67 जैसा कि मैंने पहले कहा है, अब, इसमें हम इतिहास और इत्यादि के अनुसार किताब का अब थोड़ा विशलेषण देने की कोशिश करेंगे। और हर

बार जब आप मुझे उन पन्नो का हवाला देते हुए देखते हैं जो मैंने यहां लिखे हैं, तो यह वे भिन्न–भिन्न बातें है जिसे मैंने टिप्पणी करने वालो और इत्यादि से ली है।

68 अब, इस किताब का लेखक यूहन्ना है, संत वो दिव्य यूहन्ना, जिसने भविष्य की पीढ़ी (ए) को लिखा है। (बी) मसीहत युग के सात अलग–अलग युग की अवधि के सात दूतों के लिए निर्देशित किया, प्रेरितों के दिनों से लेकर एक–एक युग जो प्रभु के आगमन तक है। और... अब, हर एक युग हमारे उत्तराधिकार में प्रकट होता है, हमारे प्रभु के स्वर्गारोहण से लेकर उसके फिर से आगमन तक। हर एक कलीसिया का युग उसकी आत्मिक स्थिति का वर्णन करता है। (ई) हर एक कलीसिया का युग ध्यानपूर्वक अपने आप में उसके वाचानुसार के जरिये और उनके प्रति आत्मिक बात को बता सकता है। जैसा कि आत्मा बोलता है, प्रत्येक युग अपने आप को ध्यान से देख सकता है। हर एक युग ने मसीह के सच्चे दाखलता को लेकर आती है, वो समझदार कुंवारी। और हर युग में दाखलता को जोड़ा या (कलम किया) गया था, जो मूर्ख कुंवारी है।

69 इतिहासकार मानते हैं, यह यूहन्ना का जीवन है। यूहन्ना अपने वर्षों के अंतिम समय में इफिसुस शहर में रहा और वहीं पर मरा। वह पतमुस के टापू पर था, उस समय उसने प्रकाशितवाक्य की किताब को लिखा था। यह उसके जीवन की कहानी नहीं थी, बल्कि भविष्य के युग में मसीह की कहानी थी। देखा? यह एक भविष्यवाणी थी। यूहन्ना का जीवन नहीं, मसीह का जीवन नहीं, लेकिन आने वाले युग की भविष्यवाणी थी। यह उसकी भविष्यवाणी का कथन नहीं था; लेकिन, पूरी तरह से प्रभु के उत्साह के शब्द थे। यह संत दिव्य यूहन्ना का प्रकाशन नहीं था, लेकिन मसीह प्रभु का प्रकाशन था।

70 यह नए नियम की अंतिम किताब है, फिर भी यह सुसमाचार के आरंभ और अंत के समय काल को बताती है। बाईबल के विद्वान सहमत होते है।

71 सात कलीसिया के युग की पत्री, जिसे लिखा गया था, भविष्यसूचक के ढंग में, भविष्य के युग के लिए। पौलुस ने अपने दिन में वर्तमान के सात कलीसिया के जीवन और महिमा के बारे में लिखा। यूहन्ना ने भविष्य में की सात कलीसियाओं की महिमा और जीवन के बारे में लिखा, जो यूहन्ना

इन सात पास्टरो या सन्देशवाहको को संबोधित कर रहा था जो सीधे सारे मसीहो के लिए है जो इस सात भिन्न दूतो के समय में थे।

72 अब, प्रकाशितवाक्य की किताब, अब हम लेने जा रहे हैं, जैसे हम इसका सुबह और इस शाम के लिए इसका विशलेषण करेंगे। और लगभग हम ग्यारह बजे और ग्यारह–तीस तक, बाहर जाने की कोशिश करेंगे, कुछ इस तरह से, और फिर आज रात सात बजे फिर से आरंभ करेंगे।

73 अब इस पहले अध्याय का विषय। पहला पद, यह—यह वास्तव में खुद के लिए बताता है, क्योंकि यह यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य है। 2 रा पद, संत दिव्य यूहन्ना का है जो लेखक और सेवक है। 3 रा पद, आशीषो को उच्चारण करता है। चौथे पद से लेकर छठवा पद कलीसिया को अभिवादन करता है। 7 वां पद, घोषणा करता है। 8 वां पद, यीशु मसीह कि सर्वोच्च दैविकता है। 9 से लेकर 20 वां पद, पतमुस का दर्शन है।

74 और, 14 वां और 15 वां पद भी उसके व्यक्तित्व के सात प्रकार की महिमा का वर्णन करता है। ओह, यह सुंदर बात है, जब हम मसीह को उसके सात प्रकार के व्यक्तित्व में देखते... उसके व्यक्तित्व के सात प्रकार के अस्तित्व में, उसके महिमामय पुनरूत्थान में।

75 अब, शीर्षक चरित्र का वर्णन करता है।

यीशु मसीह का प्रकाशन...

76 संत दिव्य यूहन्ना का प्रकाशन नहीं, लेकिन; परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह का प्रकाशन।

77 अब, *प्रकाशन* शब्द यूनानी के लिए अपोक्लेप्स, जिसका अर्थ है "*खुलासा होना*।" और मैं उस शब्द को लेकर और इसे खोज रहा था। इसका मतलब है, अंतर्भास, ये है... जैसे एक मूर्तिकार, जो एक बड़ी मूर्ति को बनाता है, और वो इसे एक पर्दे से ढांक देता है। और उसके बाद वह जाकर और इस पर्दे को फाड़ देता है और खुलासा करता है कि पर्दे के पीछे क्या है। यह एक उजागर करना है।

78 और ये किताब यीशु मसीह के व्यक्तित्व को इतना अधिक नहीं खोलती है। फिर भी, यह निश्चित रूप से उसकी दैविकता और उसके सात प्रकार के व्यक्तित्व की बात करती है, और उन चीजों की भी बात करती है जो वो

है, जैसे याजक, राजा और इत्यादि। लेकिन यह उसके कार्यों के भविष्य का खुलासा करता है, उसके सात कलीसिया युगों में जो आने वाले है। यह...

79 जब हमारा प्रभु धरती पर था, तो चेलों ने उससे पूछा, और कहा, "गुरु, क्या तुम इस समय पर राज्य को वापस इस्राएल को लौटाओगे? "

80 और यीशु ने कहा, "इस घडी और समय को जानना तुम्हारा काम नहीं है।" और कोई भी नहीं जानेगा। कहा, "यहां तक कि पुत्र भी," जैसे कि अब तक, "नहीं जाना।"

81 लेकिन उसकी मृत्यु, दफनाने, और पुनरुत्थान और महिमा में उठा लिए जाने के बाद, उन्होंने परमेश्वर से कलीसिया के भविष्य को प्राप्त किया। तब वह वापस आता है, ताकि इस सन्देश को कलीसिया के लिए लेकर आये, और उनके आगमन का यह संदेश और युग में से होते हुए उसकी कलीसियाओ की स्थिति को बताये।

82 वह अपनी मृत्यु, दफनाने और पुनरुत्थान से पहले ऐसा नहीं कर सका, क्योंकि वह अभी तक इसे नहीं जानता था। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया कि पवित्रशास्त्र यहां कैसे बताता है?

यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, जो परमेश्वर ने उसे (मसीह) *को दिया...*

83 कैसे परमेश्वर उस पिता ने अपने पुत्र यीशु मसीह को प्रकाशन दिया। और उसने अपने दूत को यूहन्ना के पास भेजा, जो इन चीजों को दर्शाता था; जो थी, जो है, और जो होने वाली है। ओह, यह बहुत ही खूबसूरत रूप से स्थित है!

84 अब, इस आने वाले महान युग में जो यूहन्ना ने देखा! अब, ये, प्रकाशन पूरी तरह से उसे दिया गया था, ताकि मसीह के विशिष्ट उद्देश्य को बेपर्दा करे, वो क्या होगा और हर युग में कैसा बनेगा। यही वो कारण है कि मैंने आज सुबह कहा, अपना मन सच्ची कलीसिया पर रखे। सच्ची कलीसिया पेंटीकोस्ट के दिन से आरंभ हुई।

85 वहां कोई धर्मशास्त्री नहीं, ना ही बाईबल का विद्वान या ना ही कोई इतिहासकार, जो कभी भी कह सकता हैं कि यह मार्टिन लूथर, वेस्ली, कैथोलिक युग या किसी अन्य युग के दिनों में आरंभ हुआ। यह पेंटीकोस्ट में आरंभ हुआ। यही कलीसिया का शुभारंभ होना था। यह शुरुआत थी।

इसलिए, किसी के साथ इस पर चर्चा करते है, तो आप पेंटीकोस्ट के उस फाटक पर खड़े हों जाये, और वे तब कहीं और नहीं जा सकते।

86 बिल्कुल जैसे कि एक खेत में खरगोश को रखना। आप जानते है जहाँ हर कही छेद होते है, सो आप इसे बंद देते है। वो ठीक उसी स्थान पर वापस आयेगा जहाँ वो अंदर गया था।

87 तो, इसी तरह से, जो कोई भी कलीसिया और कलीसिया के युगों और पवित्र आत्मा के कार्यों के बारे पर बात करता है, आप मूल बात पर वापस आएंगे, उस शुरुआत में। इसे वहाँ पर वापस आना है क्योंकि परमेश्वर अनंत है, और वह सर्वशक्तिमान है। इसलिए, अनंत होने के नाते, वह ऐसा *यहां* कुछ नहीं कर सकता है, और *वहां पर* इसके विपरीत कुछ और करे। वो हर बार वैसा ही करता है जैसे उसने इसे पहली बार किया था।

88 जैसे पतरस ने कहा, उस दिन... जब अन्यजातियों ने पवित्र आत्मा को पाया, उसने कहा, "क्या हम पानी को रोक सकते हैं, यह देखते हुए कि उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया है जैसे कि हमने आरंभ में पाया था? "

यीशु, जब वह धरती पर था, बोला और कहा, "यह... "

89 किसी ने आकर कहा, "क्या यह हमारे लिए नियम के अनुसार है, किसी भी कारण से अपनी पत्नियों को दूर करे? "

90 यीशु ने कहा, "उसने नर बनाया, नारी बनायी। इस कारण से एक पुरुष... "

उसने कहा, "लेकिन मूसा ने तो हमें तलाक के बारे में लिखा।"

यीशु ने कहा, "आदि से ऐसा नहीं था।"

91 आदि में वापस जाओ। इसलिए, यदि हम कलीसिया के युग बारे में बात करने जा रहे हैं, तो हमें आदि में वापस जाना है, हर एक बोली गये कथन को एक तरफ रखते हुए जिसे मनुष्य के युग में से होते हुए कहा गया है।

92 यह बाईबल में किसी भी किताब की सबसे आधिकारिक किताब है। यह एकमात्र ऐसी किताब है जिस पर मसीह ने अपनी मोहर लगाई है। यह एक आशीष के साथ आरंभ होती है और एक शाप के साथ समाप्त होती है। "धन्य है वो जो पढ़ता है।" और, "शापित है वह जो इसमें से कुछ भी निकालता है।"

93 यह एकमात्र ऐसी किताब है जिसे मसीह ने स्वयं लिखा, संपूर्ण बाईबल में से। उन दस आज्ञाओ को, उसने अपनी उंगली से लिखा। ये सही बात है। यहूदियों ने उन आज्ञाओ को पकडे रखा। और, आज, यह वो—वो प्रकाशन है।

94 और यदि शैतान बाईबल में किसी भी किताब से घृणा करता है, तो यह प्रकाशितवाक्य की किताब है। वहाँ दो है... वह सारे वचन से घृणा करता है, और यह वचन का पूरा सिद्धांत है। लेकिन, यदि कुछ भी, वह ज्यादातर घृणा करता है, तो वो प्रकाशितवाक्य और उत्पत्ति है। क्योंकि, उत्पत्ति आरंभ को बताती है। प्रकाशितवाक्य से प्रकट करता है कि अंतिम दिन में उसके साथ क्या होने वाला है। एक हज़ार साल के लिए बांधा जायेगा; उसके बाद उसे, और झूठे भविष्यव्यक्ताओ, और पशु को आग की झील में जिन्दा फेंक दिया जायेगा।

95 और वह उत्पति की किताब पर आक्रमण करेगा, इसके प्रमाणित (विश्वनीय) होने पर आक्रमण करता है। वह कहेगा, कि, "ये प्रमाणित (विश्वनीय) नहीं है।" और वह लोगों के दिमाग में हलचल मचा देगा। देखो कि शैतान कहाँ पर पड़ा है, उस उत्पत्ति की किताब या प्रकाशितवाक्य की किताब में, जो पहली और अंतिम है।

96 और प्रकाशितवाक्य की किताब में बाईबल में बाकी सारी किताबो की तुलना में इसमें अधिक चिन्ह हैं। इसमें और अधिक चिन्ह हैं क्योंकि यह भविष्यवाणी की किताब है। यह एक भविष्यवाणी की किताब है। इसलिए इसे एक भविष्यव्यक्ता की कक्षा के द्वारा समझा जाना है। यह किताब हर किसी के लिए नहीं है। इसे शायद ही कोई समझ सकता है। यह किताब एक विशेष वर्ग के लोगों के लिए बनाई गई है। व्यवस्थाविवरण पर, यह कहता है, "छिपी हुई बातें वो—वो—वो प्रभु की हैं।" यह सही बात है। और वह हम पर प्रकट करता है, उसके बच्चों को, छिपी हुई बातों को। तो यह उनके लिए नहीं...

97 शारीरिक मन वचन की महान बातों को समझ–बुझ नहीं सकता, क्योंकि यह उनके लिए मूर्खता है। लेकिन जो लोग परमेश्वर के वचन के प्रेमी हैं, यही है जिनके लिए ये किताब कलीसिया को लिखी गई थी। यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, "इफिसुस के कलीसिया के लिए, स्मुरना

के कलीसिया के लिए, कलीसियाओ के लिए" आगे तक। यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य। मैं इसे पसंद करता हूं।

98 और ध्यान देना, यह वचनों की सम्पूर्णता भी है, सारी सम्पूर्णता। और भौगोलिक रूप से इसे बाईबल के अंत में सही स्थान पर रखा गया है। सारी बात का प्रकाशन यहां पीछे एक आशीष के साथ रखा गया है, उनके लिए जो इसे पढ़ता है और इसे सुनता है, उनके लिए एक शाप है जो इसमें जोडेगा या निकालेगा। यह पूर्ण सिद्धांत है, ओह, परम सत्य है। इसमें कुछ भी नहीं जोड़ा जा सकता है। और जब कोई मनुष्य इसमें से कुछ भी निकालने की कोशिश करता है, या इसमें कुछ भी जोड़ता है, तो परमेश्वर ने कहा कि वह उसी भाग को जीवन की किताब से बाहर निकल देगा। समझे? यदि वह इसमें जोड़ेगा, तो वह किताब से अपना भाग निकाल लेगा।

99 इसलिए, जब हम अपने प्रभु के बहुत से प्रकार के प्रकाशन को देखते हैं, वो कौन है, वह क्या है, यदि कोई भी व्यक्ति इसमें कुछ जोडेगा या इससे से कुछ निकलेगा, तो यह एक गलत भविष्यवाणी होती है। बहुतो ने ये कहने के लिए कोशिश की है उसके बाद में जो उनके पास कुछ तो कहने के लिए था। लेकिन यह प्रभु यीशु का सम्पूर्ण प्रकाशन था उसके कलीसिया युग में और उसके दिन में, हमारे प्रभु का प्रकाशन है।

100 अब—अब, *बेपर्दा होना,* का यूनानी शब्द, कुछ तो जो छुपाया गया है, प... "प्रकट होना" मसीह का।

अब, अगला पद, हम दूसरे पद में पाते हैं।

101 पहला पद मसीह का बेपर्दा होना है, वो प्रकाशन, या खोलना। ओह! कैसे अंतिम युग और प्रभु का आगमन... प्रेरितों के लिए ढका हुआ था! उन्होंने सवाल को पूछा, लेकिन केवल एक ही जीवित रहा उसके पास प्रकाशन था। और फिर भी, उसने इसे नहीं समझा, क्योंकि इतिहास अभी तक बना नहीं था।

102 अब, इस किताब का इतिहास, या इस किताब का संदर्भ, आसिया (माइनर) छोटे भाग में सात कलीसिया को निर्देशित किया गया था, यह तब था। यह उन सात कलीसिया की ओर निर्देशित किया गया था। उस दिन पर उन सात की तुलना में और भी अधिक कलीसियाये थे। लेकिन उन में से हर एक कलीसियाये महत्वपूर्ण थी, वे उसके विषय में महत्वपूर्ण थी जो विशेषता उस कलीसिया में थी, जिसका पालन आगे उस युग में

से होते हुए किया जाता रहा। जैसे इफिसुस, इसकी एक विशेषता थी। स्मुरना, पिरगमुन, और आगे, फिलेदिलफिया, उन में हर एक कलीसिया में एक विशेषता थी, जो विशेषता आने वाले युगों में फिर से दिखाई देती रही। ओह! यदि आप केवल...

103 कोई भी मनुष्य जो उस—उस वचनों की आत्मिकता को उपयोग करके इसे देख सकता है और कह सकता है कि वे प्रेरणा से नहीं थे? आपकी वही प्रतिक्रिया, वही उद्देश्य, लोगों के वही मकसद, इससे, यह साबित होता है कि वचन प्रेरिणा से है, ताकि यह देखे कि परमेश्वर उन बातों को कैसे लागू करता हैं। बस आप जो *यहां* पर कर रहे हैं, यह किसी बात की प्रतिछाया है।

104 जैसे अब्राहम इसहाक को भेंट चढाने के लिए ले गया, जो उसका इकलौता पुत्र था; ये परमेश्वर के अपने पुत्र को देने प्रतिछाया थी, उस सैकड़ो वर्ष के बाद की। किस तरह से युसुफ़ को बेच दिया गया था और वो जेल में था, अपने भाइयों के द्वारा घृणत किया गया था और अपने पिता के द्वारा प्रेम किया गया था; यीशु, जो उसका नमूना था। किस तरह से आत्मा ने यूसुफ, उस एक मनुष्य के जरिये से काम किया, और उसने बस पूरी तरह से मसीह के जीवन के नमूने को दर्शाया। कैसे, दाऊद, दाऊद का पुत्र उसी पहाड़ पर बैठा है। जब दाऊद को राजा के रूप में ठुकरा दिया गया और पहाड़ी पर चढ़ गया, जैतून के पहाड़ पर, पीछे मुड़कर देखा, रोते हुए राजा के रूप में; कुछ सौ वर्षो के बाद, दाऊद का पुत्र उसी पहाड़ी पर चढ़ गया, एक अस्वीकृत राजा के रूप में, और यरूशलेम के ऊपर रोया। आत्मा नमूने और उस रूप में है। ओह!

105 फिर क्या आप इस अंतिम दिन में महान पेंटीकोस्ट कलीसिया को देख सकते हैं? क्या आप देख सकते हैं कि कैसे पेंटीकोस्ट के दिन परमेश्वर ने इसका शुभारंभ किया? इसी आत्मा को कलीसिया में सारे युगों में से होते हुए बने रहना चाहिए था।

106 वे औपचारिक और बेरूख हो गये। उन्हें एक संप्रदाय होना था। उन्हें कलीसिया और राज्य को एकजुट करना था, और उन्होंने आखिरकार ऐसा ही किया और सैकड़ों वर्षों के सतावट का कारण बन गये। तब, वे सुधारक, वे बाहर आते हैं। और हर एक वर्ष, वे आत्मा से अलग होते जा रहे थे और स्वाभाविक बातों से जुड़ते जा रहे थे, आत्मा से अलग होते जा रहे थे और

स्वाभाविक बातों से जुड़ते जा रहे थे, इतना तक अब भी वे बस फिर से ऐसा करने के लिए तैयार हैं। हम इन अंतिम, समापन की घंडी में रह रहे हैं, जो कलीसिया की समाप्ति है। हम फिलेदिलफिया में हैं... मेरा मतलब लौदीकिया कलीसिया युग में है।

107 अब, पहला अध्याय, पहला पद, जिसे यूहन्ना को—को परिचय दिया गया था। अब, लेखक कौन है? यूहन्ना। यूहन्ना। यह यूहन्ना का एक प्रकाशितवाक्य नहीं था, और हम जानते हैं कि ऐसा नहीं था, क्योंकि यह प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य था। वह यह था, वह एक चेला होने के लिए चुना गया था। और किताब अपने आप में इस बात का खुलासा करती है कि यह यीशु मसीह था, जिसे वह प्रकट कर रहा था।

108 और इसे भेजा गया था... "और यूहन्ना को उसके दूत के द्वारा इसे वर्णन किया गया।" हम नहीं जानते कि दूत कौन था। बाईबल यह नहीं बताती है कि दूत कौन था। लेकिन हम जानते हैं कि यह एक भविष्यव्यक्ता था, क्योंकि बाईबल ने बाद में कहा, कि, "मुझ यीशु ने अपने दूत को इसलिये भेजा, कि तुम्हारे आगे होने वाली बातों के विषय में गवाही दे।"

109 तब हम पाते है कि जब यूहन्ना दूत की आराधना करता है, तो दूत ने कहा, "देखो कि तुम ऐसा मत करो।" प्रकाशितवाक्य 22, मैं सोचता हूं कि यह में है। और उसने कहा, "क्योंकि मैं भविष्यव्यक्ताओं का और तेरा संगी दास हूं।" यह एलिय्याह हो सकता है। यह भविष्यव्यक्ताओं में से एक हो सकता है। यूहन्ना एक प्रेरित था। लेकिन इस भविष्यव्यक्ता को भेजा गया था।

110 और यूहन्ना, एक भविष्यव्यक्ता होने के नाते, उसके बाकी की पत्रीयों में स्वभाव को देखें, यह साबित करता कि इसे यूहन्ना ने नहीं लिखा था, क्योंकि इसमें यूहन्ना की तरह का कोई स्वभाव नहीं है। पहले यूहन्ना की किताब को ले, दूसरे यूहन्ना, इत्यादि, और इसे पढ़ें। और उस के स्वभाव को देखे, और इस के स्वभाव को देखो। यूहन्ना एक लेखक था और एक प्रेरित था, लेकिन यह एक भविष्यव्यक्ता की आत्मा है। यह पूरी तरह से एक अलग ही व्यक्ति है। देखा? ये यूहन्ना का लेखन नहीं था। यूहन्ना का प्रकाशितवाक्य नहीं था। यह तो कलीसिया के लिए यीशु मसीह का परमेश्वर का प्रकाशितवाक्य था। और यह था... यूहन्ना तो केवल एक लेखक था, लिखनेवाला, और—और किताब उसी बात को घोषित करती है।

111 अब, ये यूहन्ना को संबोधित नहीं किया गया था। इसे तो कलीसिया को संबोधित किया गया था। तो ठीक है। उस समय पर यूहन्ना, इफिसियों कलीसिया का पास्टर था। और अब किताब यूहन्ना को संबोधित... मतलब कलीसिया को संबोधित करती है, ना ही यूहन्ना को।

112 अब तीसरा पद, वह आशीष की घोषणा करता है। इसे सुनना।

> *धन्य है वह जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ता है, और वे जो सुनते हैं और इस में लिखी हुई बातों को मानते हैं; क्योंकि समय निकट आया है।*

113 कौन सा समय निकट है? जिस समय ये बातें घटित होती हैं, जब यह यीशु मसीह का प्रकाशन हर एक कलीसिया युग में पूरा होता है।

114 अब उसका इसके इस तरह लिखने का जो कारण है। यदि उसने कहा होता, "ठीक है, अब, वो... " वे उसके लिए देख रहे थे; यदि यह प्रकट हुआ होता था, यदि वो... यह यदि यूहन्ना को प्रकट हुआ होगा, कि वो आने वाला था जैसे ही वे कलीसियाये वहां पर समाप्त हुई थी। इसी तरह से यूहन्ना ने इसे सोचा। लेकिन यदि ऐसा था, तो वे कलीसियाये, जैसे ही वे समाप्त हो गयी, वे आकर... यदि वह जानता था, यदि यह उस पर प्रकट किया गया था कि सात लंबे कलीसिया काल होने जा रहे थे, जो कई हजार वर्ष है, मतलब कई सैकड़ों वर्ष, तब प्रतीक्षा का कोई कारण नहीं होगा। वे तो बस अपने कलीसिया के युग को जीते।

115 इसलिए, परमेश्वर ने इसे बोला, और यह उनके लिए प्रकट नहीं हुआ। यह मार्टिन लूथर को प्रकट नहीं हुआ, वे बातें जिसे जॉन वेस्ली ने वचन के बारे में जानी। यह बैप्टिस्ट को प्रकट नहीं हुआ जो पेंटेकोस्टल वचन के बारे में जानते है, क्योंकि यह एक अलग ही युग में है । यह अलग समय है। और परमेश्वर उसकी बातों को बस ऋतु में प्रकट करता है। ओह!

116 आप दाने को वसंत ऋतु में बो कर और उसी समय पर कटनी नहीं कर सकते है। आप एक बीज को बोते हैं और यह परिपक्वता के लिए बढ़ता है। परमेश्वर अपने वचन को बोता है और फिर यह तब बढ़ने लगता है। और तब हम पीछे देखकर और कहते हैं, "यह वहाँ पर था।" क्योंकि, निश्चय ही, हम इसे प्रकट होने के बाद देखते हैं।

117 अब, "धन्य है, " वो वचन, आशीष की घोषणा, तीसरे पद पर, "उनके लिए जो उसके रहस्यों को पढ़ते या सुनते हैं।"

118 करना... शारीरिक मन इसे अस्वीकार कर देता है, क्योंकि शारीरिक मन इसके बारे में एक भी चीज को नहीं जानता है। कोई आश्चर्य नहीं कि शारीरिक मन इसे नहीं जानता, क्योंकि यह उस शारीरिक मन में शैतान है। और शैतान प्रदर्शित हुआ है और शैतान खुद को प्रदर्शित नहीं करवाना चाहता है।

119 आप ध्यान देना कि शैतान के लिए यह कितनी भयानक बात है जब वो सोचता है कि वह प्रदर्शित होने वाला है? उन सभाओ में से एक में देखें। लोगों की प्रतिक्रिया को देखें। आप सभाओ में देख लेना। शैतान के प्रदर्शित होने से ठीक पहले, किसी एक व्यक्ति पर, आप देखेंगे उसका चेहरा बदल रहा होता है। आप देखना, वे नहीं जानते कि क्या सोचे। उसी वक्त, पवित्र आत्मा नीचे उतर आता हैं और उस शैतान को प्रदर्शित करता हैं। ओह! वह इस प्रकार की सभा से घृणा करता है। यही वो कारण है कि हमारे पास इस तरह की लड़ाई थी, क्योंकि परमेश्वर का वचन शैतान को प्रदर्शित करता है। समझे? ये बताता है कि वो क्या है।

120 जैसा कि आप कहते हैं, "वो स्त्री वहां पर बैठी हुई है," पवित्र आत्मा की प्रेरणा के नीचे, कहते हैं, "उसका नाम कुमारी *जोन्स है*। वह *फलां और फलां* से आयी है।" वह क्या करता है? यह उसकी आत्मा को लेता है, उसे एक स्थान पर लाता है।

121 "आप मुझे कैसे जानते हैं? वह मनुष्य मुझे नहीं जानता है, इसलिए यह कोई तो आत्मा होना चाहिए। यह किस तरह का आत्मा है?"

"यह परमेश्वर का आत्मा है।"

"कैसे? मेरे साथ क्या बात है?"

122 "आपको क्षय रोग, कैंसर है," या जो कुछ भी हो, "लेकिन **यहोवा यों कहता है**... "

"ओह!" ओह, शैतान किस तरह से घृणा करता है, क्योंकि यह उसे बेनकाब करता है।

123 अब, शारीरिक मन देखता रहता है, कहता है, "ये मनो को पढना है मनोवैज्ञानिक है।" वे नहीं जानते। यह उनके लिए मूर्खता है।

124 लेकिन उनके लिए जो जानते हैं कि यह क्या है, ओह, क्या ही आशीष है! यह क्या है? एक प्रकाशन है। किसका एक प्रकाशन? पुलपीट पर उस

एक मनुष्य का? यीशु मसीह का जो इस अंतिम कलीसिया युग में है, खुद को प्रकट करते हुए जैसे उसने प्रतिज्ञा की थी कि वो करेंगा। समझे?

125 यह एक प्रकाशन है, देखो, और शैतान उससे घृणा करता है। ओह, वह इससे किस तरह से घृणा करता है! वह बेनकाब हुआ है, उसकी योजना को उजागर करता है। शैतान प्रकाशितवाक्य और उत्पत्ति की किताब से घृणा करता है, मैंने यहां लिखकर रखा है। यह बिल्कुल सच है।

126 अब, वह एक प्रकाशितवाक्य से घृणा क्यों करता है? वह प्रकाशितवाक्य के विरोध में क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर के वचन का सम्पूर्ण सिद्धांत और परमेश्वर की कलीसिया पूरी तरह से प्रकाशन पर बनायी गयी है।

127 यह कभी भी एक—एक स्कूल के जरिये से नहीं आयेगा, कोई फर्क नहीं पड़ता हमारे पास कितने भी अच्छे धर्मविद्यालय हों। वे बहुत पीछे अंधकारमय युग में हैं। बाईबल और कलीसिया पूर्ण रूप से एक प्रकाशन है।

128 आइये हम खोलेंगे। मैंने यहां कुछ वचन लिख कर रखे है, मत्ती, 16 वां अध्याय और 18 वां पद। आइए हम थोडा—थोडा मत्ती 16:18 पर ध्यान देंगे, देखेंगे कि वचन कहां पर है, यह प्रकाशन कहाँ पर है। जो उस पहाडी से आ रहा है, 17 वाँ पद।

> *यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि मांस और लहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है।*
>
> *और मैं भी तुझ से कहता हूं, कि तू पतरस है; और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।*

129 अब, कैथोलिक कलीसिया कहती है, "उसने इसे पतरस पर बनाया।" ठीक है, यह, यह वास्तव में बहुत ही शारीरिक सोच है। आप एक आत्मिक मन के लिए कल्पना नहीं कर सकते है कि वो इस तरह की समझ को रखेगा; परमेश्वर के रूप में, अपने खुद के पुत्र के साथ वहाँ खडा हुआ हैं, और फिर भी एक सामान्य, साधारण, पाप से जन्में मनुष्य पर अपनी कलीसिया को बांधेंगा। मनुष्य ने इसे साबित कर दिया। वह, उस पर उसी आत्मा के साथ, उसने यीशु को शाप दिया और उसे ठीक उसके सामने इन्कार कर दिया। यह पतरस नहीं था।

130 या, ना तो वो एक—एक चट्टान था जो वहां पड़ी थी, जैसा कि कुछ कलीसियाओ का दावा है कि वो था। एक चट्टान नहीं था। क्योंकि, पतरस...

131 वह जिस चट्टान के बारे में बोल रहा था, वह पतरस नहीं था, न ही वह स्वयं था।

132 अब, प्रोटेस्टेंट लोगों में से बहुत से कहने की कोशिश करते हैं, "यह यीशु था। यह तो वो था जिस पर उसने कलीसिया को बनाया। वो!" नहीं, यह फिर भी गलत है। यदि आप ध्यान दे, यह यीशु नहीं था, ना तो यह पतरस था। यह प्रकाशन था।

> *... मांस और लहू ने तुझे इसे नहीं प्रकट किया है, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह* प्रकाशन को दिया है।

133 देखो। मैं आपसे पूछना चाहता हूं। अदन के बगीचे में, वहां कोई वचन नहीं लिखा था। और फिर वे दो लड़के, कैन और हाबिल और वे दोनों एक बलिदान को करना चाहते थे और परमेश्वर के द्वारा पक्ष को पाना चाहते थे। जब उन्होंने वैसा ही किया, कैन ने आकर और एक वेदी बनायी; हाबिल ने एक वेदी बनायी। तो ठीक है, यदि यही सब परमेश्वर की आवश्यकता है, तो परमेश्वर कैन को दोषी ठहराने के लिए अन्यायी होगा। तो ठीक है। तब कैन ने एक बलिदान किया; वैसे ही हाबिल ने किया। दोनों ने एक बलिदान किया। कैन ने आराधना की, और हाबिल ने ऐसा ही किया। कैन ने वह सब कुछ किया जो हाबिल ने किया था।

134 सो यदि कलीसिया में जाना, कलीसिया से संबंध रखना, बलिदान को तैयार करना, और प्रार्थना करना, और परमेश्वर की आराधना करना, ये सब परमेश्वर की आवश्यकता है, तब परमेश्वर ने कैन को वास्तव में यही करने के लिए दोषी ठहराने के लिए अन्यायी होगा जो उसने करने को कहा था।

135 लेकिन, आप देखे, हाबिल, एक प्रकाशन के द्वारा, वह जानता था कि यह वो फल नहीं था, जिसे उस अदन के बगीचे से लाया गया था, जैसा कि आज बहुत से शारीरिक मन वाले सोचते हैं। हाबिल ने आकर और भूमि के फल को चढ़ाया, और परमेश्वर ने इसे अस्वीकार कर दिया है, लेकिन यह प्रकट किया गया था... मेरा मतलब है, कैन ने ऐसा किया था, मुझे क्षमा करें। कैन ने भूमि के फल को भेंट चढ़ाया क्योंकि उसने सोचा कि अदन के

बगीचे से उन्हें बाहर लाया गया है। प्रकाशन को देखना। इससे असहमति को देखना। देखो किस तरह से आज ठेस पहुंचाता है। लेकिन यह फल नहीं था जो उन्हें बाहर ले आया। हवा ने कभी सेब नहीं खाया था। निश्चय ही। सेब खाने पर उसे नग्न होने का एहसास कैसे हुआ? यह तो यौन जीवन से संबंधित बात है। होना था!

136 अब, हम इसे एक अध्ययन के रूप में लेते हैं, और हमें, इसमें वापस जाना है। उनके पास इस पर एक वचन भी नहीं है।

137 उनमें से कुछ कहते हैं, "तो ठीक है, उसने कहा, 'मुझे प्रभु से एक पुत्र मिला है।'" जी हाँ, श्रीमान। वैसे ही वेश्या को मिला है। परमेश्वर को ही सारा जीवन बनाना है।

138 लेकिन यह एक दूषित जीवन है। उस लड़के के स्वभाव को देखो। वह अपने पिता, शैतान का था; घृणा रखने वाला, गन्दा, हत्यारा। देखा?

139 और फिर कैसे, हाबिल, जब वे... उसके माता–पिता ने शायद उसे बताया कि—कि पेड़ पर फल लगा था, और इत्यादि। लेकिन, ये हाबिल को प्रकट हुआ था। हाबिल जाकर और एक मेमना ले आया, लहू के लिए, जीवन को लेते हुए। ना ही एक फलदार पेड़, सेब और केले और नाशपाती को लाते हुए। "लेकिन हाबिल, एक आत्मिक प्रकाशन के द्वारा" इब्रानीयों 11, "परमेश्वर के लिए एक और अधिक उत्तम बलिदान को चढ़ाया। परमेश्वर इसकी गवाही देता है, क्योंकि यह विश्वास के द्वारा उस पर प्रकट हुआ था।"

140 यही है जहाँ परमेश्वर अपनी कलीसिया को बांधता है। "क्योंकि मांस और लहू के द्वारा यह कभी प्रकट नहीं हुआ।" इसे एक धर्म विद्यालय में कभी नहीं सिखाया गया। किसी ने कहीं भी आपको यह नहीं सिखाया। "लेकिन मेरा पिता जो स्वर्ग में हैं, उसने इसे तुम पर प्रकट किया है।" वहाँ, सारी बात प्रकाशन पर है, सम्पूर्ण कलीसिया, "यीशु मसीह के प्रकाशन की इस चट्टान पर, मैं इस कलीसिया को बांधूंगा।"

141 आप हो सकता है जो पास्टर कहता हैं उसे ले सकते हैं। धर्म विद्यालय जो सिखाता है उसे ले सकते हो। आप कलीसिया जो कहती हैं उसे ले सकते हो। और यह अब भी सही नहीं है। आप इसे उत्तम बोली से समझाने में सक्षम हो सकते हो। लेकिन जब तक परमेश्वर आपको यह प्रकट नहीं

करता कि यीशु मसीह उसका पुत्र है, और आप उसके लहू के जरिये से बचाये गए हैं; उस प्रकाशन पर, कि, "वह मेरा उद्धारकर्ता है।"

142 "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बांधूंगा, और अधोलोक के फाटक उसके विरोध में प्रबल नहीं हो सकते।"

143 सो तब आप देखते हैं कि शैतान प्रकाशन की किताब के इतना विरोध में क्यों है। जो कुछ भी प्रकट हुआ है, आत्मिक प्रकाशन, शैतान इसके विरोध में है। इसलिए वह आज सेवकाई के इतना विरोध में हैं। इसलिए, यह क्या है? मसीह का प्रकट होना।

144 कलीसिया को इसके बड़े संप्रदायों और संगठनों और उसके छोटे फूलों वाले संदेशों और इत्यादि के साथ आगे बढ़ने दें। उन्हें आगे बढ़ने दे, शैतान उससे परेशान नहीं होता है। उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। हर कोई उनकी पीठ पर थपथपाता है।

145 जब एक समय आता है कि परमेश्वर, पवित्र आत्मा के जरिये से, मसीह को कलीसिया में वापस प्रकट करता हैं, सामर्थ और प्रमाण के साथ, बीमारो को चंगा करते हुए, और चिन्हों को देते हुए जिसे उसने कहा कि विश्वासियों के पीछे–पीछे जायेंगे, वे पुरे होंगे, उसके बाद शैतान अपने बिस्तर पर से उठ जाता है। वह इसके विषय में कुछ तो करने लगता है। उस समय तक, शैतान परवाह नहीं करता है कि आप कितने कलीसिया से जुड़ते हो। वह परवाह नहीं करता कि कितने ही। लेकिन जब मसीह आपको यह प्रकट करता है कि वो परमेश्वर का पुत्र है, और जो कार्य उसने किये वो तुम भी करोगे; ना ही कुछ और कामो को, लेकिन उसी काम को करोगे।

146 "वो जो मुझ पर विश्वास करता है... " संत यूहन्ना 14: 7। "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूं वो भी करेगा। उन्ही कामो को करेगा, और इससे बढ़कर करेगा।" क्योंकि, मसीह पवित्र आत्मा के बपतिस्मा का प्रचार नहीं कर सकता, जो बढ़कर काम होगा। वह इसे उनके पास नहीं ला सकता था, क्योंकि पवित्र आत्मा अभी तक नहीं दिया गया था। लेकिन जब यीशु ने आकर और उसके जीवन को बलिदान किया, और पवित्र आत्मा वापस आया, तो वे लोगों के लिए अनन्त जीवन को प्रदान कर सकते है। यही वो "बढ़कर काम है।"

147 लेकिन चिन्ह और अद्भुत काम, यीशु ने स्पष्ट रूप से मरकुस 16 में कहा, "तुम सारे संसार में जाकर, और हर एक सृष्टि को सुसमाचार का

प्रचार करो।" कितना दूर तक? सारे संसार को। कितनो को? हर एक सृष्टि को। जब तक उस सुसमाचार का प्रचार होते जा रहा है, ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। और जब यह एक प्रकाशन बन जाता है, भाई, तब तुम उस राज्य के पास होते हो। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बांधूंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरोध में जय नहीं पा सकते।"

148 क्योंकि, वो पुरुष या स्त्री जो वहां पीछे किसी समय अकेले उस रेगिस्थान में रहे हो, जैसे मूसा था, और परमेश्वर का प्रकाशन पवित्र आत्मा के जरिये से उसके सामने प्रकट किया जाता है, वहाँ उसे कोई भी हिला नहीं सकता है। वह उतना ही दृढ और मजबूत होता है जितना वो हो सकता है।

शैतान प्रकाशन से घृणा करता है। वो उसे बिल्कुल पसंद नहीं करता है; जो उसकी योजनाओं को चौपट कर देता है।

149 किताब की प्रकृति बताती है कि यूहन्ना ने इसे नहीं लिखा था। ये सही बात है। क्योंकि वे—वे दूसरे... वे उसकी लिखी हुई हैं, लेकिन उसकी प्रेरणा नहीं है। यह परमेश्वर की प्रेरणा है जो किताब को लिखती है। तो ठीक है।

150 आइए देखें कि यह अब क्या कहती है।

> *धन्य है वह जो इस भविष्यद्वाणी के वचन को पढ़ता है, और वे जो सुनते हैं... और इस में लिखी हुई बातों को मानते हैं, क्योंकि समय निकट आया है।*

151 अब, "समय नजदीक है।" क्या? जब यीशु मसीह का सम्पूर्ण प्रकाशन उसके कलीसियाओ के लिए ज्ञात करवाया जा चूका है। और जैसे–जैसे युग निकलते जा रहे है, ये बस वैसे–वैसे उन्हें प्रकट होता है।

152 अब हम ठीक अंत समय पर हैं, इसलिए अब हम वास्तव में संसार के अंत में हैं। हम संसार के इतिहास की समाप्ति पर हैं। और इससे पहले ये सप्ताह खत्म हो, और परमेश्वर हमारे साथ हैं, हमारी सहायता करते हुए, हम साबित करेंगे कि हम कलीसिया के युगो की समाप्ति पर हैं। हम फिलेदी... या लौदीकिया कलीसिया युग में है, जो सारे युगों की समाप्ति है। हम राजनीतिक संसार के समाप्ति पर हैं। हम स्वाभाविक संसार की—की

समाप्ति पर हैं। हम सारी चीजों के समाप्ति पर हैं। हम हर एक स्वाभाविक चीज़ के अंत में हैं, प्रवेश करने के लिए तैयार हैं।

153 एक दिन आते हुए, मैं सोचता हूं कि मैं शेवरेपोर्ट जा रहा था, या कहीं से आ रहा था। मैंने देखा। मैंने कहा, "पेड़ मर रहे हैं। घास–फूस मर रहे है। फूल मर रहे हैं। मैं मर रहा हूं। संसार मर रहा है। हर एक चीज मर रही है। इस संसार में की सारी चीजे मर रही है।" हम आज सुबह यहां पर बैठे हुए है, मर रहे हैं।

154 निश्चित रूप से कही तो एक ऐसा संसार है, जहाँ सब कुछ नहीं मरता। यदि वहाँ एक है जहाँ सब कुछ मर रहा है, वहाँ पर एक होना है जहाँ सब कुछ जीवित रहता है। यही है जिसके लिए हम तीव्र इच्छा रखते हैं, उस स्थान पर जाने के लिए जहां... अविनाशी पेड़ खड़ा रहता है। ओह, जहां सब कुछ अमरहार है और यह परमेश्वर की महिमा में—में खड़ा रहता है।

155 अब, अब, पहले तीन पद हमने अभी लिए थे, जो बुनियाद को डालते हैं। पहला, "यीशु मसीह का प्रकाशन।" दूसरा, "यह एक दूत के द्वारा यूहन्ना को दिया गया था।" और तीसरा है, "धन्य है, वे जो पढ़ते है उनके लिए आशीष है, और," यदि आप नहीं पढ़ सकते हैं, "धन्य है वह जो सुनता है।" आप नहीं पढ़ सकते हैं? आप बस इसे सुन लीजिए। बस ऐसा ही है। "धन्य है वह, जो पढ़ता है, और," यदि तुम नहीं पढ़ सकते, "धन्य है वह जो सुनता है, क्योंकि समय नजदीक है।"

156 अब, कल्पना कीजिए कि इस के सिद्धांत का क्या मतलब है, यूहन्ना, जो वहां लेखक था, जिसने इसे लिखा, ऐसा था... *यह* यहां यूहन्ना है, जो बस "आशीषो" और इत्यादि को कह रहा है। अब, मुझे जो लगता है कि यह ऐसा था, पुराने नियम में, याजक एक सुबह खड़े होकर और वचनो को पढ़ता है। सभा के लोग सुनते है। बहुत से लोग नहीं समझ पाते है। सो उसने कहा, "धन्य है वो जो पढता है, और वह जो सुनता है।" समझे? पढने वाला और सुनने वाला; वो एक जो पढ़ता है, और सुनता है, वह धन्य है। सो यदि आप बस इसे बैठ कर और इसे सुनते हैं, तो आप धन्य हैं। "धन्य है वह जो पढ़ता है, और वह जो सुनता है, क्योंकि समय नजदीक है।"

157 अब, 4 से 6 कलीसिया के लिए एक अभिवादन है। अब हम इस 4 और 6 पद को लेना चाहते हैं।

158 अब, इससे पहले कि हम इस पर जाये, मैं चाहता हूं कि हर एक जन अब गहराई से सोचने की कोशिश करे। अब ये क्या है? यह यीशु मसीह का प्रकाशन है, जहां परमेश्वर ने समय पर से पर्दा उठाया था। *यहां* वो समय है, जो यीशु नहीं देख सका जब वह यहां पृथ्वी पर था, कलीसिया युगों में, कि क्या बात जगह लेगी। सो, परमेश्वर ने पर्दे को निकाल दिया, उसे पीछे की ओर खींचा और यूहन्ना को अंदर जाने दिया और दिखाया कि हर एक युग में क्या करने जा रहा था, और इसे एक किताब में लिखा और इसे सात कलीसियाओ के लिए भेज दिया।

159 यह क्या है? मसीह उसके—उसके कार्य करने के दिनों में प्रकट हुआ। यह कार्य से भरी हुई किताब है। और यह एक—एक भविष्यवाणी की किताब है जिसे मसीह देता है, परमेश्वर ने हमें अपने दूत के द्वारा दिया है, जिसे यूहन्ना ने लिखा है। और ये हर किसी के लिए एक आशीष है जो इसे पढ़ेगा या पढ़ते हुए सुनेगा, क्योंकि समय नजदीक है जब यह सब पूरा होता है।

160 अब एक अच्छी तैयारी है। और याद रखें, हम कलीसिया को मन में रख रहे हैं। एक तरफ, कलीसिया का आरंभ हुआ; दूसरी ओर, कलीसिया समाप्त होती है। इससे भी अधिक बतायेगे, सोमवार की रात को, जब हम कलीसिया के युगों को लेंगे।

> *यूहन्ना की ओर से आसिया की सात कलीसियाओं के नाम, उस की ओर से जो है, और जो था... और जो आने वाला है; और उन सात आत्माओं की ओर से, जो उसके सिंहासन के साम्हने हैं।*

161 अब हम रहस्यो और चिन्हों के गहरे भागों में आ रहे हैं। ये उन सात कलीसियाओ को संबोधित करता है जो आसिया (माइनर) छोटे भाग में हैं। उनके पास—उनके पास... वे—वे युग, उस समय पर, जो भविष्य में आने वाले थे। और उसने उन्हें ऊपर उठाया और—और उनके काम के लिए प्रशंसा की और जो उन्होंने किया था। लेकिन, अब, यह उन कलीसिया को संबोधित करता है, वे सात कलीसियाये जो आसिया (माइनर) छोटे भाग में हैं।

162 अब, आसिया (माइनर) छोटे भाग में, न ही पूरा आसिया, आसिया का महाद्वीप। ये बस छोटा सा भाग था। वे दावा करते हैं, कि एक स्थान

जो लगभग पेंसिल्वेनिया राज्य के आकार का है, देखो, या ऐसा ही कुछ, या इंडियाना; बस एक छोटा सा स्थान जहाँ ये सात कलीसिया स्थापित हैं। वहां उस समय पर उन कलीसियाओ से और भी अधिक थी। और, लेकिन, इसने उनके चरित्र को प्रकट किया। अब मैं यहां वही पढ़ रहा हूं जो मैंने इसके इतिहास से पढा है।

163 "और वह... शापित है वह जो सुनता है, और, या, और इसे ध्यान नहीं देता।"

164 और—और अब, यह इस समय 4 पद में नीचे आता है जिसे हम यहां कुछ समझाना चाहते हैं, "उस की ओर से जो है, और जो था, और जो आने वाला है; और उन सात आत्माओं की ओर से, जो उसके सिंहासन के साम्हने हैं।" अब, "वे आत्माये," हम उन्हें बाद में ले लेंगे।

165 अब, यहां यह व्यक्त करता है, यदि आप वहाँ इस में—में ध्यान देंगे। 7 वें पद में, या 8 वें पद में, वह फिर से आता है और कहता है, फिर से व्यक्त करता है। अब देखना। अब सात कलीसियाओ को संबोधित किया गया है। "उस की ओर से जो है, और जो था, और जो आने वाला है। जो था, एक समय; अब है; और जो आने वाला है।" अब, वह यहां उसके तीन प्रकार के, उसके काम के उसके तीन प्रकार के प्रगटीकरण को व्यक्त करता है।

166 अब यदि आप 8 वा वचन लेंगे। हम बस एक मिनट में इस पर आयेंगे। हम 8 वा वचन लेंगे।

> *मैं ही अल्फा और ओमेगा हूं, आदि और अंत हूं, प्रभु यह कहता है, वह जो है... और जो था, और जो आने वाला है, जो सर्वशक्तिमान है।*

167 अब हम 4 वें और 6 वें पद को पकडे हुए हैं, जांचते है, वे दोनों एक ही हैं। एक, वो कहता है, "वह जो था, जो है, जो आने वाला है।" वह कलीसिया के सामने क्या रखने की कोशिश कर रहा है? उसकी दैविकता को। आज, लोगों उसे एक—एक भविष्यव्यक्ता बनाने की कोशिश करते है। वह एक भविष्यव्यक्ता से बढ़कर है। और कुछ लोग उसे तीन परमेश्वर बनाने की कोशिश करते हैं। वह तीन परमेश्वर नहीं हैं। वह एक परमेश्वर है जो तीन कार्यस्थानो में रहता है, एक ही परमेश्वर के तीन प्रकटीकरण है।

168 अब, याद रखें, यह प्रकाशन है, "और जो कोई भी इसे सुनता है और इस किताब की कही हुई बातों को बनाये नहीं रखता है, उसका भाग जीवन की किताब से लिया जाएगा।" यीशु अपने आप को तीन परमेश्वर के रूप में प्रकट नहीं कर रहा हैं, लेकिन एक ही परमेश्वर और तीन कार्यस्थान हैं। ओह! यह थोड़ी देर के बाद गहरा होने जा रहा है, जब हम उन कलीसिया युगों में जायेंगे और देखेंगे कि उन्होंने कहां खो दिया। इसने निसियन परिषद में एक बडे अलगाव को लाया। वे दोनों ही गहरे छोर पर निकल कर चले गये।

169 और उन्होंने अंतिम दिनों में फिर से इसी तरह का काम किया, ठीक उसी तरह जैसे एक पूर्व निसियन परिषद फिर से, क्योंकि वहाँ पर एक और को होना है। बस ये उतना ही निश्चित है जैसे कि मैं यहां पर खड़ा हूं, कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट कलीसिया एक साथ किसी बात पर तो एकजुट होंगे, या एक दूसरे से सहमत होंगे। अब वहां कैंटरबरी के मुख्यबिशप को देखें। ये सब ठीक एक साथ इकठ्ठा हो रहा है। और बाईबल में ना ही एक त्रिगुणात्मक परमेश्वर की शिक्षा है। वहां एक परमेश्वर है।

170 और यह प्रकाशितवाक्य की किताब में यहां प्रकट होता है, जो वचनों का सम्पूर्ण सिद्धांत यहां पर साबित हो सकता हैं, और मसीह ने उस पर अपनी मोहर लगाई। यही वो बात है। यदि कोई इसमें से निकालता है या इसमें जोड़ता है, तो उसी तरह उसे उसके लिए जीवन की किताब से निकाल दिया जाएगा। इसलिए इस की ओर बढ़ना है ना ही स्वार्थी ढंग से, इस की ओर बढ़ना है एक खुले हुए ह्रदय से और एक खुले हुए मन के साथ।

171 अब, निसियन परिषद पर, वे दो बड़े निर्णय पर आते हैं। पर... ओह, उस दिन पर उनमें से बहुतो के पास, जो प्रारंभ की कलीसिया के पूर्वज थे, उनके पास दो किनारे के दृष्टीकोण थे। उनमें से एक दृष्टीकोण त्रिएकता परमेश्वर का था, जो एक त्रियात्मक है। और दूसरा एक था जो एक—एक परमेश्वर का है। और वे दोनों अस्तित्व में आकर और दो सीधे अलग–अलग निकल गये, *इस* तरह से बाहर। त्रिएकता एक तीन परमेश्वर के व्यक्ति का स्थान बन गया। एकत्व जो एक इकाई बन गई, बिल्कुल उतना ही गलत जितना कि दूसरा गलत था। तो वे दोनों अलग–अलग निकल गए, लेकिन ठीक*यहां* पर सत्य प्रकट होता है।

172 यीशु अपना स्वयं का पिता नहीं हो सकता था। ना ही, यदि उसके पास पवित्र आत्मा के आलावा एक पिता है, तो वह एक नाजायज बालक है। और नहीं... पवित्र आत्मा ने उसका गर्भधारण किया, और उसने कहा कि परमेश्वर उसका पिता था। तो पवित्र आत्मा और परमेश्वर... यह मत्ती 1:18 है। यदि... पवित्र आत्मा और परमेश्वर को एक ही व्यक्ति होना है, या तो उसके दो पिता हैं। और उसे *इम्मेनुएल* कहा गया था, जो कि "परमेश्वर हमारे साथ है।" उसने दावा किया, जब वह धरती पर था, कि वो और पिता एक थे।

173 मैंने यहां सारे वचनों को लिखकर रखा है, ताकि आप देख सकें, क्या हमारे पास यह—यह प्रश्न या कुछ तो था।

174 अब, जब वह यहां प्रकटीकरण में आया था, उसके अस्तित्व में होने के तीन प्रकार के कार्य स्थान के रूप में, "वो जो था, वो जो है, वो जो आने वाला है, वो सर्वशक्तिमान," अब, वहाँ कोई तीन परमेश्वर नहीं हैं; एक परमेश्वर है।

175 और निसियन परिषद में, ऐसा करने के लिए, उन्हें ऐसा करने के लिए, एक त्रिएकता को लेना था, क्योंकि रोमन संसार में उनके कई देवता थे। उन्होंने अपने मरे हुए पूर्वजों की प्रार्थना की। मेरे पास ठीक यहां पर इतिहास है जहाँ हम इसका हवाला दे सकते हैं। समझे? उन्होंने अपने मरे हुए पूर्वजों की प्रार्थना की। यही वो कारण है कि उनके पास संत सेसिलिया और संत मार्कस, और संत, संत, संत, संत, संत हैं।

176 जब, प्रेरित पतरस ने कहा, "परमेश्वर और मनुष्य के बीच, उस मनुष्य यीशु मसीह के अलावा कोई और बिचवाई नहीं है।" वो ही एक है।

177 उनके पास एक त्रियात्मक परमेश्वर होना था। तो, उनके—उनके पास जुपिटर, मार्स, वीनस थे। "और यह सही नहीं था, यह सब को एक परमेश्वर पर डाल देते है," सो उन्होंने बस इसे अलग कर दिया, और परमेश्वर के तीन प्रकार के तीन अलग–अलग कार्य स्थान बना दिए।

178 लेकिन वह प्रकाशितवाक्य में स्पष्ट रूप से यहां कहता है, वो कौन है। "मैं वो हूं, वो जो था, वो है, और वो जो आने वाला है वो सर्वशक्तिमान।" हम इसे यहां थोड़ी देर बाद लेंगे, उसने कहा, "मैं अल्फा और ओमेगा हूं," ए टू जेड, संपूर्ण, यूनानी वर्णमाला। "सोसन की घाटी का फुल, शारोन का गुलाब; पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा; वो जो था, जो है, और आने वाला है;

दाऊद का वंश और संतान।" वह परमेश्वर है, परमेश्वर। "साथ... " सबसे पहले तीमुथियुस 3:16, "और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद बड़ा है; अर्थात वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया।" परमेश्वर! ना ही कोई तीसरा व्यक्ति या भविष्यव्यक्ता नहीं है, लेकिन परमेश्वर स्वयं मनुष्य रूप में प्रकट हुआ। अब, यह एक प्रकाशन है, याद रखें।

179 अब, परमेश्वर, आदि में महान यहोवा था, जो अग्नि के एक स्तंभ में रहता था, इस्राएल के ऊपर मंडरा रहा था, और उनकी अगुवाही की। जो परमेश्वर था, वाचा का दूत। पहाड़ पर उतर आया; सारे पहाड़ ने आग पकड़ ली। अग्नि पहाड़ पर से ऊपर उठने लगी, और दस आज्ञाओं को लिखा। उसे "परमेश्वर का पितृत्व," कहा गया था उसके बच्चों के लिए, उसके लोगों की चुनी हुई जाति, वे यहूदी।

180 फिर वही परमेश्वर एक कुंवारी से जन्मा देह में प्रकट हुआ, जो देह उसने मरियम के गर्भ में बनाई गयी थी, और रहा था और डेरा किया और उसके तम्बू को तान दिया, जैसा वह था, मनुष्य जाति के बीच में रहा। और वही परमेश्वर देहधारी हुआ हमारे बीच में वास किया। बाईबल ऐसा कहता है। "परमेश्वर मसीह में था।" वो शरीर यीशु था। यीशु, "उसमें परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता वास करती थी।" अब उसे तीन व्यक्ति नहीं बनाया जा सकता। तीन परमेश्वरो के लिए बपतिस्मा मत दो। एक ही परमेश्वर है। देखा? एक परमेश्वर। अब, ये वही परमेश्वर देहधारी हुआ था।

उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास जाता हूं।"

181 उसके धरती पर से विलुप्त हो जाने के बाद, उसकी मृत्यु होने पर, दफनाना, और पुनरुत्थान, और उठाया जाना, फिर पौलुस वहां उसे दमिश्क के रास्ते पर मिला, जब उसे उस वक्त "शाऊल" कहा जाता था। और एक आवाज आई, और कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

उसने कहा, "तुम कौन हो? "

उसने कहा, "मैं यीशु हूं।"

182 और वह अग्नि का एक स्तंभ था, एक प्रकाश जो प्रेरित की आँखो को अंधा कर दिया था। वह मुड़ गया था। वही यीशु वापस परमेश्वर, पिता हो गया था। यही वो कारण है कि उसने यहां कहा, "मैं वो सर्वशक्तिमान हूं," उसी रूप में जो उससे पहले वो था, वो देहधारी हुआ था; और उसका शरीर जिसमें वो रहा वो यीशु कहलाया गया था, वह मनुष्य जिसे हम जानते हैं, यीशु।

183 अब, जैसे आप में से वननेस वाले बहुत सारे प्रिय लोग जिनका "यीशु के नाम" बपतिस्मा हुआ है, आप गलत है। आज संसार में सैकड़ों यीशु हैं, लेकिन केवल एक ही प्रभु यीशु मसीह है। वह एक मसीह जन्मा था। बहुत सारे यीशु है। मैं उनमें से कई से मिल चुका हूं। लेकिन एक ही प्रभु यीशु मसीह है, वो परमेश्वर है।

184 और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा कोई *नाम* नहीं है। वे शीर्षक हैं जो एक नाम पर जाते हैं। वे बपतिस्मा लेते हैं, "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम से।" *पिता* एक नाम नहीं है, और *पुत्र* एक नाम नहीं है, और *पवित्र आत्मा* एक नाम नहीं है। यह एक शीर्षक है, जैसे "मनुष्य का।" यह वही है, जो पवित्र आत्मा है। एक मनुष्य... या, एक आत्मा, पवित्र आत्मा। तब कहते है, "'पिता' के नाम में।" पिताओ की ओर देखो, और तुम्हारे पुत्रों को, पुत्रों। यहां के मनुष्यों को देखो। देखो? "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" ये एक नाम नहीं है। यह एक शीर्षक है जो "प्रभु यीशु मसीह" के नाम पर जाता है।

185 इसी तरीके से आरंभ में प्रेरितो की कलीसिया ने बपतिस्मा लिया। और मैं किसी से भी पुछुंगा वचन में से एक भी लेख दिखाये या इतिहास में का एक भी समय, कि किसी व्यक्ति को भी मसीही कलीसिया में किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा दिया गया था... "यीशु मसीह" के नाम के आलावा जब तक कैथोलिक कलीसिया नहीं बनी। और उन्होंने एक संप्रदाय के लिए "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" को अपना लिया। अब अपने किसी इतिहास को सामने लाये, इतिहासकारों। जी हाँ। ऐसी कोई बात नहीं है। 304 A.D. के बाद, 304, एक त्रिएकता परमेश्वर के लिए त्रिएकता बपतिस्मा आता हैं, "परमेश्वर वो पिता, परमेश्वर वो पुत्र, परमेश्वर वो पवित्र आत्मा।" यह पागानवाद है।

186 इस सप्ताह के समाप्त होने से पहले, मैं इसे किताबों से पढ़ूंगा और आपको बाईबल से दिखाऊंगा। हम आज सुबह प्रकाशन पर बात कर रहे हैं, और यह साबित कर रहे हैं कि यह कहाँ आया है, और यह कैसे सामने आने लगा। सच्चाई पर वापस आये, भाई! हम अंतिम दिन में हैं।

187 आप रुके रहना जब तक हम इफिसियों कलीसिया के विषय में नहीं जाते है और इसे लौदिकिया के साथ जोड दे, और देखें कि उनके बीच क्या हुआ था। आप देखेंगे कि कैसे वो चीज़ धीरे—धीरे अंदर बढने लगी। लूथर के युग में आया, कहा, "तुम्हे एक नाम मिला है जिसमें तुम 'जीते हो,' लेकिन तुम मरे हुए हो।" उसी शब्द *सरदीस* का अर्थ है "मरा हुआ।" उन्होंने इसे पंद्रह सौ वर्ष के अंधकार युग में खो दिया। उनमें से हर एक कलीसिया ने उस समय तक इसे बनाए रखा। उसके बाद जब उनके पास 606 में निसिया परिषद थी, और तब उन्होंने उस नाम को ध्वस्त कर दिया और उसमें से तीन परमेश्वर को बनाया।

188 उसने यहां पर कहा, "मैं वो हूं जो था, जो है और आने वाला है, वो सर्वशक्तिमान।" निश्चय ही।

189 वो धरती पर तीन प्रकार के अस्तित्व में था। जब वह धरती पर था, तो वह धरती पर तीन प्रकार का अस्तित्व था। वह एक नबी था। वह स्वर्ग में भी था, एक याजक। और जब वह फिर से धरती पर वापस आएगा, तो वो एक राजा होगा। नबी, याजक और राजा। वो जो था, जो है, और आने वाला है। "वो जो था," यीशु, था, एक भविष्यवक्ता। "वो जो अब था," एक याजक है, आत्मिक बलिदान को कर रहा है, एक महा याजक जिसे हमारी दुर्बलताओं की भावना के द्वारा छुआ जा सकता है, और खुद को प्रकट और साबित कर सकता है कि वह हमारे बीच में है। नबी, याजक और राजा, लेकिन एक परमेश्वर।

190 जब वह धरती पर था, वो एक नबी था, वो वचन। "विश्वासयोग्य गवाह," बाईबल उसे कुछ देर बाद कहता है। एक विश्वासयोग्य गवाह, वो नबी है। वो याजक था, और जब... वो अब याजक है, और जब वह आता है, तो वो राजा होगा।

191 यदि आप वहां जाकर, प्रकाशितवाक्य 15: 3 को पढ़ें, आप प्रकाशितवाक्य 15: 3 में देख सकते हैं। आइये यहां पर जायेंगे और देखेंगे

कि वह क्या... क्या वह राजा होने जा रहा है, क्या वो राजा है जब वह आएगा। अब हम प्रकाशितवाक्य, 15 अध्याय और तीसरे पद में जा रहे हैं।

और वे परमेश्वर के दास मूसा का गीत, और मेम्ने का गीत गा गाकर कहते थे, कि हे स्र्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे कार्य बड़े, और अद्भुत हैं, हे युग युग के राजा, तेरी चाल ठीक और सच्ची है।

192 वह धरती पर क्या था। नबी। लोगों ने कैसे जाना कि वह एक नबी था? उसने मसीहा के चिन्ह को किया, जो एक नबी था। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो! वे उससे कैसे चूक गये? क्योंकि वे किसी और चीज के लिए देख रहे थे। और उसने मसीहा के चिन्ह किए, और उन्होंने इसकी नहीं सुना। वह एक नबी था।

193 मूसा ने कहा, "प्रभु परमेश्वर तुम्हारे लिये मुझ सा एक भविष्यव्यक्ता उठाएगा। जो कुछ वह तुम से कहे, उस की सुनना। जो उस भविष्यव्यक्ता की न सुने, लोगों में से नाश किया जाएगा।"

194 वो धरती पर नबी था, अब, इसलिए वह क्या था? "परमेश्वर के वचन का विश्वासयोग्य गवाह।" आमीन। वह प्रगटीकरण में आया हुआ परमेश्वर का वचन था।

195 संत यूहन्ना, पहला अध्याय।

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।

और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में वास...

196 वह परमेश्वर के अनन्त वचन का सच्चा और विश्वासयोग्य गवाह था। वो वचन था, परमेश्वर का वचन था। और, वचन होने के नाते, वह एक नबी था। क्योंकि परमेश्वर का वचन उसमें से होकर बहा था। उसे केवल यही बात को कहना था। "मैं खुद अपने आप से कुछ नहीं कर सकता, लेकिन जो पिता मुझे करने के लिए दिखाता है। यह मैं नहीं जो काम को करता है। लेकिन पिता जो मुझ में रहता है, वो काम को करता है। मैं और मेरा पिता एक हैं। मेरा पिता मुझमें है," यीशु ने कहा, वो मनुष्य, वो भवन।

197 परमेश्वर के पास बहुत से शीर्षक हैं: यहोवा, यहोवा यीरे, राफा, मनश्शे। ओह, बहुत से! उसके सात मिश्रित, छुटकारे के नाम हैं। उसके बहुत से शीर्षक है: शारोन का गुलाब, सोसन का फुल, भोर का तारा; पिता,

पुत्र, पवित्र आत्मा। यह सारे। लेकिन उसका एक मानव जाति का नाम है। परमेश्वर का केवल एक ही नाम था, और वो था "प्रभु यीशु मसीह।"

198 जब वह जन्मा था, मसीह, प्रभु। आठ दिन बाद, पवित्र आत्मा ने उसका नाम "यीशु" कह कर बुलाया। उसकी माँ ने उसका खतना किया था, और उसे "यीशु" कह कर बुलाया। वह मसीह जन्मा था।

199 जैसे, मेरा एक ब्रंहम जन्म हुआ था। जब मैं जन्मा था, तब मैं एक ब्रंहम था, और "विलियम" नाम को दिया गया।

200 आमीन। और वह मसीह जन्मा था, वो उद्धारकर्ता। और जब वह आठ दिन का था, तो उसे "यीशु" का नाम दिया गया। और वह महिमा का परमेश्वर था, जो प्रकट बना। सो, वह प्रभु यीशु मसीह है, प्रभु की महिमा जो हमारे बीच प्रकट बनी। ओह, वहां वो है!

201 धरती पर, वो नबी था। महिमा में, वह याजक है। आगमन में, वह राजा है। ओह! मुझे यह पसंद है।

नबी, "वचन का विश्वासयोग्य गवाह।"

याजक, "परमेश्वर के सामने अपने स्वयं के लहू के साथ।"

राजा, "संतों का राजा।" ना ही संसार का राजा, अब। वो संतों का राजा है। हमारे पास उन लोगों के ऊपर धरती के राजा हैं। लेकिन हमारे पास भी एक राजा है, और एक राज्य है। यही कारण है कि हम अलग व्यवहार को करते हैं।

202 जैसा कि मैंने पहले कहा था ज्यादा समय नहीं हुआ, मेरी पत्नी के बारे में, हम यहां स्टोर पर जा रहे थे और हमने लगभग एक चमत्कार को देखा। यह गर्मियों का समय था, एक स्त्री एक पोशाक पहने हुए थी। और मैंने कहा, "यह एक अजीब सी बात है।" मैंने कहा, "यदि मेरे पास मेरा कैमरा होता था, तो मैं स्त्री की तस्वीर लेता।" देखा? क्योंकि हम... वह पहली स्त्री थी जिसे हमने स्कर्ट पहने हुए देखा था, आप जानते हैं, एक स्त्री की तरह कपड़े पहने हुए थी, जो सभी स्त्रीयों के कपड़े होने चाहिए।

203 उसने कहा, "ठीक है, ऐसा क्यों है, बिल, कि हमारे लोग ऐसे कपड़े पहनते हैं, क्या हमें—हमें यह आज्ञा दी गई है? "

204 मैंने कहा, "यह हमारे लोग नहीं हैं। यह परमेश्वर के लोग हैं। परमेश्वर के लोगों को पवित्रता की आवश्यकता है।"

कहा, "तो ठीक है, क्या वे कलीसिया नहीं जाते हैं? "

205 मैंने कहा, "ठीक *वहां* एक महिला है, जो यहां एक कोई तो कलीसिया में गीत गाने वालो के समूह में गाती है।"

"अच्छा, फिर, ऐसा क्यों है? "

206 मैंने कहा, "क्योंकि उसे कुछ अलग नहीं सिखाया जाता है।" यह बिल्कुल सही है।

207 यही वो शारीरिक कलीसिया है, हम इस सप्ताह इसमें जायेंगे; आत्मिक कलीसिया, शारीरिक कलीसिया। वे सभी सीधे वापस माता कलीसिया में लौट रहे हैं, जैसा कि बाईबल में प्रकाशितवाक्य 17 में कहा गया है, वे ऐसा करेंगे। वे ठीक अभी वापस लौट रहे हैं, वे सारे, जैसे वे इस कार्य को कर रहे हैं, वे संस्थागत होते जा रहे हैं। "ठीक है, हम एक *फलां हैं*... हम संस्थागत हैं। हम *ये हैं* और हम *वो हैं*।" ऐसा आरंभ में तो नहीं था। कलीसिया से सारी सामर्थ को निकालते हुए उसे एक बिशप या पोप पर रख रहे है। परमेश्वर उसकी कलीसिया में है, उसके लोगों के बीच, खुद को प्रकट कर रहा है जन साधारण और हर किसी में से होते हुए, अब, लेकिन इस दिन में...

उसने कहा, "ठीक है, हम अमेरिकी नहीं हैं? "

208 मैंने कहा, "नहीं। हम यहां रहते हैं, लेकिन हम अमेरिकी नहीं हैं। हम मसीही हैं। हमारा राज्य ऊपर का है।"

209 और यदि हमारा जीवन ऊपर से आता है, तो हम इसी तरह से कार्य करते हैं। क्योंकि, हम आते हैं... हमारा जीवन एक पवित्र स्थान से है। यह अलग ही दिखता है। यह अलग कपड़े पहनता है। महिलाओं के सिर पर लंबे बाल होते हैं। और वे अपने चेहरे पर प्रसाधन (मैनीक्योर) को नहीं लगाती हैं। और—और वे छोटे कपडे नहीं पहनती हैं। वे—वे स्कर्ट, और लंबे वस्त्र और कपड़े पहनती हैं। और उनके लंबे बाल, और इत्यादि होते हैं। तो ये इसका स्वभाव है, जो वहाँ ऊपर से है, वहाँ से, हम पर प्रतिबिंब होता है।

210 वे मनुष्य धूम्रपान नहीं करते, न ही तम्बाकू चबाते, न झूठ बोलते हैं, न चोरी करते हैं। उनकी आत्माये आती हैं, एक पवित्र स्थान से आती हैं, उन्हें

पवित्र कार्य करने को लगाती हैं, एक दूसरे को भाइयों के रूप में पहचान करवाते हैं। अहां। ऐसा ही है।

211 हम एक राज्य से हैं, और हमारे पास एक राजा है। और वह संतों का राजा है। और *संत* शब्द "वे पवित्र जन" शब्द से आया है। तब जब एक व्यक्ति को पवित्र किया जाता है, मसीह, वो पवित्र आत्मा हृदय में चला जाता है और उनके ऊपर राजा बनता है। ओह, प्रभु! यह ह्रदय में जाना चाहिए। ओह! जब परमेश्वर का पवित्र पात्र... मसीह, वो राजा, पवित्र आत्मा, अंदर जाता है, और वह... एक राजा के पास उसका अधिकार होता है। आमीन। और उसका सारा अस्तित्व संतों के राजा के द्वारा राज्य करता है। एक राज्य! धरती पर के हर राज्य को हिला दिया जाएगा, परमाणु शक्ति के द्वारा फाड़ा जायेगा। लेकिन बाईबल कहती है, "हमें एक ऐसा राज्य मिला है जो हिलाया नहीं जा सकता।" आमीन। वहाँ पर वो संतों का राजा है।

212 मैं चाहता हूं कि आप बाईबल और यहां की धरती पर भी मसीह के प्रतीकों या चिन्हों को देखें। पृथ्वी पर, वो एक नबी था। क्या आप विश्वास करते हो? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] एक नबी वचन होता है। हम यह जानते हैं। *नबी* शब्द का अर्थ है "वचन का एक दैविक अनुवादक।" दैविक वचन लिखा हुआ है, और नबी के पास परमेश्वर का दैविक आत्मा है जो उसमें है। और, आप जानते हैं, पुराने नियम में नबी को "परमेश्वर" कहा जाता था। कितने लोग यह जानते है?

213 यीशु ने कहा, "यदि उन्होंने उन्हें परमेश्वर कहा... तो क्या यह आपके नियम में नहीं है, वे हैं कि, 'तुम परमेश्वर हो'? और यदि वे उन्हें 'परमेश्वर' कहते हैं, तो जिसके पास परमेश्वर का वचन आता है, वो नबी, तुम कैसे दोष लगाओगे जब मैं कहता हूं कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं? "

214 क्योंकि, उसे "परमेश्वर," बुलाया गया था क्योंकि उसमें परमेश्वर के वचन, **यहोवा यों कहता है** भरा हुआ था। इसलिए, *नबी* शब्द का अर्थ है, "उसका—उसका अनुवाद मिलावटी नहीं होगा।" देखा? यदि परमेश्वर... वह कहता है, "यदि तुम्हारे बीच में कोई एक है, जो आत्मिक है, या भविष्यव्यक्ता है, तो मैं प्रभु उससे बात करूंगा। वो जो कहता है वो पूरा होता है, तब उसकी सुने, क्योंकि मैं उसके साथ हूं। लेकिन यदि यह पूरा नहीं होता है, तो उसकी मत सुनो; मैंने उसे नहीं भेजा है।" यही तरीका

है कि आप इसे जानते हैं। और फिर, आप देखे, वचन के दैविक अनुवाद को कलीसिया के लिए इस अंतिम प्रकाशन के साथ मेल खाना है।

215 वो परमेश्वर है, सर्वशक्तिमान। पृथ्वी पर, वह एक नबी था, जो एक उकाब है। कितने लोग जानते हैं कि एक नबी को उकाब माना जाता है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

216 एक उकाब सबसे बलवान पक्षी है, जो हमारे पास है, सबसे शक्तिशाली। उनमें से कुछ के पंख चौदह फुट तक फैले हुए होते हैं, एक छोर से छोर दूसरे तक। वह इतना ऊँचा उठ सकता है और उड़ सकता है कि यदि कोई दूसरा पक्षी उसके पीछे–पीछे जाने की कोशिश करे, तो वह पक्षी फट जाएगा, उसमें से पंख निकल कर गिर जाएंगे और वह अलग–अलग हो जाएगा। इसलिए क्यों? उकाब विशेष बना हुआ पक्षी है। और ऐसी क्या अच्छी बात है कि वो उसे ऊपर ऊंचाई में ले जाती है, क्या वह नहीं देख सकता कि वह क्या कर रहा है जब वह वहां ऊपर होता है? शिकरे की आंख की बात करते है? आपको तो उकाब की आंख को देखना है।

217 एक शिकरे को देख सकते है, एक मुर्गी को देख सकते है। ये सही बात है। आज इनमें से कुछ शिकरो के साथ यही बात है। हूं–हुह। लेकिन, मैं आपको बताता हूं, एक उकाब इतना ऊपर जाता है, यदि एक शिकरा उसका पीछा करने की कोशिश करता है, तो वह मर जाएगा। उसका दम घुट जायेगा। वह उन क्षेत्रों में नहीं जा सकता जहाँ उकाब जाता है।

218 और फिर उसके पास एक आंख है, जिससे वह दूर तक देख सकता है, जब वह वहां ऊपर जाता है। तो यही कारण है कि परमेश्वर अपने *नबीयों को*, "उकाब" कहता है। वो वहाँ ऊपर जाता है, और वह एक उकाब है। वह बहुत दूर तक देख सकता है।

219 और धरती पर मसीह, एक उकाब था। जब वह मरा, तो वो एक याजक था, जिसने उसे एक मेमना बना दिया। क्या यह सही है? [सभा कहती हैं, "यह सही है।"—सम्पा।] और जब वो फिर से आता है, तो वो राजा होता है, सो वो एक सिंह होगा, आमीन, यहूदा के गोत्र का सिंह। आमीन। वो एक उकाब है, एक मेमना और एक सिंह है; आमीन; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा; नबी, याजक और राजा; वह जो था, जो है, और आने वाला है; वो सर्वशक्तिमान; अल्फा और ओमेगा, आदि से लेकर अंत तक, अनन्त परमेश्वर।

220 आपसे पूछना चाहता हूं, आप में से कुछ बहुमूल्य कैथोलिक लोग, जो कहते हैं कि, "परमेश्वर की अनन्त पुत्रत्वा; परमेश्वर, परमेश्वर के साथ यीशु मसीह का अनन्त पुत्रत्व।" आप ऐसे शब्द को कैसे कह सकते हैं? सातवीं कक्षा तक पढा–लिखा हूं, लेकिन मैं इससे बेहतर जानता हूं। पुत्र शब्द का होना एक शुरुआत को बताता है। तो वह कैसे अनन्त हो सकता है और एक पुत्र हो सकता है? अनंत काल की कोई शुरुआत या अंत नहीं होता है। इसलिए, वह एक पुत्र नहीं हो सकता, एक अनन्त पुत्र है, और फिर एक शुरुआत है, क्योंकि अनन्त पुत्र जैसी कोई चीज नहीं है। एक पुत्र की शुरुआत थी, इसलिए वह अनन्त नहीं हो सकता।

221 आप देखे, वह अनन्त परमेश्वर है, न कि अनन्त पुत्र। महिमा! वो सर्वशक्तिमान, यहोवा यीरे, यहोवा राफा, जो शरीर में प्रगट बना, "उसमें परमेश्वत्व की देह की परिपूर्णता वास करती थी।"

222 और पेंटीकोस्ट के दिन पर, जब वो अग्नि का खंबा लोगों के ऊपर कर आ गया, क्या आपने ध्यान किया, इसने खुद को विभाजित किया? और अग्नि की जीभे उनमें से हर एक पर आकर बैठ गयी। अग्नि, जीभो की नाई, हर एक पर बैठती है। परमेश्वर क्या कर रहा था? खुद को कलीसिया के अंदर विभाजित करते हुए, हर एक के बीच, महिलाओं को देते हुए, पुरुषों और उन सभी को देते हुए; यह उसकी आत्मा के भागीगर थे, उसके कलीसिया के बीच खुद को विभाजित करते हुए।

223 साथ ही कैसे एक मनुष्य आकर और कह सकता है, "वो पवित्र मनुष्य वो पोप है। पवित्र मनुष्य वो बिशप है"? पवित्र मनुष्य मसीह है, हमारे अंदर पवित्र आत्मा है। आप भला कैसे कह सकते हैं कि आम जनता के पास कहने के लिए कोई शब्द नहीं है? आप में से हर एक के पास कहने के लिए कुछ तो है। आप में से हर एक के पास करने के लिए कुछ काम है। आप में से हर एक को एक संदेश को लेकर आगे जाना है। महिमा!

224 पवित्र आत्मा ने पेंटीकोस्ट के दिन खुद को विभाजित कर लिया। परमेश्वर, स्वयं को विभाजित करता है। "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, पिता मुझ में हैं; मैं तुम में, और तुम मुझ में।"

225 "उस दिन," पवित्र आत्मा, "पूरी तरह से, सब में, सभी में से होते हुए।" आमीन। वहां है वो। पवित्र आत्मा के पास कही भी बढ़ने का एक अधिकार होता है वो जहाँ कहीं भी जाना चाहता है जिस किसी पर भी वह

चाहता है। आपको उस बात को नहीं लेना है, कोई बिशप या कोई याजक कहता हैं। केवल वही हमारा एकमात्र याजक है, सही है, एक महायाजक है। अब नबी, याजक और राजा है।

226 अब:

> *और... यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी... और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा...* (हम इसमें जायेंगे।) *और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे, जो हम से प्रेम रखता है, और जिस ने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से धोया है।*

227 वहां पर वो शब्द *धोया गया,* असल में, यूनानी में, इसका अर्थ है "छुड़ा लेना।" उसने हमें यहां से छुड़ा लिया... हम अपने पाप के द्वारा धरती से बंधे हुए थे। हम देख नहीं सकते थे, सुन नहीं सकते थे, स्वर्ग की कोई धारणा या कुछ भी नहीं था। लेकिन जब लहू नीचे उतर आया, तो उसने लकीर को काट दिया और हम छुड़ा लिए गए। ओह!

228 मैं एक समय कहानी को पढ़ रहा था, ये... जो ठीक यहां पर सही बैठ सकती हैं। एक किसान ने एक कौए को पकड़ा और उसने उसे बांध दिया। और उसने कहा, "मैं दूसरे कौवो को सबक सिखाऊंगा।" सो उसने उस पुराने कौवे को लिया, और एक पैर से, एक रस्सी के साथ बांध दिया, और उस बेचारी पुरानी सी चीज को भूखा मरने के लिए छोड़ दिया। वह बहुत ही कमजोर था, वह मुश्किल से यहां–वहां घूम सकता था।

229 ऐसा ही है, इनमें से कुछ संगठनों और कलीसियाओ ने लोगों को बांध दिया है। "बस नहीं जा सकते हो! तो, तुम *इतना* ही दूर जा सकते हैं। अद्भुत कार्य के दिन बीत गये हैं।" जी हाँ। आप बस बंधे हुए हो। बस ऐसा ही है। "पवित्र आत्मा जैसी कोई ऐसी चीज नहीं है। वह अन्य भाषा में नहीं बोलता हैं जैसे वह बोला करता था।"

230 वो परमेश्वर है। "वो बस कल, आज और युगानुयुग एक सा है," इब्रानीयों 13:8, सारे कलीसियाओ में रहते हुए। हम इसे सुबह को लेने के बाद इस बात पर जायेंगे। समझे? वह परमेश्वर है, जो हर कलीसिया के युग में रहता है। वह हर कलीसिया के युग में रहेगा, और उसके लोगों में रहेगा... अनंत काल के लिए। क्योंकि अब हमारे पास है, हमारे अन्दर है, जो अनन्त जीवन है।

231 सो, इस संप्रदाय ने उसे बांध दिया है, देखो, "ठीक है, अद्भुत कार्य के दिन बीत गये हैं। दैविक चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है।" बेचारा पुराना कौवा साथ ही बेडी में बंधा हुआ था, इतना तक वह इतना बेचारा बन गया था कि वह मुश्किल से चल सकता था।

232 और एक दिन वहाँ पर एक भला मनुष्य आया, और उसने कहा, "तुम जानते हो, वो पुराना बेचारा कौआ, मुझे उसके लिए बहुत दुःख है। आखिरकार, वह अपने दाने को खाते आ रहा है, लेकिन केवल वही एकमात्र जरीया है, जिससे वह जीवित रहता है। उसके पास खाने के लिए कुछ होना है। सो उसे कोई अंतर नहीं पता था, वह अभी दाने को खा रहा था। तो यदि... " तब उसे उसके लिए लिया... और अपने चाकू को निकाल कर और पुराने कौवे की रस्सी को काट कर आजाद कर दिया।

233 और आप जानते हैं, यहां दुसरे कौवे आते हैं, कहते हैं, "आओ, जॉनी कौवे। आओ दक्षिण की ओर चले। ठंड का मौसम आ रहा है।"

234 क्या आप जानते है? वह कौआ बस उतनी ही दूर तक जाएगा जितना वो वहां तक जा सकता है। उसने कहा, "मैं ऐसा नहीं कर सकता। यह नहीं होता है, यह इस दिन में हमारे लिए नहीं है। हम—हम बस ऐसा नहीं कर सकते।" समझे? वह इतने समय तक बंधा रहा, यहां तक उसे लगता है कि वह अभी भी बंधा हुआ है। समझे?

235 और इसी तरह बहुत से लोगों के साथ है, आप संस्था और संप्रदायों के साथ बंधे हुए हैं, जो वहां पहले की पुरानी माता वेश्य से है, आपको बता रहे हैं कि, "यीशु मसीह एक जैसा नहीं है। और चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है। पवित्र आत्मा का कोई बपतिस्मा नहीं है। ऐसी कोई भी विषय वस्तु नहीं है।" आपको ये सब बताने की कोशिश करते है। आप इतने लंबे समय तक बंधे रहे इतना तक आप अभी भी ये सोचते हैं कि आप बंधे हुए हैं।

236 वो भला मनुष्य, मसीह, उसने अपना लहू दिया कि वह हमें धो सके और हमें हमारे पाप से छुड़ा सके। पाप क्या है? मैं किसी से पूछूंगा कि बताये। पाप क्या है? *पाप* "अविश्वास" है। यह सही बात है। "जो विश्वास करता है, उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती।"

237 और आपका पाप ही आपकी एकमात्र ऐसी चीज़ है, जो आपको आज़ाद होने रोके रखती है। ये इसलिए है क्योंकि परमेश्वर ने आपको आपके

अविश्वास से आजाद कर दिया है, लेकिन आप संप्रदाय से इतने बंधे हुए हैं इतना तक कि आप अब भी सोचते हैं कि आप बंधे हुए हैं। बस भूखा मरने के लिए, देखो, यहां वहां बंधन में बंधे हुए, "मैं प्रेस्बीटेरियन हूं। मैं मेथोडिस्ट हूं। मैं बैपटिस्ट हूं। वे मुझे कहते हैं (मैं चर्च ऑफ क्राइस्ट हूं) 'अद्भुत कार्य के दिन बीत गये हैं। ऐसी कोई चीज नहीं है।'"

238 तुम बेचारे भूखे कौवे! तुम आज सुबह क्यों नहीं आ जाते? तुम दूर क्यों नहीं उड़ जाते? हाल्लेलुय्या! "एक भोर के पंखों के साथ उठो, और अपने धार्मिकता के सूर्य की ओर दूर उड़ जाओ, अपने पंखो में चंगाई के साथ।" आमीन। ऐसा ही है, ऐसा ही है, भाईयो, बहनो। ओह! उसने कहा, "पुत्र जिसे आजाद करता है, वह सचमुच में आजाद है।" जी हाँ, श्रीमान!

239 "तो ठीक है, मेरा पास्टर... " इस विषय में कुछ नहीं। बाईबल ने कहा, "आप आजाद है।" यह सही है। तुम आज़ाद हो।

"मेरी कलीसिया... "

240 तो ठीक है, आजाद हो जाये। "हमें धोया गया है और हमारे संप्रदायों से छुड़ाया है, उसके अपने लहू में," और हमें आजाद किया है सो हम अपने आप के लिए सोच सकते है, और अपने आप के लिए सोच सकते है, और अपने आप के लिए कर सकते है, अपने आप के लिए बात कर सकते हैं, और अपने आप के लिए कार्य कर सकते है।

241 "तो ठीक है, यदि मैं वापस चला जाकर और पास्टर से कहूं कि मुझे फिर से बपतिस्मा लेना था, तो वह कहेगा... "

242 इसके बारे में क्या, "तुम आजाद हो"? यह एक प्रकाशन है, आप जानते हैं। तो ठीक है। तुम आज़ाद हो।

243 यदि आप पर *इस* तरह से कुछ नमक के डालने की तरह छिडकाव किया गया है, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम पर, तो आज सुबह यहां उसमें पानी के साथ कुंड तैयार है। समझे? जी हाँ श्रीमान। यह बपतिस्मा सही नहीं है।

244 सो, अब आप और बंधे हुए नहीं हैं। आप आजाद हैं, लेकिन हो सकता है, आप यह नहीं जानते हैं। लेकिन आज सुबह आपको बता दूं, बाईबल ने कहा, "उसने हमें हमारे पापों से, हमारे अविश्वास से छुड़ाया है, जिससे हम यीशु मसीह के प्रकाशन को पा सके।" दूर चले जाओ, तुम आजाद हो!...

इसके बारे में किसी भी कलीसिया का क्या कहना है उसे लेना है। परमेश्वर का इसके बारे में क्या कहना है उसे ले लो। यहां वो इसका प्रकाशन प्रकट कर रहा है कि वह कौन है।

245 "मैं हमेशा ही सोचता था कि परमेश्वर पिता की लंबी सफेद दाढ़ी, सफेद बाल थे; और पुत्र एक मध्य वर्ग के उम्र का मनुष्य था; और पवित्र आत्मा शुभ प्रतीक लड़का था।" भाई, यह पगानवाद (मूर्तिपूजक) है। यदि आप तीन परमेश्वरो में विश्वास करते हैं तो यह पागान (मूर्तिपूजक) है।

246 वो सबसे पहली आज्ञा, पहली आज्ञा क्या है? "ये सुनो, हे इस्राएल: मैं प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, एक परमेश्वर हूं।" बस ऐसा ही है।

247 वह एक परमेश्वर है, ना ही तीन परमेश्वर। वह तीन कार्य स्थानो में रहा, तीन स्थानों पर कार्य किया। वह नबी, याजक और राजा है। वह उकाब, मेम्ना और—और सिंह है। वह सोसन का फूल है, शारोन का गुलाब, सोसन का फूल और भोर का तारा, दाऊद का बीज और वंश है। वह ए से लेकर जेड है, वह पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा है। वह वो सब है, लेकिन वो एक है। वह एक परमेश्वर है। यह उसके शीर्षक है जो उसके लिए है, लेकिन एक परमेश्वर है।

248 कभी भी, कोई भी, बाईबल का कोई भी पन्ना और न ही इतिहास में ऐसा हुआ, जब तक कि कैथोलिक कलीसिया ने आकर "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम से डुबाकर बपतिस्मा को नहीं ले लिया।

249 यदि आप मुझे पन्ने से या कही से भी दिखाते हैं, तो आप इसे लिखकर, इसे आज रात मेरे पास रख दें, और मैं इस कलीसिया से निकलकर चला जाऊंगा कहते हुए, "मैं एक ढोंगी हूं; मैंने लोगों को गलत सिखाया है।" यदि आप मुझे वचन में से एक लेख भी दिखा सकते हैं, या मेरे पास एक भी इतिहास को लेकर आये, सच्चा इतिहास लाये, जो मुझे यह दिखाएगा कि जहां लोगों ने कभी बाईबल में, "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम पर बपतिस्मा लिया था, या, मेरे पास एक वच... या, इतिहास की एक किताब को लाये, एक पन्ना, इतिहास में से एक हवाला, जहां किसी को कभी भी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," के नाम पर बपतिस्मा दिया गया था, कैथोलिक कलीसिया की निसियन परिषद आने तक। आये, इसे मेरे पास लाये; और मैं अपनी पीठ पर एक चिह्न को लगाऊंगा और जेफरसनविले पर

से चलूंगा, और आप मेरे पीछे एक भोपू को बजाना। मैं वहाँ लिखूंगा, "एक झूठा भविष्यव्यक्ता, जो लोगों को गुमराह कर रहा है।"

250 और, पास्टर, यदि आप आज सुबह यहां पर हैं, तो आप ऐसा करे, आप मुझे आपके के लिए ऐसा करने दे। समझे? आकर, मुझे दिखाये। लेकिन आप डरते हो।

251 अब, ये क्या है? *यह* प्रकाशन है। *यह* प्रकाशन है। और यह पवित्र आत्मा है, मसीह, जो कलीसियाओ को अपना संदेश भेज रहा है। इसे सुने। इसे सुने। यही है जो बाईबल सिखाती है।

252 यह कहाँ पर आया था? यदि आप अब गुस्सा नहीं है, तो जाकर, पूरे सप्ताह भर, आप—आप निसिया परिषद को पढ़े। हिसलोप की *टू बेबीलोन* को पढ़े। जाकर...

253 अब, जोसेफस का इतिहास ठीक है, लेकिन उसने केवल मसीह के एक ही अंतरे को लिखा है, कहा, "यीशु नाम का एक व्यक्ति था जो यहां–वहां जाकर लोगों को चंगा करता था। और—और वह मर गया, नहीं, नहीं, पीलातुस ने उसे मार डाला, और—और, या हेरोदस, या उसे मौत के घाट उतार दिया। और तब चेलो ने जाकर उसके शरीर को चुरा लिया, और उसे छिपा दिया। और फिर रोज रात को वे जाते और उसमें से एक टुकड़ा काटकर इसे खाते हैं।" कहा, "वे नरभक्षी थे।" तो, वे प्रभु को ले रहे थे, आप देखे। शारीरिक दिमाग! जोसेफस कोई भी नहीं था कि हम उसकी सुने।

254 लेकिन *फॉक्स बुक ऑफ मार्टियर्स* इस किताब *को लें*। वहां एक अच्छा प्रामाण है। *फॉक्स बुक ऑफ मार्टियर्स,* कितनो ने कभी इसे पढ़ा हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] निश्चय ही। पेमर्स की *अर्ली एजेस,* या—या हिसलोप्स की *टू बेबीलोन,* या—या कुछ बड़े प्रामाण। या, वो—वो हमारे पास जो सबसे बड़ा है वो है निसिया परिषद, पूर्व निसिया परिषद और निसिया परिषद। और आप वहां ढूंढे, जिसका कभी उल्लेख नहीं किया गया, ना ही कोई व्यक्ति का।

255 पवित्र वचनों को लें और देखें कि क्या बाईबल में कभी किसी ने बपतिस्मा लिया था, उन शीर्षको का उपयोग करते हुए, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम से। यह तीन परमेश्वर को दर्शाता है। यह तो एक पागान के समारोह के लिए है। और कैथोलिक वाद दुनिया भर में, मसीहत

का एक पागान रूप होने के आलावा और कुछ नहीं है। और कैथोलिक कलीसिया से मार्टिन लूथर, जॉन वेस्ले, बैपटिस्ट, प्रेस्बीस्टेरियन और इत्यादि आये।

256 लेकिन अंतिम दिनों में वहाँ एक द्वार को रखा गया था, जिसने सत्य को वापस खोल दिया, जो कि, "बाईबल ने ऐसा कहा," और महान नबी जो अंतिम दिनों में धरती पर आने वाले थे। और हम विश्वास करते है कि वह आ रहा है। देखना। और उसके पास एक कलीसिया होगी। अभी, हम इसे देखेंगे, अब।

257 अब, याद रखें, यह प्रकाशन है। आप इसमें से नहीं निकाल सकते। अब, क्या ही चुनौती है! बाईबल में एक व्यक्ति को ढूंढे, एक भी स्थान पर उन्होंने कभी भी किसी को भी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," के नाम से बपतिस्मा दिया हो या कभी किसी पर भी छिड़काव किया हो, उनके पापों से क्षमा के लिए, इसे बाईबल में ढूंढे। उन्होंने कभी भी नहीं किया। और हर एक व्यक्ति, कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें किस तरह का बपतिस्मा दिया गया था, उन्हें आना था और, फिर से बपतिस्मा लेना था, "यीशु मसीह," के नाम में, पवित्र आत्मा को पाने के लिए।

258 प्रेरितो के काम 19, "पौलुस इफिसुस के ऊपरी तट से होकर गुजरा, वो वहां कुछ चेलो से मिलता है।" उसने कहा, "चेले।" उनकी एक बड़ी सभा हो रही थी। वे अपुल्लोस नामक एक व्यक्ति का अनुसरण कर रहे थे, जो एक परिवर्तित व्यवस्थापक था; एक बैपटिस्ट जो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले पर विश्वास करता था, और वचनों के द्वारा साबित कर रहा था कि यीशु ही वो मसीह था।

259 पौलुस वहां से गुजरा और एक्विला और प्रिस्किल्ला को देखा, वचन के 18 वें अध्याय में। और फिर उसने वहां जाकर एक्विला और प्रिस्किला के साथ रात्रि भोज किया, या ऐसा ही कुछ और। उन्होंने उसे इस महान पुरुष के बारे में बताया। वे उससे सुनने के लिए गए। उसने उस रात को उसको सुना। उसने कहा, "वो बिल्कुल सही है। यह बहुत अच्छी बात है। यह अच्छा है। लेकिन," कहा, "क्या तुम ने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया? "

260 तुम वहां पहले के बेचारे बैपटिस्टो बारे में क्या है, जो विश्वास करते हैं कि *जब* आप विश्वास करते हैं तो आप पवित्र आत्मा को पाते हैं?

उसने कहा, "क्या तुम ने विश्वास करते *समय* पवित्र आत्मा पाया? "

किसी ने कहा, "उस में ऐसा नहीं लिखा था।"

261 मैं इसे चुनौती देता हूं। मेरे पास यहां पर प्रामाणिक यूनानी है, इब्रानी भी है। बाईबल यूनानी में कहती हैं, और दोनों में, इब्रानी, और अरेबिक में भी। उन सारे तीनों में, मैंने उन्हें ठीक यहां पर रखा है, कहता है कि, "क्या तुम ने विश्वास करते *समय* पवित्र आत्मा पाया? " यह सही है। "क्या तुम ने विश्वास करते *समय* पवित्र आत्मा पाया? "

262 अब, उसने कहा, "हम नहीं जानते कि कोई पवित्र आत्मा है या नहीं।"

फिर उसने कहा, "तुमने किसका बपतिस्मा लिया था? "

263 उन्होंने कहा, "हम पहले से ही उस मनुष्य के द्वारा बपतिस्मा ले चुके हैं जिसने प्रभु यीशु मसीह का बपतिस्मा किया था। हमने यूहन्ना के बपतिस्मे के निमित बपतिस्मा लिया, " शायद पानी का वही कुंड, "वही मनुष्य।"

264 पौलुस ने कहा, "यह काम नहीं करेगा। उसने केवल पश्चाताप के निमित बपतिस्मा लिया, पापों की क्षमा के लिए नहीं।"

265 अब, आपमें से कुछ वननेस के लोग यहां के लोग आकर और—और गलत बपतिस्मा को लेते हैं। आप उद्धार के लिए उस बपतिस्मा को लेते हैं। पानी एक मनुष्य को नहीं बचाता है; ये तो लहू है, पश्चाताप है। ना ही बपतिस्मा के जरिये से फिर से उत्पन्न करना। नहीं श्रीमान। फिर से उत्पन्न करना आत्मा के द्वारा आता है। बपतिस्मा तो एक—एक बाहरी रूप से व्यक्त करना है जो फिर से उत्पन्न के अंदरूनी कार्य का है, जिसे किया गया है। समझे? तो ठीक है। ध्यान दे।

266 उसने कहा, "क्या तुम ने विश्वास करते समय पवित्र आत्मा पाया? " उन्होंने कहा...

उसने कहा, "हम नहीं जानते कि कोई पवित्र आत्मा है या नहीं।"

उसने कहा, "तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ? "

कहा, "हमने यूहन्ना के निमित बपतिस्मा लिया।"

267 उन्होंने कहा, "यूहन्ना ने वास्तव में पश्चाताप करने के निमित बपतिस्मा लिया, पश्चाताप के लिए, यह कहते हुए कि 'तुम्हे उस पर विश्वास करना चाहिए, ' वो मेम्ना, उस बलिदान को आना था, प्रभु यीशु मसीह पर।" और जब उन्होंने यह सुना, तो उन्होंने यीशु मसीह के नाम पर फिर से बपतिस्मा

लिया था। और पौलुस ने उन पर हाथ रखा और उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया, और अन्य जुबान में बात की और भविष्यवाणी को किया।

268 मुझे बताये कि यह वचन नहीं है, और मुझे कहीं से भी दिखाये कि किसी को कभी भी नए नियम में किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा दिया गया था, प्रभु यीशु मसीह के नाम के आलावा। मुझे दिखाये।

269 संत अगबस और बहुत से, वहाँ पर दूसरे थे, जिन्होंने वहां आगे बपतिस्मा लिया था, निसिया परिषद के—के—के समय तक, और उनमें से हर एक जन ने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया। मिशनरियों ने यीशु मसीह के नाम के साथ खेतों की कटनी की।

270 लेकिन जब निसिया परिषद आया, तो उनके पास तीन परमेश्वर होने थे। उन्होंने पौलुस को लिया... या जुपीटर को नीचे ले आए, और पौलुस को ऊपर रख दिया। उन्होंने वीनस को नीचे लिया, और मरियम को ऊपर रख दिया। उनके पास सभी प्रकार के परमेश्वर थे, सभी प्रकार के संत और अन्य सभी चीजें थीं, और एक त्रिएकता के बपतिस्मा को लिया और प्रोटेस्टेंटों को इसे सिखाया। और वे अभी भी इसे निगल रहे हैं।

271 लेकिन अब संध्या का उजियाला आ गया है। नबी ने कहा, "ये संध्या के समय में उजियाला होगा।"

ये—ये संध्या के समय उजियाला होगा,
महिमा का मार्ग तुम निश्चय ही पाओगे;
जल के पथ में, यही आज का उजियाला है,
यीशु के बहुमूल्य नाम में दफन हुआ।
जवान और बूढ़े, अपने सारे पापों का पश्चाताप करे,
पवित्र आत्मा निश्चय ही प्रवेश करेगा;
संध्या का उजियाला आ गया है,
यह एक सच है कि परमेश्वर और मसीह एक हैं।

272 आप इसे विश्वास करते हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] पतरस ने कहा, पेंटीकोस्ट के दिन पर, "यह जान लो, कि तुम जो इस्राएल के घराने हो, कि परमेश्वर ने उसी यीशु को बनाया, जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु और मसीह दोनों;" 2 रे अध्याय का 16 वां पद। जी हाँ। "परमेश्वर ने उसी यीशु को बनाया, जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु और मसीह दोनों। इस्राएल के सारे घरानो, निश्चय ही तू जान ले।"

273 ज्यादा समय नहीं हुआ एक यहूदी से बात की, यहां ऊपर दाऊद के घर पर, उसने कहा, "तुम अन्यजातियों परमेश्वर को तीन भागों में काटकर और एक यहूदी को नहीं दे सकते हो। हम इससे बेहतर जानते हैं।"

274 मैंने कहा, "बस यही है, रब्बी। हम परमेश्वर को तीन भागों में नहीं काटते।" मैंने कहा, "आप नबियों पर विश्वास करते हो? "

उसने कहा, "निश्चित रूप से।"

मैंने कहा, "क्या आप यशायाह 9: 6 पर विश्वास करते हो? "

उसने कहा, "जी हां।"

मैंने कहा, "नबी किसके लिए बोल रहा था? "

"मसीहा।"

मैंने कहा, "मसीहा का परमेश्वर से क्या संबंध होगा? "

उसने कहा, "वह परमेश्वर होगा।"

मैंने कहा, "यह सही बात है।" आमीन।

देखिये, आप वहीं पर हैं। देखिये, आप उसे तीन भागों में नहीं काट सकते।

275 यदि आप जो यहां मिशनरी है... उनमें से एक यहां यहूदियों के पास जा रहे है, मुझे सोचता हूं, वो मनुष्य *यहां* पर बैठा हुआ है। आप कभी भी यहूदी को "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" देने की कोशिश ना करे। वह आपको तुरंत ही बताएगा, वह जानता है कि यह कहां से आया है, "निसियन परिषद से।" वह इसे नहीं सुनेगा। लेकिन आप उसे देखने दे कि परमेश्वर देहधारी कहाँ हुआ था, और वो वहां पर एक मात्र परमेश्वर है। परमेश्वर, मनुष्य के रूप में देहधारी हुआ और हमारे बीच रहा था, हमें पवित्र करने के लिए; उठा लिया गया, जिससे वह खुद पवित्र आत्मा के रूप में आ सके। परमेश्वर, पिता, पवित्र आत्मा, एक ही व्यक्ति है।

276 बाईबल ने कहा, यीशु मसीह की वंशावली में—में, मत्ती के 1 अध्याय में, इसने कहा, "अब्राहम से इसहाक उत्पन्न हुआ। इसहाक से याकूब उत्पन्न हुआ।" और आगे, कहा, और फिर... मुझे इसे पढ़ने दे, और उसके बाद अब आप जान जाओगे कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। मत्ती, 1 अध्याय। और हम... अब 18 पद पर आरंभ करते हैं।

अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब... उस की माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उन के इकट्ठे होने के पहिले से वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई...

277 "'पिता वो परमेश्वर'?" क्या यह इस तरह से पढा जाता है? [सभा कहती हैं, "नहीं"—सम्पा।] वो एक बालक किसका पाया गया था? ["'उस पवित्र आत्मा का।'"]... [टेप पर रिक्त स्थान।] मैंने सोचा था कि परमेश्वर वो पिता उसका पिता था? तब, परमेश्वर, पिता और पवित्र आत्मा, एक ही आत्मा है, या उसके दो पिता थे।

सो उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था... ना ही इच्छा से और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था... उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की।

लेकिन जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा; हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से मत डर... क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह...

278 "'परमेश्वर वो पिता'"? हूंह? [सभा कहती हैं, "नहीं। 'वो पवित्र आत्मा।'"—सम्पा।] "पवित्र आत्मा।" तब यीशु मसीह का पिता कौन था? ["पवित्र आत्मा।"] पवित्र आत्मा। वो तुम में क्या है? ["पवित्र आत्मा।"] तो ठीक है, यही परमेश्वर है, वो पिता भी है। क्या नहीं है? ["आमीन।"] बिल्कुल।

वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना...

279 *यहां* वो परमेश्वर पिता है, *यहां* परमेश्वर वो पवित्र आत्मा है, और *यहां* परमेश्वर पुत्र है, देखो, यह तो तीन परमेश्वर हैं। बाईबल ऐसा नहीं कहती है। इस दो को एक ही होना है, या तो उसके दो पिता हैं। समझे? उसके दो पिता नहीं हो सकते है। आप यह जानते हैं।

अब *वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना; क्योंकि वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा।*

अब *यह सब कुछ इसलिये हुआ, कि जो वचन प्रभु ने भविष्यव्यक्ता के द्वारा कहा था; वह पूरा हो।*

... देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिस का अर्थ यह है, परमेश्वर हमारे साथ।

280 यह मत्ती का पहला अध्याय है।

281 मत्ती 28:19, जहाँ यीशु ने कहा, "जाकर, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो।" पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा का नाम क्या है? [सभा कहती हैं, "यीशु मसीह।"—सम्पा।] यीशु मसीह, बिल्कुल।

282 आप एक प्रेम कहानी को पढ़ते है, जो कहती है, "जॉन और मैरी उसके बाद हमेशा खुश रहते थे।" जॉन और मैरी कौन है? कहानी के पहले भाग पर वापस जाकर, और पता करें।

283 यदि ऐसी कोई चीज नहीं है, कोई नाम नहीं है, "पिता, पुत्र, या पवित्र आत्मा," तो कौन है, ये किसका नाम है? वापस जाकर, कहानी के पहले भाग पर, और देखे कि वह किसके बारे में बोल रहा था।

284 पेन्टीकोस्ट के दिन पतरस ने कहा, "तुम में से हर एक पश्चाताप करो, और पापों के क्षमा के लिए 'यीशु मसीह' के नाम में बपतिस्मा लो।" उसके पास प्रकाशन था।

यूहन्ना के पास प्रकाशन था।

285 यीशु वो प्रकाशन *था,* उसने खुद को ठीक यहां वचन में प्रस्तुत किया, "मैं वो हूं जो था, जो है, और आने वाला है, वो सर्वशक्तिमान।" व्यूह! तो ठीक है।

286 अब, 7 वे पद को देखेंगे, अब जल्दी से, क्योंकि हमें जल्दी से निकलना हैं, बस जितना जल्दी हम कर सकते हैं।

... वो सर्वशक्तिमान।

... परा... महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।

और... हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये... याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।

287 उस प्रकाशन को देखें, यह कैसे प्रकट हुआ? कैसे परमेश्वर... पुरुष अपने सिर को खरोंचते हैं और अपने बालों को नोचते है, और इत्यादि,

यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" क्या है, एक में तीन को बनाते हैं।

अपने बालों को न नोचे और न अपने सिर को खरोंचें। केवल ऊपर देखे। प्रकाशन ऊपर से आता है। और यह सही बात है। वो प्रकट करेगा, ये कोई "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" नहीं है। यह तो तीन कार्य करने के स्थान हैं जिनमें एक परमेश्वर रहता है।

288 ये कार्य करने के स्थान (ऑफिस) में था, वो "आत्मा," स्वयं से, क्योंकि मनुष्य जाति अपने स्तर से नीचे गिर रही है। तब उसने खुद के लिए एक शरीर को बनाया, उसमें रहा, अपने खुद के लहू का उत्पादन करने के लिए; ना ही यौन संबंध के द्वारा, जैसे कि ये अदन के बगीचे में था, लेकिन एक रचनात्मक शरीर का उत्पादन किया था। और उस कुँवारी से जन्मे देह के जरिये से, उसने एक ऐसा लहू दिया जिसने हमें पवित्र किया और हमें हमारे अविश्वास से आजाद कर दिया, ताकि उस पर विश्वास करे। तब, हम ऐसा करते हैं, हम उसे अपने हृदय में ग्रहण करते हैं, यही हम में परमेश्वर होता है; परमेश्वर: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। समझे? बिल्कुल जैसे नबी, याजक और राजा, यह बिल्कुल उसी तरह ही बात है। तो ठीक है।

289 अब, 7 वां पद, यह घोषणा है। यह घोषणा है:

> *देखो, वह बादलों के साथ आने वाला है; और हर एक आंख उसे देखेगी... वरन जिन्हों ने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे।*

290 ओह! हमारे पास कितना समय है? यह वहां सुंदर है। क्या आप कुछ और समय को दे... बीस मिनट का समय दे सकते हैं? [सभा कहती हैं, "हाँ।"—सम्पा।] क्या आप दे सकते हैं? ["आमीन।"] तो ठीक है। अब, फिर, कल... आज रात को, हम बाकी को *पतमुस के दर्शन* में जानने की कोशिश करेंगे, आज रात को। आज, हम घोषणा पर समाप्त करेंगे।

291 ओह! क्या आपको अच्छा महसूस हो रहा है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] आप इस पुरानी बाईबल से प्रेम करते हैं? ["आमीन।"] यह प्रकाशन है। क्या, ये क्या है? परमेश्वर इस किताब में उतर कर आता है, और पर्दे को हटाता है, कहता है, "वहां है वो: नबी,

याजक, राजा; पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा; वह था, वो है, और आने वाला है। ये सारी चीजें, ये परमेश्वर है।"

292 अब, आइये पर्दे को हटाये, बस अब कुछ मिनटों के लिए, परमेश्वर हमारी सहायता करे, हमारी आँखों से पर्दे को उठाये। और...

देखो, वह बादलों के साथ आता है;...

293 अब, वो कैसे आ रहा है? "बादल के साथ।" किस प्रकार का बादल? महिमा के बादल। इन में एक भी गरजने वाला बादल नहीं, ना बारिश का बादल, लेकिन महिमा के बादल।

294 आप देखेंगे कि किस तरह का बादल जिसे वो ओढे हुए था, जब पतरस और उन लोगो ने रूपांतरण के पहाड़ पर उसके दर्शन को देखा, एक बादल उस पर छाया किये हुए था। उसके वस्त्र उज्ज्वल हो गये। वह एक बादल को ओढे हुए था, जो परमेश्वर की सामर्थ थी।

295 ओह, हम यहां उन कलीसिया युगों पर जायेंगे। मैं आपको बता रहा हूं, यह बस—बस इसे सोचने पर मेरे सब से अंदरूनी भाग में जागरूकता आ जाती है। जो उसका आगमन... मैं इस दिन को देखता हूं कि हम जिसमें रह रहे हैं, जहां कुछ भी नहीं है, कोई आशा नहीं बची है, सिवाय उसके आगमन के।

296 अब हम जल्दी से इसे ले लेंगे। अब याद रखना।

... हर आंख उसे देखेगी...

297 अब, तब यह रेपचर नहीं था। क्या था? [सभा कहती हैं, "नहीं।"—सम्पा।] देखा? रेपचर नहीं था। यह रेपचर नहीं था। वह किसके लिए बोल रहा था? उसके दूसरे आगमन के लिए।

... वरन जिन्हों ने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे।

298 अब हम वापस जाकर और कुछ इतिहास को देखेंगे। आइये हम जकर्याह में वापस जायेंगे, और जकर्याह का 12 वां अध्याय लेंगे। जकर्याह। तो ठीक है।

299 "और प्रभु को प्रतिदिन कलीसिया में जोड़ता है जैसे कि बचा लिये जाये।" यीशु मसीह के अच्छे प्रकाशन के लिए हम कितने धन्यवादित हैं! क्या आप उसके लिए खुश नहीं हैं? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—

सम्पा।] अब, हम इसमें जायेंगे जो किताब के रूप में है जितना जल्दी संभव हो सकता है इसे करेंगे, लोगों के लिए, और उसके बाद आपके पास ये किताब हो सकती है, इस किताब को आपके अपने कमरे की शांति में पढ़ सकते है और इत्यादि, और इसका अपने आप से अध्ययन कर सकते है। तो ठीक है।

300 जकर्याह, वो जकर्याह, अब जकर्याह का 12 वां अध्याय। और हम चाहते हैं, अब इसे वास्तव में प्रार्थनापूर्वक लें। और मैं इसे परमेश्वर की महिमा के लिए लेना चाहता हूं। अब, जकर्याह 12, आइये 9 वें पद पर आरंभ करते हैं। अब ध्यान से सुनना। वो आगमन के लिए बोल रहा है। जकर्याह 12, और हम 9 वें पद पर आरंभ करेंगे।

और उस समय होगा...

जकर्याह, भविष्यवाणी कर रहा है, मसीह के आगमन से चार सौ सत्यासी वर्ष पहले।

और उस समय मैं उन सब जातियों को नाश करने का यत्न करूंगा... जो यरूशलेम पर चढ़ाई करेंगी। (इसे सोचे।)

और मैं दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर अपना अनुग्रह करने वाली और प्रार्थना सिखाने वाली आत्मा उण्डेलूंगा, तब वे मुझे ताकेंगे अर्थात जिसे उन्होंने बेधा है...

301 अब, सुसमाचार कब यहूदियों के पास वापस लौटता है? जब अन्यजातियों के दिन समाप्त हो जाते है, सुसमाचार तैयार है, यहूदियों के पास जाने के लिए। ओह, मैं कर सकता, यदि मैं बस आगे होने वाली बातों को आपको थोड़ा कुछ बता सकता था जो कि ठीक यहां होने पर है, देखिए, ठीक इस दिन में। आप समझे? यह होना तय है। हम इसे कलीसिया युग में लेंगे। और यह महान बात जो घटित होने के लिए तय है, जो प्रकाशितवाक्य 11 तक ले जाएगी और उन दो नबियों को उठाएगी, एल्लियाह और मूसा जो यहूदियों के लिए फिर से वापस जा रहे है। हम इसके लिए तैयार हैं। हर एक चीज क्रम में रखी हुई है, बस तैयार है। यह अन्यजातियो का संदेश, जैसा कि यहूदियों ने इसे अन्यजातियों के लिए लाया, अन्यजाति इसे फिर से ठीक यहूदियों के पास वापस ले जायेंगे। और रेपचर हो जाएगा।

302 अब याद रखना, यह यहां पर आता है, महासंकट के बाद... कलीसिया महासंकट में से होकर नहीं जाती है। हम यह जानते हैं। बाईबल ऐसा कहती है। देखा? तो ठीक है।

303 अब, वो इस्राएल के घराने पर उंडेल देगा (क्या?) उसी पवित्र आत्मा को, अन्यजाति कलीसिया के चले जाने के बाद।

> *... तब वे मुझे ताकेंगे अर्थात जिसे उन्होंने बेधा है, और उसके लिये ऐसे रोएंगे जैसे एकलौते पुत्र के रोते–पिटते है और ऐसा भारी शोक करेंगे, जैसा पहिलौठे के लिये करते हैं।*
>
> *उस समय यरूशलेम में... इतना रोना पीटना होगा... जैसा मगिद्दोन की तराई में हदद्रिम्मोन में—में... हुआ था।*
>
> *और—और सारे देश में विलाप होगा, हर एक परिवार में अलग अलग, अर्थात दाऊद के घराने का परिवार अलग, और उनकी स्त्रियां अलग; नातान... के घराने का परिवार अलग, और उनकी स्त्रियां अलग,* (जब वे देखेंगे, क्या होगा, क्या बात जगह लेगी जब वह महिमा के बादलों में आएगा, उसकी दूसरी उपस्थिति में।)

304 और जब उन यहूदियों ने जो उन्हें छेदा है... आप जानते हैं, एक और वचन कहता है कि वे उनसे पूछेंगे, उसे ये घाव कहाँ से मिले।

उसने कहा, "मेरे मित्र के घराने में।"

305 और ना ही केवल यह यहूदियों के लिए एक शोकपूर्ण समय होगा जिन्होंने उसे मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया, लेकिन यह उनके लिए एक शोकपूर्ण समय होगा, उन अन्यजातियों के लिए जो यहां पीछे बचे हुए है, जिन्होंने स्वीकार... जिन्होंने उसे इस दिन पर अपने मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया है। वे विलाप करेंगे और रोते रहेंगे। सोई हुई कुंवारी विलाप करेगी। यही वो कलीसिया है जिसने उसके उजियाले में तेल लेने से अस्वीकार कर दिया था। वहां दस कुंवारीयां निकल पड़ी, सारे अच्छे लोग थे, लेकिन उनमें से पाँच के दीयों में तेल थे। दुसरे पाँच अच्छे लोग थे, भले लोग थे, लेकिन वे अपने दीयों में तेल लेने में असफल रहे। "और उन्हें बाहर अंधकार में डाल दिया गया, जहां विलाप करना, रोना, और दांतों का पिसना होगा।"

306 यहां है यह, "वे विलाप करेंगे।" बाईबल ने यहां कहा, "वे विलाप करेंगे, उनका ह्रदय इतना टुटा हुआ होगा, इतना तक कि... "

307 यहां, मैं आपको एक और बात बताऊंगा, उत्पत्ति 45, यदि आप उसे लेना चाहते हैं। आइए इसे लेंगे बस कुछ क्षण के लिए और और इसे उत्पत्ति में भी पढ़ेंगे... मैं सोचता हूं, उत्पत्ति के 45 वें अध्याय में। मैं यहां इसे लेना चाहता हूं, युसूफ जो अपने लोगों को—अपने लोगों को खुद को प्रकट कर रहा है। और हम इसे ले लेंगे, बस ये दिखाने के लिए वे—वे प्रतिछाया थी कि उस दिन में क्या बात जगह लेने वाली है, तब हम इसे एक साथ जोड़ देंगे।

तब यूसुफ उन सब के साम्हने, जो उसके आस पास... खड़े थे, अपने को और रोक न सका; और पुकार के कहा, मेरे आस पास से सब लोगों को... बाहर कर दो।

308 अब याद रखे, यूसुफ, अपने आप को ज्ञात करवाते हुए, वह रोया, "सब लोगों को मेरे सामने से बाहर कर दो।"

भाइयों के साम्हने अपने को प्रगट करने के समय यूसुफ के संग और कोई न रहा।

तब वह चिल्ला चिल्लाकर रोने लगा और मिस्रियों ने सुना, और फिरौन के घर के लोगों को भी इसका समाचार मिला। (वह अवश्य ही चिल्लाया होगा।)

तब यूसुफ अपने भाइयों से कहने लगा, मैं यूसुफ हूं, क्या मेरा पिता अब तब जीवित है? इसका उत्तर उसके भाई न दे सके, क्योंकि वे उसके साम्हने घबरा गए थे।

फिर यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा, मेरे निकट... आओ, मैं तुमसे विनती करता हूं। यह सुनकर वे निकट गए। फिर उसने कहा, मैं तुम्हारा भाई यूसुफ हूं, जिसको... जिसे—जिसे तुम ने मिस्र आनेहारों के हाथ बेच डाला था।

अब तुम लोग मत पछताओ, और तुम ने जो मुझे यहां बेच डाला, इस से उदास मत हो; क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हारे प्राणों को बचाने के लिये मुझे आगे से भेज दिया है। (ओह, कितना सुंदर है!)

क्योंकि अब दो वर्ष से... इस देश में अकाल है; और... अब पांच वर्ष और ऐसे ही होंगे, कि उन में न तो हल चलेगा और न अन्न काटा जाएगा।

सो परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे इसी लिये भेजा, कि तुम पृथ्वी पर जीवित रहो, और तुम्हारे प्राणों के बचने से तुम्हारा वंश बढ़े।

309 मैं बस अब इसे ले लूंगा और इसे जकर्याह 12 के साथ तुलना करूंगा, बस कुछ क्षण के लिए। अब, हम यह जानते हैं, प्रतिछाया में। यदि आप प्रतिछाया में सिखाते है, तो आपको हमेशा ही सही बात मिल जाएगी, मैं सोचता हूं, प्रतिछाया में—में।

310 अब, यूसुफ, जब उसने जन्म लिया था, तो उसे अपने भाइयों के द्वारा घृणत किया गया था। क्या यह सही है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] अब मैं आपको दिखाना चाहता हूं, यूसुफ आत्मा से भरी कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है। युसूफ को अपने भाइयों के द्वारा घृणत किया गया था। क्यों? क्योंकि वह आत्मिक था। यूसुफ, कोई सहायता नहीं कर सकता था क्योंकि वो दर्शन को देख सकता था। वह सहायता नहीं कर सकता था, क्योंकि वह सपनो को देखता था, और सपने का अनुवाद कर सकता था। वो, यही था जो उसमें था। वह कुछ और प्रदर्शित नहीं कर सकता था सिवाय उसके जो उसमें था। तो ठीक है, तो, उसके भाईयों ने उससे घृणा की, बिना किसी कारण के। लेकिन उसके पिता ने उससे प्रेम किया था, क्योंकि उसका पिता एक नबी था।

311 देखा कि यह बात यीशु के साथ किस तरह से थी? परमेश्वर ने अपने पुत्र से प्रेम किया। लेकिन भाइयों ने, फरीसियों और सदूकियों ने उससे घृणा की, क्योंकि वह बीमारों को चंगा कर सकता था, और होने वाली बातों को पहले से बता सकता था, और दर्शनो को देखता था, अनुवाद को कर सकता था। समझे मेरा क्या अर्थ है? "उन्होंने उससे बिना किसी कारण के घृणा की थी।"

312 और उन्होंने युसूफ के साथ क्या किया? उन्होंने नाटक को किया कि वह मर चुका है, और उन्होंने उसे खड्डे में फेंक दिया। लहूलुहान वस्त्र को लिया, जो सात रंगों का था, जिसे उसके पिता ने...

313 वहां मेघधनुष में केवल सात रंग होते हैं। और मेघधनुष, हम यह जानते है, कि हम इसे थोड़ी देर बाद ले लेंगे, मैं सोचता हूं, आज रात को। यहां

उस पर मेघधनुष था, यीशु, जहाँ, "वह यशब और मानिक पत्थर, और एक मेघधनुष सा दिखाई पड़ता है।" एक मेघधनुष एक वाचा है।

314 और यह यूसुफ पर परमेश्वर की वाचा थी। और फिर उन्होंने उसके वस्त्र पर लहू को लगाया और उसे पिता के पास वस्त्र को वापस ले गए। और वो मरने वाला था। और...

315 लेकिन उसे खड्डे से बाहर निकाला गया था और उसे एक—एक... फिरौन को बेच दिया गया, मिस्र में किसी को तो बेचा गया और एक—एक सेनापति ने उसे रख लिया। जब उन्होंने ऐसा किया, तो उसके विरोध में एक गलत बात ऊपर आई, और उसे जेल में डाल दिया। और वहाँ उसने भविष्यवाणी की, और दो व्यक्तियों को बताया कि वो एक कहाँ जाएगा और दूसरा एक कहाँ पर जाएगा; पिलानेहारा और पकानेहारा, उनके सपने के हिसाब से।

316 और फिर उसे वहाँ से ऊँचा किया गया था, फिरौन के दाहिने हाथ की ओर। और कोई भी मनुष्य फिरौन को नहीं छू सकता था, केवल यूसुफ के जरिये से। [टेप पर रिक्त स्थान—सम्पा।]

317 यह क्या। अब... जब यूसुफ को तब मिस्त्रियो के लिए बेच दिया गया था। और, देखो, उसने जो कुछ किया वह मसीह की प्रतिछाया थी। इस पिलानेहारा और पकानेहारा को देखे, और उन दोनों के पास सपने थे। और यीशु, जब वह उसके कैद खाने में था। याद रखना, यूसुफ कैद में था। और जब यीशु उसके कैद खाने में था, (कैसे?) एक क्रूस पर कीलो से टंगा हुआ, वहां पर एक बचाया गया था और एक नष्ट हुआ था। यूसुफ, जब वो उसके कैद में था, एक को बचा लिया गया था, एक नष्ट हुआ था।

318 और ध्यान देना। तब बाद में यीशु को क्रूस पर से उठा लिया गया था, वह स्वर्ग में उठा लिया गया, और उस महान आत्मा, यहोवा के दाहिने हाथ में बैठता है। "बिना मेरे कोई भी मनुष्य परमेश्वर के पास नहीं आ सकता है।" ना ही कोई मरियम तेरी*जय,* न ही *यह* धन्य हो, या *वो* धन्य हो के जरिये से। लेकिन, यीशु मसीह के जरिये से, "जो परमेश्वर और मनुष्य के बीच एकमात्र बिचवाई है," वो बहुमूल्य देह जिसमें से होकर परमेश्वर ने हमारे बीच में वास किया, जिसने परमेश्वर का नाम लिया। और परमेश्वर ने मनुष्य का नाम लिया। परमेश्वर ने लिया...

319 यहां देखना। आरंभ में, जब आदम... मैं बस उस से दूर नहीं जा सकता। ऐसा दिखाई देता है कि कोई तो इसे नहीं समझ रहा है, कही पर तो। देखो। आरंभ में... मैं आपको फिर से कुछ तो दिखाऊंगा। पवित्र आत्मा मुझे ऐसा करने के लिए आज्ञा दे रहा है। मैं एक मिनट के लिए अपना विषय छोड़ रहा हूं। जब महिमा में पहली खबर मिली, कि पुत्र खो चूका था, वो आदम, क्या परमेश्वर ने एक दूत को भेजा? क्या उसने पुत्र को भेजा? क्या उसने किसी और को भेजा? वह स्वयं आया, ताकि अपने खोए हुए पुत्र को छुड़ाये। हाल्लेलुय्या! परमेश्वर ने इसका किसी पर भरोसा नहीं किया, सिवाय खुद के। परमेश्वर देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया, और उसने स्वयं मनुष्य को छुड़ाया। यह... "हम बचाये गये हैं," बाईबल ने कहा, "परमेश्वर के लहू के द्वारा।" मरणहार, परमेश्वर... अमरहार परमेश्वर, मरणहार बन गया था, जिससे कि पाप को दूर करे, खुद मेमना बन जाये; ताकि महिमा में प्रवेश करे, पर्दा हुआ, और उसके सामने अपने स्वयं के लहू के साथ हो, पर्दे के उस पार।

320 अब, यूसुफ, वहां मिस्र में चला जाता है। और वहाँ उसे कैद से निकाल कर ऊँचा किया गया, फिरौन के दाहिने हाथ पर, और उसे कार्यवाहक बनाया गया। और यूसुफ के दिनों में सब कुछ फलने–फूलने लगा था।

321 अब, जब यीशु वापस आता है, यहां तक रेगिस्तान भी गुलाब की तरह खिल उठेगा। वह फलने–फूलने का पुत्र है, यूसुफ की प्रतिछाया।

322 उन्होंने यूसुफ को डाल... सेनापति ने उसे अपने घर में रखा था, उसने जो कुछ किया, वह फलने–फूलने लगा। उन्होंने उसे जेल में डाला, और सारा जेल फलने–फूलने लगा। उन्होंने जो कुछ भी किया, वह फलने–फूलने लगा। और जब वह फिरौन के पास ऊंचा उठाया गया, सबसे ऊपर, फिरौन के पास, हर एक चीज मिस्र में, संसार में हर किसी से ऊपर बढ़ने लगा।

323 जब वो लौटता है, तो यह फलने–फुलने वाला देश होगा। पुराने रेगिस्तान खिल उठेंगे, और हर स्थान पर अन्न होगा। और हम, हर एक जन, हमारे खुद अपने ही अंजीर के पेड़ के नीचे बैठ सकते हैं, और हंस सकते हैं और आनन्दित हो सकते हैं, और हमेशा के लिए उसकी उपस्थिति में रह सकते हैं, जब वह राजा के नाई वापस आएगा।

324 वो मनुष्य का पुत्र था, नबी। आमीन। वो मनुष्य का पुत्र था, बलिदान, याजक। वह मनुष्य का पुत्र है, राजा के नाई, दाऊद का पुत्र जो वैभव के सिंहासन पर बैठा हुआ है। मनुष्य का पुत्र, वह... परमेश्वर मनुष्य का पुत्र के नाई में प्रकट हुआ। वह नीचे उतर कर आता है और मनुष्य बनता है, ताकि पापों को संसार से से दूर लेकर जाये। वो मनुष्य बनता हैं, एक नबी के नाई। वो मनुष्य बनता हैं, एक याजक के नाई। वो मनुष्य बनता हैं, राजा के नाई; स्वर्ग का राजा, संतों का राजा, अनन्त राजा; हमेशा ही राजा था, हमेशा राजा रहेगा, वो अनन्त राजा है।

325 अब ध्यान देना, फिर, यूसुफ। युसूफ के आगे जाने से पहले, वे पहले तुरही को बजाते थे। और लोग चिल्ला उठते, "यूसुफ के लिए घुटने टिकाओ।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि एक मनुष्य क्या कर रहा था, वह रास्ते पर कुछ सामान को बेच रहा होता था, जब वो तुरही की आवाज़ होती वो अपने घुटने को झुका देता। एक मनुष्य बस लगभग पहुंचने पर होता और अपने पैसे को लेने पर होता, लेकिन वो अपना घुटना झुका देता, युसूफ आ रहा था। ओह! नाट... नाटककार लगभग अपने नाट्य को करने के लिए तैयार होता, और तो उसे क्या करता पड़ता था? उसे रुकना पड़ता था। "यूसुफ आ रहा है।" तुरही बज उठती।

326 इन दिनों में से एक, हर एक चीज, यहां तक कि समय भी, रुक जायेगा। "जब परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और मसीह में जो मरे है वो जी उठेंगे, और सुबह वो अनन्तता में खुलेगी, उज्ज्वल और साफ।" हर एक चीज घुटने टेक देगी। "हर एक घुटना झुकेगा, और हर जीभ इसे अंगीकार करेगी।"

अब आरंभ करे। "कुछ मनुष्यो के पाप पहले जाते है, कुछ के बाद में।"

327 लेकिन अब ध्यान दें कि किस बात ने जगह ली। कितना महिमामय है! जब यूसुफ... उसके अन्यजाति से विवाह करने के बाद, उसका एक परिवार हुआ, एप्रैम और मनश्शे, जो उसके पुत्र हुए थे। क्या आपने अंत में ध्यान दिया? जब यूसुफ... याकूब ने एप्रैम और मनश्शे को आशीष देने लगा। जब उसने वो अपने हाथ को रखने लगा, तो उसने एप्रैम को दाईं ओर, मनश्शे को बाईं ओर रखा, ताकि दाहिने हाथ से बड़े को आशीष दे सके। लेकिन जब उसने प्रार्थना करना आरंभ किया, तो उसके हाथ घुम

गए, और उसने छोटे को दाहिने हाथ से आशीष दी बजाय उस एक को जो उसके दाहिना हाथ पर था।

328 और यूसुफ ने कहा, "ऐसा नहीं है, पिता।" कहा, "आपने एप्रैम के बजाये मनश्शे को आशीषें दे दी।"

और उसने कहा, "परमेश्वर ने मेरे हाथ को घुमा दिया।"

329 क्या? यहूदियों में से, जो बड़ा था, जो परमेश्वर का पहला चुना हुआ था, क्रूस के जरिये से अन्यजातियों पर आशीष वापस आती है। आशीष क्रूस के जरिये से आती हैं, यहूदी से अन्यजातियों के लिए। अस्वीकार कर दिया, उन्होंने क्रूस को अस्वीकार कर दिया, इसलिए उसके पास अन्यजाति की दुल्हन है।

330 अब जब यूसुफ, इससे पहले, जब उसने... अपने भाइयों के बारे में सुना था, जो... वे कई वर्षों से, वे संगती से बाहर रहे थे, जो यहूदी है।

331 अब देखो। हम जकर्याह के पास वापस जा रहे हैं, जहाँ वे शोक करते, विलाप कर रहे हैं, और शोक मनाते हैं। और यहां तक कि वे परिवार खुद को दुसरे परिवारों से अलग करेंगे, बाहर जाकर, कहते है, "हमने इसे कैसे किया? हम भला इसे कभी कैसे कर सकते थे? " जब वे कहते, "तुम्हे वे घाव के निशान कहाँ से मिले, वे घावो के निशान जो हाथों में हैं? " यहां तक कि जिन लोगों ने उसे छेदा। "वह बादलों में आयेगा। और वे उसे देखेंगे, यहां तक कि वे लोग भी, जिन्होंने उसे छेदा था। और हर एक घराना शोक करेगा, और वे विलाप करेंगे।" वे नहीं जानते कि क्या करे।

332 और जब यूसुफ... आप कहानी को जानते हैं। जब उसने अपने भाईयो को देखा, और उसने ऐसा दिखाया कि वह इब्रानी भाषा को नहीं बोल सकता, और उसका अनुवादक करने के लिए अनुवादक को लिया। और उसने ऐसा अभिनय किया कि वो इब्रानी नहीं बोल सकता; लेकिन वह जानना चाहता था। और इसलिए जब अत:, एक दिन, जब उन्होंने अपने छोटे भाई को लाया, तो क्या आपने ध्यान दिया? यह बिन्यामिन था जिसने युसुफ के प्राण को उत्तेजित कर दिया?

333 यह आज क्या है, यही उसके प्राण को प्रज्ज्वलित कर देगा, हमारे यूसुफ को, जो यीशु है? वो छोटी कलीसिया जो वहां नीचे ईरान में रही है, जिसने परमेश्वर की आज्ञाओं को थामे रखा। और ये एक नया जन्म पाए जुए लोग है जो फिलिस्तीन में इकट्ठा हुए थे, और फिर से लौटाए गये है। जो छह

कोनो वाला दाऊद का तारा है, जो संसार का सबसे पुराना झंडा है, एक राष्ट्र जो पिछले कुछ ही वर्षों में जन्मा है। वहां इस्राएल है।

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जागृत हो रहा है,
वो चिन्ह जो बाईबल ने पहले ही बताये;
अन्यजातियों के दिन गिने–चुने हैं, सतावट और उलझन से;
लौट आओ, ओ तितर–बितर हुए, अपनो के लिए।

छुटकारे का दिन, नजदीक है
डर के मारे, मनुष्यों को ह्रदय के दौरे पड़ रहे है; (बस इसे देखे, वे सारे नसों के रोगी हो गए हैं।)
आत्मा से भर जाये, अपने दीये की बाती को ठीक करे और साफ करे,
ऊपर देखो, तुम्हारा छुटकारा नजदीक है।

झूठे भविष्यव्यक्ता झूठ बोल रहे है, परमेश्वर के सत्य को वे इन्कार कर रहे हैं,
कि यीशु वो मसीह हमारा परमेश्वर है;
(महिमा! लेकिन प्रकाशन आ चूका है।)
इसलिए हम चलेंगे जहाँ प्रेरितों ने कदम को रखा, (ठीक उनके उसी स्थान पर।)

क्योंकि छुटकारे का दिन, नजदीक है
डर के मारे, मनुष्यों को ह्रदय के दौरे पड़ रहे है;
आत्मा से भर जाये, अपने दीये की बाती को ठीक करे और साफ करे,
ऊपर देखो, तुम्हारा छुटकारा नजदीक है।

334 ओह! ओह, यूसुफ, जब उसने उस छोटे बिन्यामिन को वहाँ पर खड़े हुए देखा! वही उसका छोटा भाई है। अब आप छोटे बिन्यामिन को देखते है... ? ... वहां उस ओर, वहाँ पर बैठा हुआ है? धरती की—की जातियां, यहूदियों की, वहाँ वापस लौट आयी है, जहां उनमें से एक लाख चौवालीस हजार वहाँ खडे हो जायेंगे, ताकि मसीह को स्वीकार करे, जब वे उसे आते हुए देखते हैं। वे कहेंगे कि, "देखो, यह हमारा परमेश्वर है जिसके लिए हम इंतज़ार में है।" फिर वे छिदा हुआ देखेंगे... "ये कहाँ से आए? "

उसने कहा, "मेरे मित्र के घराने में से।"

335 और वे विलाप करेंगे और वे रोयेंगे। और हर एक परिवार, दाऊद और नेप्थालिम और वे सारे, उनकी जातियां, वे अपने आप को अलग कर देंगे, हर एक परिवार, और जब वे उसे हवा में खड़ा हुआ देखते हैं, तो वे रोने लगेंगे, वो एक जिसे उन्होंने छेदा था।

336 उसका संदेश क्या होगा? देखो युसूफ ने क्या कहा। जब उसने कहा...

337 एक और बात देखना। जब यूसुफ उसके सामने संतानों को लाया गया, तो उसने उनकी तरफ देखा, उसने बिन्यामीन को देखा। उसने एप्रैम को देखा, उसने वहां के बाकी को देखा, गाद और उन सभी को देखा। और वे बारह गोत्र, तब वे दस जातियां उसके सामने खडी थी। उसने उन सभी को वहाँ खड़ा हुआ देखा। वो जानता था कि वे उसके भाई थे। और उसने सीधा छोटे बिन्यामीन की ओर देखा, उसका गला भर आया। वो जानता था कि वे उसके थे। उसने क्या कहा? "हर एक जन मुझे छोड़ कर चला जाये।" उसकी पत्नी और बच्चों का क्या हुआ? वे महल में चले गए।

338 अन्यजाति कलीसिया रेपचर पर कहाँ जायेगी? महल के अंदर। वो दुल्हन, हाल्लेलुय्या, वो दुल्हन पृथ्वी पर से रेपचर में उठा ली जाएगी। फिर जब वह वापस आता है, तो उसकी दुल्हन वहां नहीं होती है, जब वह अपने भाइयों को खुद को प्रकट करता है, यहूदियों को, जिन लोगों ने उसे छेदा था, जिन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया था।

339 लेकिन उसकी पत्नी और उसके प्रियजन, उसके करीबी मित्र, उसके—उसके अपने परमेश्वर के भेजे हुए सहभागी मंदिर में थे। और जब उसने देखा, उसने कहा कि वे... उन्होंने नहीं जाना। उन्होंने कहा, "ओह, ये महान राजकुमार!" वे एक से दूसरे कहना आरंभ करते हैं, ओह, उन चीजों के बारे में जिन चीजो को उन्होंने किया था।

340 मैं सोचता हूं कि यह एप्रैम था, या एप्रैम नहीं था, लेकिन मैं भूल गया कि यह अब कौन था, जिसने—जिसने कहा, "तो, हमें अपने भाई, युसूफ को नहीं मारना चाहिए था।" कहा, "तुम देख रहे हो, कि हमें वापस भुगतान करना पड रहा हैं।" रूबेन, रूबेन ने कहा, "हमें अपने भाई को नहीं मारना चाहिए था," उसने कहा, "क्योंकि, तुम देख रहे हो, हमने जो किया है उसके लिए हमें वापस भुगतान करना पड रहा हैं।"

341 और युसूफ वहाँ खड़ा हुआ था; उन्होंने सोचा नहीं था कि वह इब्रानी को समझ सकता है। लेकिन वो इसे जानता था।

342 कुछ सोचते है, बोल नहीं सकता... अन्य भाषा को समझ नहीं सकता है, लेकिन वह इसके विषय में सब जानता है। जी हाँ, वह जानता है। सोने के सिर में (पहला सिर है) अन्यजाति का राज्य, अन्य भाषा बोलने और अनुवाद के साथ आता है। पहले उस अन्यजाति के समय काल का अंत क्या हुआ? दीवार पर अन्य भाषा का हस्तलेख, और वहां एक मनुष्य इसका अनुवाद कर सकता था और बता सकता था कि यह क्या था। यह उसी तरह से होता आया है। आमीन। प्रवेश करता है और उसी तरह होता हुआ निकल गया।

343 उन्होंने सोचा कि वो उन अन्य भाषाओ को नहीं समझ सकता हैं जिसे वे बोल रहे थे, लेकिन वो इसे जानता था। उन्होंने कहा, "तुमने देखा कि हमें पास मिला? "

और तब युसुफ ने देखा कि उन्होंने जो किया है उसके लिए वे दुखित हैं।

344 अब उसने उनके दुःख को देखा और उसे अस्वीकार करने के लिए पछतावा है, सो उसके लिए अब उसका गला घुटने लगा था। वह अपने कलीसिया को धरती पर से बाहर निकालने के लिए तैयार है, उसे महिमा में ले जाने के लिए। बाद में वापस आता है, और तब धरती की सारी जातियां विलाप करेंगी।

345 उन्होंने क्या किया? रूबेन, उन सभी ने रोना आरंभ किया, उन्होंने कहा, "ओह! ओह!" वे डर गए और कहा, "यह तो वो ही है। अब हम जानते हैं कि हम इसी लिए अंदर हैं। अब वो हमें मार डालेगा। अब वह... हम जानते हैं कि हम ठीक अभी नष्ट हो जायेंगे, क्योंकि यह यूसुफ है जो हमसे इतने लंबे समय से दूर रहा हैं। युसुफ, हमारा भाई, अब हम वास्तव में इसी बात के लिए अंदर हैं।"

346 उसने कहा, "अपने आप पर क्रोधित मत हो जाओ। परमेश्वर ने जीवन को बचाने के लिए ने ऐसा किया।"

347 परमेश्वर ने क्या किया? यहूदियों ने यीशु को क्यों अस्वीकार किया? इसलिए कि हम अन्यजाति, सो, कि, वे लोग जिसे उसने अपने नाम के कारण बाहर बुलाया, परमेश्वर ने ऐसा किया ताकि अन्यजातियों की कलीसिया, दुल्हन का जीवन बच जाये।

348 वे सारी जातियां जिन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया, वे विलाप करेंगे। वे खुद को घने, और चट्टानों में और इत्यादि में छिपा लेंगे, कहते हुए, "छिपा लो, पहाडो हम पर गिरो।" उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया, उसे। सारी पृथ्वी के कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। और वहां इस्राएल में हर एक परिवार अपने आप को अलग करेगा। परिवार एक दूसरे से अलग हो जायेगे, और कहेगे, "हमने ऐसा क्यों किया? हमने भला कैसे उसे अस्वीकार कर दिया? कैसे? वह वहां पर खड़ा होता है। वहां वो परमेश्वर है जिसके लिए हमने इंतजार किया है। और वहाँ पर वो है, उसके हाथों में कीलो के निशान है, और इसे हमने किया है।"

349 बिल्कुल यही है जो ठीक उन्होंने वहां पर कहा था, जब उन्होंने वापस आकर कहा, "वहां वो युसूफ है, जिसे हमने बेच दिया था।"

उसने कहा, "मैं यूसुफ हूं, तुम्हारा भाई, जिसे तुमने मिस्र में बेच दिया था।"

350 "ओह!" वे डर गए थे। और वे रो रहे थे और विलाप कर रहे थे, और एक दूसरे के पास जाकर कह रहे थे, "हम क्या कर सकते हैं? "

351 उसने कहा, "अपने आप पर क्रोधित मत हो जाओ, क्योंकि परमेश्वर ने यह सब किया। परमेश्वर ने मुझे आगे भेजा।"

352 परमेश्वर ने सारे मनुष्यों को बनाया; गोरे मनुष्य, काले मनुष्य, भूरे मनुष्य, पीले मनुष्य, हर एक मनुष्य को। परमेश्वर ने हर एक मनुष्य की सृष्टि की। उसने अन्यजातियों की सृष्टि की, यहूदियों की सृष्टि की। उसने सब को बनाया। ये सब उसकी महिमा के लिए है। और यहूदियों को अस्वीकार करना था जिससे कि अन्यजाति से दुल्हन को ले।

353 यही वो कारण है कि ये सारे उदाहरण हैं। सो अन्यजाति दुल्हन और उसके साथ जो उसका वंश है, वो महिमामय पेंटीकोस्टल कलीसिया जो मेम्ने के लहू से धोयी गयी है, पुनरुत्थान की सारी सामर्थ के साथ जो उनमें रहती है, किसी दिन रेपचर में उठ खड़े होंगे (एक क्षण में, पलक झपकते ही) ताकि यीशु की उपस्थिति में हो ले, जब वह वापस लौटता है (और सबको वहां से निकाल देता है) जिससे कि वो अपने आप को अपने भाइयों पर प्रकट करे।

354 देखो कि वचन यहां पर क्या कहता है, समाप्त करते हुए। ओह!

देखो, वह बादलों के साथ आने वाला है, और हर एक आंख उसे देखेगी, (अब वह दूसरे आगमन के बारे में बात कर रहा है, न कि रेपचर के लिए), *वरन जिन्हों ने उसे बेधा था...*

355 7 वां अध्याय, पहला पद... या, पहला अध्याय का 7 वां पद।

... हर एक आंख उसे देखेगी, वरन जिन्हों ने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे, और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हां। आमीन।

356 तब वह बड़े हवाले को देता है। यह कौन है? यह कौन है जिसे वे देखने के लिए जाने वाले हैं?

मैं अल्फा और ओमेगा हूं, मैं ए और जेड हूं, (यूनानी ए और जेड, यूनानी अक्षरमाला)...

357 प्रेरितो के काम 2:36... पतरस ने कहा, "आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं दिया गया है जिससे मनुष्यो को बचाया जाना चाहिए।" या नहीं, मैं आपसे क्षमा चाहता हूं; मैं इसे गलत बता रहा हूं। उसने कहा, "सो अब इस्त्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।"

358 यूहन्ना 14: 7 और 12, थोमा ने कहा, "परमेश्वर, हमें पिता दिखाओ, और यह हमें संतुष्ट करेगा।"

359 कहा, "मैं बहुत समय से तुम्हारे साथ हूं, और तुम मुझे नहीं जानते? " कहा, "वो जिसने मुझे देखा उसने पिता को देखा। तू मुझसे क्यों कहता है, 'मुझे पिता को दिखाओ'? मैं और मेरा पिता एक हैं।"

360 मैंने एक समय एक व्यक्ति से कहा। महिला ने कहा, "बस एक मिनट, श्रीमान ब्रंहम।" कहा, "आप और आपकी पत्नी भी एक हैं।"

मैंने कहा, "लेकिन उस तरह से नहीं।"

उसने कहा, "मैं आपसे क्षमा चाहती हूं।"

मैंने कहा, "क्या आप मुझे देखती है? "

उसने कहा, "मैं देखती हूं।"

मैंने कहा, "क्या आप मेरी पत्नी को देखती है? "

उसने कहा, "नहीं।"

361 मैंने कहा, "तब, वे एक अलग प्रकार से हैं। उसने कहा, 'जब आप मुझे देखते हो, तो आप पिता को देखते हो।'" तो इसके लिए इतना ही काफी था।

362 सो संत यूहन्ना, या पहला यूहन्ना 5: 7 से लेकर 8 में, आप सभी जो इसे लिख रहे हैं। पहला यूहन्ना 5: 7 से लेकर 8, बाईबल ने कहा। वो बोलनेवाला वक्ता, वही मनुष्य जिसने यह प्रकाशितवाक्य लिखा था जिसे यीशु ने उसे दिया, उसने कहा, "वहां तीन है जो स्वर्ग में गवाही को देते हैं: पिता, वचन (वचन वो पुत्र है)... पिता, वो वचन, और पवित्र आत्मा, और ये तीनों एक ही हैं। वहां धरती में तीन है जो गवाही को देते हैं: पानी, लहू और आत्मा, और वे सहमत होते हैं; एक नहीं हैं, लेकिन वे एक में सहमत होते हैं।"

363 आपके पास बिना पुत्र हुए पिता नहीं हो सकता। आपके पास पिता और पुत्र नहीं हो सकता, पवित्र आत्मा हुए बिना। सही है। लेकिन आप... और पानी, लहू, और आत्मा, यही वो तत्व है जो उसकी देह में ले जाते है।

364 जब एक स्वाभाविक जन्म होता है, तो सबसे पहले क्या होता है, जब एक स्त्री बालक को जन्म देती है? पहली चीज, ये पानी है। दूसरी चीज, लहू है। क्या सही है? अगली चीज, आत्मा है। वो बालक अपनी सांस को पकड़ता है, सांस लेना आरंभ करता है। पानी, लहू और आत्मा, जो स्वाभाविक जन्म को संगठित करते हैं।

365 आत्मिक जन्म भी। पानी का बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में; विश्वास के द्वारा धर्मिकरण, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हुए। पानी! अगला क्या है? लहू; पवित्रीकरण, साफ़ करते हुए, उसे बाहर करते हुए।

366 वहीं जहाँ आप नाजरीन लोग चूक गये; आप बस उतना ही दूर गए और आगे नहीं बढे। वो पात्र जो वेदी पर पवित्र किया गया, सेवा के लिए तैयार था, लेकिन सेवा में नहीं होता है। "धन्य वे हैं," धन्य उपदेश, "जो धर्म के भूखे हैं और प्यासे है, क्योंकि वे भर दिए जायेंगे।" वो पात्र पवित्र हुआ है। यह सही बात है।

367 वह कुंवारी की तरह है। वो शब्द *कुंवारी* का अर्थ है "शुद्ध, पवित्र, बिना मिलावट का, पवित्र हुआ।" पाँच के पास तेल था, और पाँच के पास तेल नहीं था; पाँच भरे हुए थे, और वे दूसरे केवल पवित्रीकरण में ही रहे।

"क्या तुम ने विश्वास करते *समय* पवित्र आत्मा पाया," तुम जो बैप्टिस्ट हो, प्रेस्बीटेरियन हो?

"हम ने तो पवित्र आत्मा की चर्चा भी नहीं सुनी।"

"फिर, तुमने कैसे बपतिस्मा लिया?" हूं–हुंह।

368 उसके उन पर हाथ रखने के बाद, तब वे, बचाए जाने के बाद और पवित्र हुए थे, उसके बाद वे पवित्र आत्मा से भर गए थे। सही है।

369 पानी, लहू, आत्मा! यीशु धोने और शुद्ध करने के लिए आया, और ताकि एक कलीसिया को पवित्र करे, जिससे वो आकर उसमें रह सके। उसके अपने खुद के लहू से; उसने अपने ही परमेश्वर से जन्मे लहू को दिया, जिससे वह हमें हमारे शरिरिक संबंध के जन्म से साफ कर सके, और हमें एक पवित्रीकरण को दे, पवित्र पात्र जिससे कि वो खुद आ सके।

370 "थोड़ी देर रह गयी है, और यह संसार मुझे नहीं देखेगा; लेकिन तुम मुझे देखोगे क्योंकि मैं," व्यक्तिगत सर्वनाम, "तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में संसार के अंत तक रहूंगा।" आमीन। "वहां से होते हुए, मैं तुम्हारे साथ और तुम में रहूंगा। जो काम मैं करता हूं वो तुम भी करोगे। ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।" परमेश्वर कलीसिया में है! ओह, प्रभु! दैविकता! "स्वर्ग में तीन हैं जो गवाही को देते हैं: पिता, वचन (पुत्र), पवित्र आत्मा। वे एक हैं।"

371 अब, आप बचाये जा सकते है बिना पवित्रीकरण हुए। आपका पवित्रीकरण हो सकता है और पवित्र आत्मा नहीं होता है; ये सही है, पवित्र किया हुआ आत्मा, बिना भरा हुआ। आपके ह्रदय को पवित्र करते हुए, आपके ह्रदय को साफ करते हुए, बिना किसी चीज़ के साथ भरे हुए। यह वही है जो उसने कहा, "जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य से बाहर चली जाती है, वो सूखे स्थानो पर चलता है। अशुद्ध आत्मा वापस आता है, अपने घर को पूरी तरह सजा हुआ पाता है, और अंदर आ जाता है। उस व्यक्ति की अवस्था कई गुना, सात गुना, पहले से भी बदतर हो जाती है।"

372 यही है जो आप पिलग्रिम होलीनेस का हुआ है, नाजरीन, और इत्यादि। आपने स्वीकार किया हैं। और जब पवित्र आत्मा आता हैं, अन्य जुबान में बोलना आरंभ करते हैं, और चिन्ह और चमत्कार को करते हैं, तो आप इसे "शैतान" कहते हैं और परमेश्वर के कामों को दोषी ठहराते हैं, इसे "एक अशुद्ध चीज" कहते हैं। और क्या आप देखते हैं कि आपकी कलीसिया कहाँ

निकल चुकी है? उसमें से बाहर निकलो! वो घडी यहां पर है, यीशु मसीह के प्रकाशन को सिखाया जा रहा है, परमेश्वर पवित्र आत्मा के उसके प्रमाण की सामर्थ में प्रकट हुआ है। आमीन। छुटकारे का दिन निकट है।

373 अब, दैविकता उसी में, पहला तीमुथियुस 3:16।

> *... और इस में सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद महान है; अर्थात वह जो शरीर में प्रगट हुआ... स्वर्गदूतों को दिखाई दिया... जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया।*

374 ओह, बस आगे और आगे और आगे। लेकिन अब हम कहां पर हैं? आठवे पद पर।

375 आज रात को हम नौवे पद से आरंभ करेंगे, *पतमुस का दर्शन*। ओह, हमारे लिए महान चीजों को संग्रह करके रखा हैं। क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

> मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
> क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
> और मेरे उद्धार को खरीद लिया
> कलवरी के पेड़ पर।

376 क्या आप वास्तव में ऐसा करते हैं? क्या परमेश्वर ने अपने आप को आप पर प्रकट किया है, कि वह परमेश्वर का पुत्र है, जो यीशु मसीह है, परमेश्वर देह में प्रकट हुआ, ताकि पाप दूर को करे? वह अपने आप को कलीसियाओ में इन अंतिम दिनों में प्रकट कर रहा हैं, जिससे वह खुद को ज्ञात करवाये।

377 अब, ये वही चीजें है जो कलीसिया में चल रही हैं, ध्यान दे और देखे, इस संदेश के अंत में, कि क्या बाईबल ऐसा नहीं कहती है कि ये चीजें होने वाली हैं, बिल्कुल उसी तरह से। देखो क्या वे वास्तव में, इफिसियन युग में नहीं थे, और पिरगमुन, थूआतीरा, और आगे, हर युग में।

378 बताया कि लूथर कैसे करेगा, और वेस्ली कैसे करेगा। और कैसे यह पेंटीकोस्टल संप्रदाय एक लौदीकिया में चला जायेगा, गुनगुनी स्थिति में, लेकिन, इसके बीच में, वह लोगों को खींच लेगा। ये सही बात है। यह बिलकुल ऐसा ही है। हम अंत में हैं। ओह, मैं बहुत ही खुश हूं! और, ओह, जैसा कि मैंने अपने आपको देखा है टूटते हुए, और अपने दोस्तों और

चीजों को, और संसार और—और उस गड़बड़ी को जिसमें वे है और फिर सोचता हूं कि प्रभु का आगमन इतना निकट आ रहा है। हम युग के अंत में हैं।

379 डर के कारण मनुष्यों को ह्रदय का दौरा पड रहा है। हर कही, हर कोई, यह हर समय, रेडियो पर चेतावनी दी जा रही है, "हवाई हमले के लिए तैयार रहें। *इसे* अंदर में ले ले, *उसे* अंदर ले, और नीचे तहखाने में चले जाये।" आप भला इससे कैसे छुपेंगे? उस से छिपा नहीं जा सकता। तो ठीक है, वह चीज एक सौ पचास मील फुट जमीन के अंदर चली जाएगी, एक सौ पचास स्क्वायर फुट। क्योंकि, इसकी हिलावट... यदि ये वहां पर प्रहार किया जाता है, तो यह जमीन पर इंडियानापोलिस तक को हिला देगा। क्योंकि, यह इंडियानापोलिस को उडाकर टुकडे –टुकडे कर देगा, जो ठीक यहां लुईसविले में आ पहुंचेगा, देखो, उनमें से एक। यह बताना मुश्किल है, इसके अलावा उनके पास और क्या–क्या है।

380 और, देखो, आपको ऐसा नहीं करना है... आप जानते है, रूस को ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। क्यूबा ऐसा कर सकता है। कोई भी छोटे से स्थान पर, एक—एक छोटा सा स्थान, उस ओर अल्कातर्ज़ के आकार का, इसे कर सकता है, जो सारे संसार तक फ़ैल सकता है। केवल एक चीज जो आपको करनी है वह है बस उसे ऊपर लाकर और एक तार को खींचना है। आपको सेना की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको बस इसे करने के लिए एक कट्टरपंथी की आवश्यकता है, जो शैतान के हाथों में है। यह बिल्कुल सही बात है। वो ऐसा करेगा, और उसके बाद सारी चीज खत्म हो जाती है। यह सब खत्म हो जाता है।

381 लेकिन, ओह, मैं आपको इस धन्य चीज को देता हूं। जब हम इसे इतने नजदीक से देखते हैं, जब हम देखते हैं कि यह सुबह होने से पहले हो सकता है। याद रखें, ये घटित होने से पहले कलीसिया घर चली जाती है। इससे पहले रेपचर जगह को ले लेता है।

382 अब, जिससे तुम मुड़ नहीं सकते, याद रखना, यीशु ने कहा, "जैसा कि नूह के दिनों में था, जैसा कि लूत के दिनों में था।" याद रखो, इससे पहले कि कोई बारिश गिरे नूह जहाज में था। देखा? नूह जहाज में था। उसे इसके जरिए से बच निकाला। और अब, नूह एक यहूदी का नमूना था। लेकिन हनोक मरे बिना ही घर चला गया। और जब नूह ने हनोक को जाते

हुए देखा, वह जान गया यही वो समय था, कि जहाज को आरंभ करना हैं। ये सही बात है। यह नूह का चिन्ह था, जब हनोक घर चला गया। और जैसे ही अन्यजाति कलीसिया उठा ली जाती है, तब वह खुद को इस्राएल को प्रकट करता है। समझे? ये सही है।

383 याद रखें, लूत के दिनों में, जैसा कि यीशु ने कहा, इससे पहले कि आग की एक चिंगारी कभी घरती पर टकराये, उस दूत ने कहा, "दौड़ो। जल्दी करो। यहां से निकल चलो, क्योंकि मैं तब तक कुछ नहीं कर सकता, जब तक तुम अत: आ नहीं जाते।" इससे पहले आग लगे, लूत और उसका परिवार बाहर था और ख़त्म हो गया। इसलिए, महासंकट आरंभ होने से पहले रेपचर हो जायेगा।

384 महासंकट, बहुत से लोगों ने उन्हें मिश्रित कर दिया है। हम इस सप्ताह इसे सीधे–सीधे ले लेंगे, प्रभु की इच्छा हुई तो, प्रभु की सहायता से। याद रखना, आप एक बड़े महासंकट के काल के लिए देख रहे है, जो था, यदि आप बाईबल में नमूने को देखेंगे जो कि याकूब के परेशानी के दिन थे, आप देखे, जब वो परेशानी में था। अन्यजातियों के साथ इसका कोई लेना–देना नहीं था। अन्यजातियों का इससे कोई लेना–देना नहीं है। बाईबल में कोई नमूना नहीं है। अन्यजाति कलीसिया का रेपचर हो जाता है।

385 और आप "पानी का लहू में बदलना" इसके लिए देख रहे है और इस तरह की चीजो के लिए। जो वहां पर इस्राएल के लिए वापस आता है, मूसा और एलिय्याह के साथ, जब वे वापस आते है। एलिय्याह, चौथी बार, आत्मा में वापस लौटता है। न तो उनमें से कोई मरा था।

386 या... मूसा मरा; वे नहीं जानते थे कि उन्होंने उसे कहाँ दफनाया है। वह उस समय और उसके बीच कहीं तो जी उठने के लिए बाध्य था, क्योंकि, रुपान्तरण के पहाड़ पर, वो वहाँ पर था, यीशु से बात कर रहा था। क्या वो नहीं कर रहा था? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] देखा?

387 सो वे वापस आकर और मारे जायेंगे, और जिसे आत्मिक मार्ग कहा जाता है "सदोम," वहां डाल दिए जायेंगे, जहां हमारे प्रभु को क्रूस पर चढ़ाया गया था, यरूशलेम में। वे यहूदियों के लिए प्रचार करेंगे, और धरती पर प्रहार करेंगे, और आकाश बंद करेंगे, और इसी तरह से इत्यादि। और अन्यजातियों की सेवकाई आगे स्थानांतरित होकर और इस के साथ जुड़ जायेगी, और अन्यजाति घर चले जायेंगे, और वह सेवकाई आगे बढ़ेगी।

वहां सारी चीजों का नाश होगा। धरती का दो तिहाई भाग गिर जाता है, और बाकी का सब कुछ। जब तीन दिन तक सड़क पर वे मरे हुए शरीर पड़े रहते है, तो देखे कि यह किस तरह से था।

388 इन तस्वीरों को देखो, मुझे वहां दक्षिण अमेरिका से मिली है, जब उन्होंने उस पेंटीकोस्टल मिशनरी को मार डाला, उसकी पत्नी और वो और दो छोटे बच्चे वहां सड़क पर पड़े हुए थे। वो छोटी लड़की, और उसका छोटा सा पेट *इस* तरह से फुल गया था। उन्होंने उन्हें दफनाया भी नहीं। वहां से निकल गये, इस तरह से उन पर थूकते हुए, वे तीन–चार दिन तक पड़े थे। भाई कोप्प ने तस्वीरे खींची। वे मेरे घर पर है, देखो, जिस तरह से वे कर रहे हैं।

389 फिर वे एक दूसरे के लिए उपहारो को भेजते हैं। देखो कि बाईबल में यह कैसा नमूना है, आप देखे कि कलीसिया यह क्या करने जा रही है। यह सही है, ठीक सामने है, और ठीक अभी एक सांप की तरह चल रही है, जितनी वो चालाक हो सकती है, वो है, ठीक अभी उन बातों के चिन्ह है।

390 इस भविष्यवाणी को देखे जिसे प्रभु ने मुझे 33 में दिया, यह कैसे होगा, "वे महिलाओं को मतदान करने की अनुमति देते है। मतदान में, वे गलत व्यक्ति का चुनाव करते है।" सात चीजें मुझे दी गई थीं, और उनमें से पांच पहले ही हो चुकी हैं। अगली चीज वो एक बड़ी महिला, एक कलीसिया, एक सामर्थ या कुछ और, इस संयुक्त राज्य अमेरिका को अधिकार में ले लेती है, राज्य करने के लिए। तब मैंने इसे राख की तरह पड़ा हुआ देखा है, जहां ये अंत में आता है। यह अंत का समय था।

391 इसने कहा, "उनके पास एक मशीन है जो चलाई जा सकती है। उनके पास इसे चलाने वाला कोई नहीं था।" उन्होंने इसे अभी तैयार कर किया है। इसने कहा, ग्यारह वर्ष...

392 पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा। ये वहां पन्नो पर लिखा है। आप नहीं कर सकते... इसे इन्कार नहीं किया जा सकता। ये वहां पन्नो पर है, जैसा कि पवित्र आत्मा ने कहा।

393 ग्यारह वर्ष पहले मैजिनॉट लाइन का निर्माण होने से पहले, मैंने कहा था, "वे जर्मन... अमेरिका तब... राष्ट्रपति रूजवेल्ट उन सभी का दुष्ट होगा।" और यह सही है। वो था।

394 आप लोकतंत्रवादी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं कहता हूं, लेकिन मैं—मैं आपको बता रहा हूं। यह अब लोकतंत्रवाद या प्रजातंत्र नहीं है। यह यीशु मसीह है, परमेश्वर का पुत्र, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। मैं ना तो लोकतंत्रवाद या ना ही प्रजातंत्र हूं। मैं एक मसीही हूं। सो फिर, वे, जो कुछ भी थे, लेकिन आप वहां ध्यान दे।

395 और यहां देखो, एक दिन, यदि आप देखना चाहते हैं कि एक विश्वासघाती झुण्ड क्या है। उन मशीनों को लेते है और उन्हें ऐसा बनाते है, जहां, हर बार जब आप श्रीमान निक्सन के लिए वोट डालेंगे, तो आपको उसी समय पर, ये दूसरे व्यक्ति को वोट चला जाता था। एड... जे. एडगर हूवर ने मशीनों को बाहर निकाला। कितने लोग इसे समझ रहे हैं? क्योंकि, अवश्य ही, यह सारे अखबारों में, समाचार और बाकी सभी चीजों पर आया है। आपने देखा कि हम कहाँ पर हैं?

396 वहां मसीह के आलावा कुछ और ईमानदारी नहीं है। आमीन। ओह, धन्य है वो पुरानी किताब! ऐसा ही है। यह केवल एक किताब है जो आपको बताती है कि आप कौन हैं, आप कहां से आये हैं, और आप कहां जा रहे हैं (जी हां, श्रीमान), यह वो धन्य पुरानी किताब है, ओह, जो मुझे उससे प्रेम करने को लगाती है। क्या यह आपको नहीं लगाती? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

पिता में विश्वास, पुत्र पर विश्वास,
पवित्र आत्मा में विश्वास, ये तीनों एक हैं;
दुष्टआत्माये कांपने लगेंगी, और पापी जाग उठेंगे;
यहोवा में विश्वास किसी को भी हिला देता है।

397 आमीन। क्या ही महान दिन हमारे सामने है, मित्रो! "यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य जो परमेश्वर ने अपने दूत को दिया, और आकर और इसे यूहन्ना को वर्णन करता है, जिससे कि यह कलीसिया के युगों में से होते हुए, जाना जा सके, वे बातें जो हमारे लिए बचा कर रखी है।"

398 होने पाए परमेश्वर अब हमें आशीष दे, जैसे हम अपने पैरों पर खड़े होते हैं। और हमेशा जो पियानो को बजाता है, हमें जरा स्वर को दें यदि आप चाहें तो, *यीशु के नाम को अपने साथ ले*।

399 अब सुनना। इसमें कोई संदेह नहीं है, आज की सुबह यहां हमारे बीच मेहमान लोग हैं। मैं चाहता हूं कि आप उनके हाथों को मिलाये। उन्हें

आमंत्रित करें, आपके साथ घर जाये, और जो भी है। और हर एक का स्वागत करे। मैं चाहता हूं कि हर कोई निसंदेह ऐसा करे।

400 और याद रखें कि सभा आज रात सात बजे आरंभ होगी। और सात–तीस को, मैं *पतमुस के दर्शन* पर बोलूंगा। कल रात, प्रभु ने चाहा तो, मैं पहले कलीसिया के युग, इफिसुस पर बोलूंगा।

401 अब हम गीत गाने जा रहे हैं *यीशु के नाम को अपने साथ ले*, हमारे भवन का छोटा सा समाप्त करने का गीत है। और अब हर एक जन गाये। तो ठीक है।

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और सुकून देगा,
हर कही तुम जाते हो इसे ले जाये।

बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

402 अब इससे पहले कि हम अगले पद को गाये, मैं चाहता हूं मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटेकोस्टल, कैथोलिक, नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस, वे सभी बस यहां–वहां जाकर, किसी के साथ हाथ को मिलाये, जो आपके सामने है, आपके पास, आपके पीछे, कहे, "मसीह यात्री, मित्र, मैं आज सुबह आपको यहां पाकर खुश हूं। परमेश्वर की उन बातों के इर्द–गिर्द, आप के साथ संगति करके खुश हूं। मैं जानता हूं कि हमारे पास बहुत अच्छा समय था। आज रात आपको फिर से यहां देखने की आशा है।" ऐसा ही कुछ, जब आप लोगों के साथ हाथ मिलाते हैं, आपके सामने, आपके पीछे, आपके आस–पास।

यीशु नाम पर झुकते हुए,
आज रात को मिलते हैं, भाई नेविल। आज रात को मिलेंगे।
... पैरो पर,
स्वर्ग में राजाओं का राजा, हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

ओह बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

जब तक हम मिलते नहीं! जब तक हम मिलते नहीं!
जब तक हम मिलते नहीं यीशु के चरणों में; (जब तक
हम मिलते नहीं,)
जब तक हम मिलते नहीं! जब तक हम मिलते नहीं!
जब तक हम मिलते नहीं! परमेश्वर आपके साथ रहें!

जब अब हम अपने सिर को झुकाते है :

जब तक हम मिलते नहीं! जब तक हम मिलते नहीं!

यीशु मसीह का प्रकाशन HIN60–1204M

(The Revelation Of Jesus Christ)

यीशु मसीह के प्रकाशन की श्रृंखला

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 4 दिसम्बर, 1960 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2020 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org